पुस्तिका 2022

प्राकृतिक खेती : जीवन का आधार

प्रसार निदेशालय

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय,
कानपुर–2

प्राकृतिक खेती : जीवन का आधार

(पुस्तिका वर्ष–2022)

संपादक मंडल

संरक्षक	:	**डा0 डी0आर0 सिंह,** कुलपति चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ0वि0वि0, कानपुर
मार्गदर्शन	:	**डा0 अरविन्द कुमार सिंह, समन्वयक** प्रसार निदेशालय चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ0वि0वि0, कानपुर
संकलनकर्ता	:	डा0 अशोक कुमार, अध्यक्ष, के0वी0के0, दलीपनगर डा0 खलील खान, मृदा वैज्ञानिक के0वी0के0, दलीपनगर
तकनीकी सहयोग	:	श्री विवेक कुमार दुबे, मौसम प्रेक्षक कृषि विज्ञान केन्द्र, थरियांव, फतेहपुर
प्रकाशक	:	प्रसार निदेशालय चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ0वि0वि0, कानपुर।

प्रसार निदेशालय

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

घनजीवामृत बनाने की विधि, प्रयोग तथा लाभ

परिचय–

आज की जीवन शैली में रसायनिक खादों एवं कीटनाशकों के अधिक उपयोग से भूमि बंजर हो रही है जिससे मृदा का जीवांश कार्बन निम्न स्तर पर जा रहा है इसलिए आज के समय में जरूरी हो गया है कि हम घनजीवामृत का उपयोग कर फिर से अपनी मिट्टी की सेहत सुधारें और प्राकृतिक खेती के प्रयोग से फसलोत्पादन करें। घनजीवामृत एक अत्यन्त प्रभावशाली जीवाणुयुक्त सूखी खाद है जिसे देशी गाय के गोबर में कुछ अन्य चीजें मिलाकर बनाया जाता है। घनजीवामृत को बोआई के समय खेत में पानी देने के 3 दिन बाद प्रयोग कर सकते हैं।

घनजीवामृत बनाने की विधिः–

घनजीवामृत बनाने के लिए 100 किग्रा0 देशी गाय के गोबर को किसी पक्के फर्श पर फेलायें। अब 2 किग्रा0 देशी गुड़, 2किग्रा बेसन और सजीव मिट्टी का मिश्रण बनाकर अब थोड़ा–2 गौ मूत्र डालकर अच्छी तरह गूंथ लेंगे जिससे उसका घनजीवामृत बन जायेगा। अब इस तरह तैयार मिश्रण को छाया में 48 घण्टों के लिए अच्छी तरह सुखाकर बोरे से ढक देते हैं। 48 घण्टे बाद इस मिश्रण का चूर्ण बनाकर भण्डारित कर लेते हैं। घनजीवामृत को 6 महीने तक प्रयोग कर सकते है।

घनजीवामृत बनाने के लिए आवश्यक सामग्रीः–

सामग्री	मात्रा
देशी गाय का गोबर	100 किग्रा0
देशी गाय का गौमूत्र	05 ली0
गुड़	2 किग्रा
बेसन	2 किग्रा0
मिट्टी (बरगद या पीपल के पेड़ के नीचे की मिट्टी	1 किग्रा0

घनाजीवामृत का प्रयोगः–

घनजीवामृत का उपयोग किसी भी फसल में कर सकते हैं, घनजीवामृत का उपयोग बहुत ही आसान है इसके प्रयोग के लिए प्रति एकड़ 100 किग्रा0 सूखा देशी गाय के गोबर की खाद के साथ 20 किग्राम घनजीवामृत बोवाई के समय खेत में डालते हैं। घनजीवामृत का उपयोग खेत में पानी देने के 3 दिन बाद भी कर सकते हैं।

घनजीवामृत से लाभः–

- घनजीवामृत के प्रयोग से किसान रसायनिक खेती की अपेक्षा अधिक फसल उत्पादन ले सकते हैं।
- घनजीवामृत से बीजों का अंकुरण अधिक मात्रा में होता है।
- घनजीवामृत के उपयोग से फसलों के दानों की चमक और स्वाद दोनों ही बढ़ते है।
- घनजीवामृत के उपयोग से जैसे ही मिट्‌टी में नमी आती है इसमें उपस्थित जीवाणु सक्रिय हो जाते है और मिट्‌टी की उपजाउ क्षमता कई गुना बढ़ा देते है।
- घनजीवामृत के उपयोग से पौधों में रोग प्रतिरोध क्षमता बढ़ती है।
- घनजीवामृत के उपयोग से फसल को आवश्यकता से अधिक गर्मी या ठंडी सहन करने की शक्ति प्रदान करता है।
- धनजीवामृत में ऐसा कोई तत्व नहीं होता जो किसी भी फसल को हानि पहुचायें।

इस प्रकार किसान भाई कम लागत में अधिक उत्पादन ले सकते है। तो आइये हम सभी प्राकृतिक खेती अपनाये और स्वयं के साथ ही मिट्‌टी की सेहत बनायें।

बीजामृत बनाने की विधि और फसलों में इसका प्रयोग तथा लाभ

परिचय–

प्राकृतिक खेती में बीजामृत से बीजों को रोगमुक्त करने के लिए प्रयोग किया जाता है। बीजामृत से उपचारित किये हुए 100 में 90 बीज अंकुरित हो जाते हैं जबकि रसायनिक दवाइयों से उपचारित बीजों में यह संख्या कम होती है।

बीजामृत बनाने के लिए आवश्यक सामग्रीः—

सामग्री	मात्रा
देशी गाय का गोबर	05 किग्रा0
देशी गाय का गौमूत्र	05 ली0
पानी	20 ली0
चूना	50 ग्रा0
मिट्टी (पीपल या बरगद के पेड़ के नीचे की मिट्टी)	50 ग्रा

निर्माण विधिः—

देशी गाय के गोबर, मूत्र, पानी को एक बर्तन में घोल लें। अब दूसरे बर्तन में 1/2 ली0 पानी और 50 ग्रा0 चूनें को घोल लें। दोनों मिश्रणों को ढककर 24 घण्टे के लिए रख देते है। 24 घण्टे बाद दोनों मिश्रणों को कपड़े से छान लेते हैं। अब यह बीजामृत 100 किग्रा0 बीजों को उपचारित करने के लिए पर्याप्त है।

प्रयोग विधिः—

1. बीजामृत को गेहूॅं के उपर छिड़कते हुए दानों को हल्का—2 मलते रहें।
2. इसके बाद बीजों को छॉंव में सुखाकर बिजाई कर देते है।
3. जिस पानी में धान के बीजों को अंकुरित होने के लिए रखा जाता है उस पानी में बीजामृत डाल दें।
4. अंकुरित होने के बाद नर्सरी में लगा दें।
5. दालों एवं कोमल स्वभाव वाले बीजों के लिए बीजामृत तैयार करते समय चूने का प्रयोग न करें।

बीजोपचार हेतु नुस्खेः—

बीजामृत का प्रयोग बीज शोधन के लिए किया जाता है। बीज शोधन का अर्थ है बीजों को बीज जनित या मृदा जनित रोगों से बचाव हेतु तैयार करना। बहुत से रोग बीजों के

माध्यम से फैलते हैं जिनसे फसल को बचान बहुत महत्वपूर्ण है। रोग जनित बीमारियों का इलाज बीज शोधन से ही सम्भव है, लेकिन आज भी अधिकांश किसान बिना उपचारित बीज से ही खेत की बोवाई करते है। बीजोपचार बीजों के अकुरण क्षमता में वृद्धि करता है। बीज शोधन से बीज जल्द एवं अधिक संख्या में उगते हैं। पौधों की जड़े तीव्र गति से बढ़ती है। और मृदा जनित रोगों से फसलों में बीमारियों का प्रकोप नहीं होता है।

बीजामृत के घोल से बीजों को उपचारित करने के उपरान्त ढककर रख देते हैं तत्पश्चात इनकों छाव में सुखा लेते हैं। बीजामृत से शोधित किये हुए बीज जल्दी और ज्यादा मात्रा में जमाव होता है। भूमि में लगने वाली बीमारियां कम होती है। पौघे अच्छी तरह से फलते और फूलते हैं। केले और गन्ने की बीजायी में भिगोने के तुरन्त बाद लगना चाहिए और अगर धान, टमाटर, बैंगन या किसी प्रकार की पौध लगानी हो तो उसकी जड़ें बीजामृत में डुबोए तत्पष्चात् पौध को खेत में रोपाई करनी चाहिए। चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के अधीन समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों पर प्राकृतिक खेती हेतु बीजामृत का उपयोग किया जा रहा है एवं कृषकों को बीजामृत के उपयोग एवं बनाने की विधि का प्रदर्शन कर केन्द्र पर आने वाले जनपदीय कृषकों को गोष्ठियों के माध्यम से जागरूक कर लाभान्वित किया जा रहा हैं।

जीवामृत बनाने की विधि और फसलों में इसका प्रयोग तथा लाभ

परिचय

दिन प्रतिदिन खेती की लागत में वृद्धि हो रही है जिससे किसानों की आय पर प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए किसान अब प्राकृतिक खेती की ओर रूख कर रहे है। क्योंकि खेती का यही एक मात्र टिकाउ और सस्ता उपाय हैं इससे खेत की उर्वरा शक्ति बनी रहती है साथ में

मंहगे रसायनिक उर्वरकों, खरपतवारनाशी और कीटनाशकों से छुटकारा मिलता है। खेती में कृषि रसायनों का अंधाधुंध प्रयोग करने के कारण जीवांश कार्बन की कमी होती जा रही है। रसायनों का वातावरण पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है जिससे कि हमारा जल विषाक्त और वातावरण प्रदूषित हो रहा है। प्राकृतिक कृषि वह पद्धति है जिसमें देशी गाय के गोबर एवं मूत्र का प्रयोग करते हुये बीजामृत, जीवामृत, पंचगब्य, नीमास्त्र, संजीवक आदि का उपयोग करते हुये खेती करते हैं। जीवामृत लाभदायक सूक्ष्म जीवाणुओं का भण्डार है इसमें लाभदायक सूक्ष्म जीव एजोस्पाइरिलम, स्यूडोमोनास, ट्राइकोडरमा, पीएसबी, यीस्ट एवं मोल्ड आदि पाये जाते है। जीवामृत पौंधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने में अहम भूमिका निभाती है। यह मिट्टी में प्राकृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक उत्प्रेरक का कार्य करता है। जीवामृत को बहुत ही आसानी से आवश्यकतानुसार बनाया जा सकता है।

जीवामृत बनाने की विधिः-

जीवामृत बनाने के लिए निम्नलिखित सामग्री की आवश्यकता होती है।

जीवामृत बनाने के लिए आवश्यक सामग्रीः—

सामग्री	मात्रा
देशी गाय का गोबर	10 किग्रा0
देशी गाय का गौमूत्र	05—10 ली0
पानी	200 ली0
गुड़	01 किग्रा0
बेसन या किसी भी दलहन का आटा	01 किग्रा0
मिट्टी (खेत के मेड़ की या पीपल/बरगद के पेड़ के नीचे की मिट्टी)	50 ग्राम (एक मुट्ठी)

जीवामृत बनाने की विधिः—

जीवामृत बनाने के लिए 225 ली0 प्लास्टिक के ड्रम की आवश्यकता होती है। इसमें 200 ली पानी लेकर फिर उसमें 5 से 10 ली0 गौमूत्र मिलायें तत्पश्चात् मिश्रण में 10 किग्रा0 देशी गाय का गोबर, 01 किग्रा0 गुड़, 1 किग्रा0 बेसन और 50 ग्रा0 (एक मुट्ठी) मिट्टी को मिलाने के बाद मिश्रण को लकड़ी के डण्डे की सहायता से अच्छी तरह मिला लेते है। इस घोल को 2 से 3 दिनों तक सड़ने (किण्वन) के लिए

छाया में रखते हैं। प्रतिदिन इस घोल को 2 बार सुबह–शाम घड़ी की सुई की दिशा में लकड़ी के डण्डे से 2 मिनट तक घोलना होता है। घोलने के बाद जीवामृत को जूट की बोरी या सूती कपड़े से ढक देते है। इसे वर्षा के पानी तथा सूर्य के प्रकाश से बचाये। 3 से 4 दिन के अन्दर जीवामृत तैयार हो जाता है। जिसे एक सप्ताह तक प्रयोग कर लेने से लाभकारी होता हैं।

सावधानियॉः–

1. देशी गाय के गोबर का इस्तेमाल करे, गोबर जितना ताजा होगा उतना ही सर्वोत्तम है। गोबर 7 दिनों तक प्रभावशाली होता है। यदि आपके पास बैल हैं तो आधा गोबर बैल का मिला सकते हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें अकेले बैल का गोबर प्रयोग न करें।
2. गौमूत्र जितना पुराना हो उतना ही उत्तम है (भैंस, जर्सी, होल्स्टीन का मूत्र वर्जित है)।
3. पुराना गुड़ सबसे अच्छा होता है। यदि गुड़ उपलब्ध न हो तो एक ली0 गन्ने का रस या 2 किग्रा0 गन्ने के छोटे–छोटे टुकड़े काटकर डाल सकते है या 400 ग्रा0 पके हुए फलों के गूदे का प्रयोग किया जा सकता है।
4. सोयाबीन, मूंगफली अथवा अन्य ज्यादा तेल वाली दलहनों के बीजों से तैयार किये गये बेसन का उपयोग कदापि न करें।

खेत के मेड़ की मिट्टी या पेड़ के नीचे की मिट्टी जहां किसी भी प्रकार के रसायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों एवं खरपतवारनाशी का उपयोग न किया गया हो उस मिट्टी का चुनाव करना चाहिए, क्योंकि इसमें विभिन्न प्रकार के उपयोग जीवाणु उपस्थित रहते है।

जीवामृत प्रयोग करने की विधिः–

जीवामृत का प्रयोग सिंचाई के पानी के साथ, सीधा भूमि की सतह पर दो पौधों के बीच एवं खड़ी फसल पर छिड़काव किया जाता है। जीवामृत का प्रयोग महीने में 1 या 2 बार उपलब्धता के अनुसार 200 ली0 प्रति एकड़ के हिसाब से सिंचाई के पानी के साथ किया जा सकता है। बगीचों में फलों के वृक्षों के पास दोपहर 12:00 बजें छॉव पड़ती है उस छॉव के पास प्रति पेड़ 2 से 5 ली0 जीवामृत महीने में एक या दो बार गोलाकार थालो में डाला जा सकता है। जीवामृत का प्रयोग करते समय इस बात का ध्यान रखें कि भूमि में नमी हो। खड़ी

फसलों पर जीवामृत का पहला छिड़काव बीज बोवाई के 21 दिन बाद प्रति एकड़ पर 100 ली0 पानी और 5 ली0 जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें एवं दूसरा छिड़काव पहले छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 ली0 पानी और 20ली0 जीवामृत को मिलाकर छिड़काव करें। साथ ही तीसरा छिड़काव दूसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 ली0 पानी में 20ली0 जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

जीवामृत से लाभः–

जीवामृत खेत में उपलब्ध जैव अवशेष के विघटन हेतु एक प्रभावी जैव नियामक है। यह पौधों को मुख्य तथा सूक्ष्म पोषक तत्व उपलब्ध कराने के साथ–2 कीट रोग निवारण में भी सहायक है क्योंकि जीवामृत फसलों में कीट एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा कृषि उत्पाद गुणवत्तापरक उत्पादित होता है। जीवामृत लाभदायक सूक्ष्म जीवाणुओं का भण्डार है। इसमें लाभदायक सूक्ष्म जीवाणु एजोस्पाइरिलम, स्यूडोमोनास, ट्राइकोडरमा, पीएसबी, यीस्ट एवं मोल्ड आदि पाये जाते है। जीवामृत जब सिंचाई के साथ खेत में डाला जाता है तो भूमि में जीवाणुओं की संख्या में अविश्वसनीय बढ़ोत्तरी होती है। साथ ही भूमि की भौतिक, रसायनिक एवं जैविक गुणों में वृद्धि होती हैं। जीवामृत के उपयोग से मिट्टी स्वस्थ रहती है और फसल भी उतनी ही बेहतर होती है। इससे किसानों के मित्र कहे जाने वाले केचुओं की संख्या भी बढ़ती है।

फसल सुरक्षा (कीट प्रबंधन)

नीमास्त्र बनाने की विधि और फसलों में इसका प्रयोग तथा लाभ

परिचयः–

नीमास्त्र एक कीटनाशक है जिसे नीम की हरी पत्तियॉ या सूखे फल, गौ मूत्र, गोबर एवं पानी की सहायता से बनाया जाता है। इसका इस्तेमाल फसलों में लगने वाले कीटों के नियंत्रण के लिए किया जाता है। नीमास्त्र रस चूसने वाले कीड़ों, छोटी सुण्डी/इल्लियॉ के लिए उपयोगी है।

नीमास्त्र बनाने की विधिः–

नीमास्त्र को आसानी से घर पर बनाया जा सकता है। इसे बनाने के लिए कुछ सामग्री की आवश्यकता होती है। अगर यह सामग्री उपलब्ध हो तो इसे कोई भी आसानी से बना सकता है।

नीमास्त्र बनाने के लिए आवश्यक सामग्रीः–

सामग्री	मात्रा
देशी गाय का गोबर	01 किग्रा0
देशी गाय का गौमूत्र	05 ली0
पानी	100 ली0
नीम की हरी पत्तियॉ/सूखे फल	05 किग्रा0

200 ली0 प्लास्टिक के ड्रम में नीम की पत्ती एवं सूखे फलों को कूटकर पानी में मिलाएं तत्पश्चात् देशी गाय का गोबर और गौ मूत्र का मिश्रण मिला लें। मिश्रण को 48 घण्टे बोरे से ढककर सुबह–शाम घड़ी की सुई की दिशा में घुमायें तत्पश्चात् कपड़े से छानकर फसलों पर छिड़काव करें।

सावधानियॉः–

- नीमास्त्र को छॉव में रखें और धूप से बचायें।
- इस बात का ध्यान रखें कि नीमास्त्र पर वर्षा का पानी न पड़े।
- गौ मूत्र को प्लास्टिक के बर्तन/ड्रम में रखें।

प्रयोग करने अवधिः–

नीमास्त्र का प्रयोग 6 महीने तक कर सकते हैं यानि कि इसे 6 महीने तक भण्डारित करके रख सकते है।

नीमास्त्र का प्रयोगः–

नीमास्त्र का प्रयोग फसलों में चूसने वाले कीड़ों, छोटी सूड़ियों/इल्लियों के लिए किया जाता है जब फसलों में चूसने वाले कीड़े, छोटी सूण्डी/इल्लियों का प्रकोप दिखें का प्रकोप

दिखे तो नीमास्त्र का छिड़काव करके इन कीडों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। तैयार नीमास्त्र को अच्छे से छानकर फसलों पर छिड़काव करते हैं।

नीमास्त्र से लाभः–

नीमास्त्र से फसलों को काफी लाभ होता है क्योंकि नीमास्त्र को आसानी से घर पर तैयार किया जा सकता है। नीमास्त्र को तैयार करने में जो सामग्री लगती है वों सामग्री किसानों के आसानी से उपलब्ध होती है। किसानों को इन सामग्री को खरीदने की जरूरत नहीं होती है जिससे किसानों को इसे बनाने में कुछ भी खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती है और किसान आसानी से एक अच्छा कीटनाशक तैयार कर लेते है। जिससे फसलों पर लगने वाले कीड़ों पर आसानी से नियंत्रण पाया जा सकता है। यह किसानों को मंहगे रसायनिक कीटनशकों से छुटकारा दिलाता है जिससे कि किसानों को रसायनिक कीटनाशकों को खरीदने पर होने वाले व्यय में कमी आती है।

अग्नि अस्त्रः–

रस चूसने वाले कीड़े, छोटी सुण्डी/ इल्लियॉ होने पर नियंत्रण।

- 20 ली0 देशी गाय का गौ मूत्र।
- 5 किग्रा नीम के पत्ते।
- 500 ग्राम तम्बाकू पाउडर।
- 500 ग्राम तीखी हरी मिर्च की चटनी।
- 500 ग्राम देशी लहसुन की चटनी।

विधिः–

- कटे हुये नीम के पत्ते व अन्य सामग्री गौ मूत्र. में मिलाकर धीमी ऑच पर एक उबाल आने तक उबालें। मिश्रण को 48 घण्टे तक छाया में रखे व सुबह–शाम घोले। इसे कपड़े में छानकर 6 से 8 ली0 घोल 200 ली0 पानी में मिलाकर एक एकड़ की फसल पर छिड़काव करें। इसे 3 माह के अन्दर ही प्रयोग करे।

ब्रह्मास्त्रः–

बड़ी सुण्डियों/इल्लियों के नियंत्रण

- 10 ली0 देशी गाय का मूत्र।
- 5 किग्रा नीम के पत्ते।
- 2–2 किग्रा अमरूद, पपीता, अरण्डी की चटनी।

विधिः–

इन वनस्पतियों की चटनी को गौ मूत्र में मिलाकर धीमी ऑच पर एक उबाल आने तक उबाले

इसके बाद 48 घण्टे तक ठण्डा होने के लिए रख दे। 2.5 से 3.5 ली0 घोल को 100 ली0 पानी में मिलाकर एक एकड़ की फसल पर छिड़काव करें। इस घोल का प्रयोग 6 माह तक किया जा सकता है।

दशपर्णी अर्कः–

सभी प्रकार की सुण्डी/इल्लियों के नियंत्रण।

- 200 ली0 पानी।
- 2 किग्रा देशी गाय का गोबर।
- 2–2 किग्रा0 वनस्पतियों के पत्ते जैसे नीम, करंज, अरण्डी, सीताफल, तुलसी, धतूरा, आम, अमरूद, कडुआ करेला, अनार, पपीता इत्यादि।
- 500 ग्रा0 हल्दी पाउडर।
- 500 ग्राम अदरक की चटनी।
- 10 ग्रा0 हींग पाउडर।
- 1 किग्रा0 तम्बाकू।
- 1 किग्रा0 हरी मिर्च की चटनी।
- 1 किग्रा0 देशी लहसुन की चटनी।

विधिः–

इन सब को मिलाकर लकड़ी से अच्छे से घोले, बोरे से ढककर छाया में 30 से 40 दिन रखे व दिन में 2 बार घोले इसके बाद कपड़े से छानकर उसका भण्डारण करे। प्रति एकड़ 200 ली0 पानी में 6 ली0 दशपर्णी अर्क मिलाकर प्रयोग करे।

प्राकृतिक खेती की कार्ययोजना एवं क्रियान्वयन

विश्वविद्यालय के अधीन संचालित समस्त 13 कृषि विज्ञान केन्द्रों यथा फतेहपुर, रायबरेली, लखीमपुर खीरी, हरदोई, कानपुर देहात, कन्नौज, फर्रूखाबाद, इटावा, मैनपुरी, अलीगढ़, फिरोजाबाद, हाथरस, कासगंज के प्रक्षेत्रों पर प्राकृतिक खेती पर डिमान्सट्रेषन प्लाट (प्रदर्शन इकाई) रबी 2021–22 में स्थापित की जा चुकी है। जिस पर एक एकड़ क्षेत्रफल पर गौ आधारित प्राकृतिक खेती जिसमें खरीफ, रबी, एवं जायद (धान–गेहूँ, दलहनी एवं सब्जी फसलें) का उत्पादन लिये जाने की कार्ययोजना तैयार की गयी है जिसका क्रियान्वयन रबी वर्श 2020–21 से गेहूँ फसल में किया जा रहा है। जिसके परिणाम अपेक्षाकृत गुणवत्तापूर्ण एवं संतुलित एवं मृदा स्वास्थ्य की दृश्टि से उत्साहजनक रहे। इसी क्रम में समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा स्थापित देशी गाय इकाई से प्राप्त गोबर व गोमूत्र से घनजीवामृत, जीवामृत, बीजामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र एवं दशपर्णी का निर्माण एवं फसलों में उपयोग करके आंकलन किया जा रहा है। केन्द्र पर स्थापित इन इकाईयों के माध्यम से केन्द्र पर जनपद के आगन्तुक कृषकों को मॉडल इकाई के रूप में प्रत्यक्ष रूप से जागरूक करने का कार्य वैज्ञानिकों द्वारा किया जा रहा है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, दलीपगनर में मा0 कुलपति महोदय के निर्देश के अनुपालन में रबी 2020–21 में प्राकृतिक खेती के परीक्षण हेतु किये गये प्रयास एवं परिणाम

प्रयास	परिणाम
चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ0 विश्वविद्यालय, कानपुर के पशुपालन एवं डेयरी इकाई से एक शुद्ध देशी साहीवाल गाय के0वी0के0 को उपलब्ध कराई	प्रथम वर्ष के परीक्षण में प्राकृतिक खेती से मृदा के भौतिक एवं रासायनिक गुणों पर सकारात्मक प्रभाव पाया गया। प्राकृतिक खेती में बीज का जमाव

गई है। केन्द्र पर जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत एवं नीमास्त्र तैयार कराया गया। तदोपरान्त केन्द्र के बीजोत्पादन प्रक्षेत्र पर एक एकड़ क्षेत्रफल (8000 वर्ग मी0) में रबी 2020–21 में गेहूँ फसल (प्रजाति के0–1317) में गाय आधारित प्राकृतिक खेती की शुरूआत की गई। 8000 वर्गमी0 में एक–एक हजार वर्गमी0 के 08 प्लॉट बनाये गये। जिनमें 04 प्लॉट में गाय आधारित प्राकृतिक खेती एवं 04 प्लॉट में प्रचलित रासायनिक खेती के परीक्षण किये गये। प्राकृतिक खेती में बुआई के पूर्व बीजामृत से बीजोपचार कर मृदा में जीवामृत का प्रयोग किया गया। तत्पश्चात् खड़ी फसल में जीवामृत, घनजीवामृत एवं नीमास्त्र का प्रयोग किया गया। जबकि रासायनिक खेती में 120:60:60 किग्रा0 प्रति हे0 की दर से नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश का प्रयोग किया गया। गेहूँ में 03 सिचाईयों का प्रयोग किया गया।

रासायनिक खेती की अपेक्षा अधिक पाया गया। साथ ही प्राकृतिक खेती में मृदा के भौतिक एवं रासायनिक गुणों में सकारात्मक परिवर्तन हुआ। रासायनिक खेती की अपेक्षा मृदा पी0एच0 0.185 कम हुआ तथा जीवांश कार्बन की मात्रा 0.002 प्रतिशत अधिक रही। प्राकृतिक खेती में 40.45 कु0 प्रति हे0 पैदावार हुई जबकि रासायनिक खेती में 43.35 कु0 प्रति हे0 पैदावार मिली।

विवेचना : प्रथम वर्ष में हालांकि प्राकृतिक खेती में रासायनिक खेती की अपेक्षा गेहूँ की पैदावार लगभग 2.9 कु0 प्रति हे0 कम रही किन्तु प्राकृतिक खेती में रासायनिक खेती की अपेक्षा प्रति हे0 रू0 8000/– लागत कम आई। जिससे कोई आर्थिक हानि नहीं हुई, बल्कि प्राकृतिक खेती प्रथम वर्श में भी आथिक रूप से लाभदायक सिद्ध हुई है। साथ ही मानव एवं पशुओं को रसायन मुक्त स्वस्थ भोजन प्राप्त हो जाता है।

कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रक्षेत्र स्थापित प्राकृतिक खेती की प्रदर्शन इकाई पर गौ–आधारित प्राकृतिक खेती पर डिमान्सट्रेशन प्लाट (प्रदर्शन इकाई) की प्रगति का विवरण निम्नवत् है–

क्रसं0	विश्वविद्यालय/के0 वी0के0 का नाम	वर्ष 2021–22 में गौ–आधारित खेती हेतु डिमास्ट्रेशन प्लाट (हेक्टे0 में)	फसल का विवरण	वर्ष 2022–23 में गो–आधारित खेती हेतु प्लाट का आकार (हेक्टे0 में)	फसल का विवरण	विश्वविद्यालय/ के0वी0के0 प्रशिक्षित वैज्ञानिक/कार्मिकों की सं0	कृषकों को दिये गये प्रशिक्षणों की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	फतेहपुर	0.40	गेहूँ	0.40	धान, सब्जियाँ	01	03
2.	रायबरेली	0.40	गेहूँ	0.40	गेहूँ एवं सब्जियाँ	01	02
3.	लखीमपुर खीरी	0.40	गेहूँ	0.40	धान, गेहूँ एवं सब्जियाँ	01	02
4.	हरदोई	0.40	गेहूँ	0.40	गेहूँ एवं सब्जियाँ	01	02
5.	कानपुर देहात	0.40	गेहूँ	0.40	धान, गेहूँ एवं सब्जियाँ	01	03
6.	कन्नौज	0.40	गेहूँ	0.40	मक्का, गेहूँ एवं सब्जियाँ	01	03
7.	फर्रूखाबाद	0.40	गेहूँ	0.40	मक्का, गेहूँ एवं सब्जियाँ	01	02
8.	इटावा	0.40	गेहूँ	0.40	बाजरा गेहूँ एवं सब्जियाँ	01	03
9.	मैनपुरी	0.40	गेहूँ	0.40	बाजरा, गेहूँ एवं सब्जियाँ	01	03
10.	अलीगढ़	0.40	गेहूँ	0.40	धान, गेहूँ एवं सब्जियाँ	01	03
11.	फिरोजाबाद	0.40	गेहूँ	0.40	गेहूँ एवं सब्जियाँ	01	02
12.	हाथरस	0.40	गेहूँ	0.40	बजरा, गेहूँ एवं सब्जियाँ	01	02
13.	कासगंज	0.40	गेहूँ	0.40	धान, गेहूँ एवं सब्जियाँ	01	01
14.	रायबरेली–II	0.40	गेहूँ	0.40	धान, गेहूँ एवं सब्जियाँ	01	01
15.	औरैया	0.40	गेहूँ	0.40	धान, गेहूँ एवं सब्जियाँ	01	02

प्राकृतिक खेती हेतु विश्वविद्यालय के मास्टर्स ट्रेनर्स

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित 15 जनपदों में संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र से एक वैज्ञानिक एवं प्रसार निदेशालय से एक सह प्राध्यापक को "भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (बी.पी.के.पी.) के मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा मण्डल की निर्धारित प्रशिक्षण अवधि में प्रतिभाग हेतु नामित किया गया, विवरण निम्नवत् है–

क्रम सं0	के0वी0के0 का नाम	अधिकारी/वैज्ञानिक का नाम
1	एटिक, प्रसार निदेशालय	डा0 निजामुद्दीन लारी

2	कन्नौज	डा0 बिनोद कुमार
3	कानपुर (देहात)	डा0 खलील खान
4	रायबरेली– प्रथम	डा0 आर0के0 कनौजिया
5	लखीमपुर खीरी	डा0 एन0के0 त्रिपाठी
6	हरदोई	डा0 सी0पी0एन0 गौतम
7	औरैया	डा0 चन्दन सिंह
8	रायबरेली– द्वितीय	डा0 अवनीन्द्र कुमार तिवारी
9	फर्रूखाबाद	डा0 अरविन्द कुमार
10	इटावा	डा0 भूपेन्द्र कुमार सिंह

भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय द्वारा एच0आर0डी0 अन्तर्गत वैज्ञानिकों हेतु भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 26–27 मई, 2022 को किया गया है। जिसमें प्रसार निदेशालय एवं समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्ष एवं नामित वैज्ञानिक कुल 32 प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जो निम्नवत है–

क्रम सं0	के0वी0के0 का नाम	प्रशिक्षण हेतु नामित अध्यक्ष / वैज्ञानिक	पदनाम
1	एटिक, प्रसार निदेशालय	डा0 निजामुद्दीन लारी डा0 एस0एल0 वर्मा	सहा0 प्राध्यापक, कृषि अर्थशास्त्र सहा0 प्राध्यापक, पशुपालन
2	कन्नौज	डा0 वी0के0 कनौजिया डा0 बिनोद कुमार	अध्यक्ष वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान

3	कानपुर (देहात)	डा0 अशोक कुमार	अध्यक्ष
		डा0 खलील खान	वैज्ञानिक, मृदा विज्ञान
4	रायबरेली– प्रथम	डा0 नीलिमा कुंवर	अध्यक्ष
		डा0 आर0के0 कनौजिया	वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान
5	लखीमपुर खीरी	डा0 एस0के0 विश्वकर्मा	अध्यक्ष
		डा0 एन0के0 त्रिपाठी	वैज्ञानिक, पशुंपालन
6	हरदोई	डा0 अवधेश कुमार तिवारी	प्रभारी
		डा0 सी0पी0एन0 गौतम	वैज्ञानिक,पादप रोग विज्ञान
7	औरैया	डा0 अनन्त कुमार	अध्यक्ष
		डा0 ब्रज किशोर सिंह	वैज्ञानिक
8	रायबरेली– द्वितीय	डा0 अवनीन्द्र कुमार तिवारी	वैज्ञानिक,फसल सुरक्षा
		डा0 आर0पी0एन0 सिंह	वैज्ञानिक, प्रसार
9	फर्रुखाबाद	डा0 वी0के0 शर्मा	अध्यक्ष
		डा0 अरविन्द कुमार	वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान
10	इटावा	डा0 धनंजय सिंह	अध्यक्ष
		डा0 भूपेन्द्र कुमार सिंह	पादप रोग विज्ञान
11	कासगंज	डा0 के0के0 सिंह	अध्यक्ष
		डा0 नेत्रपाल मलिक	वैज्ञानिक, प्रसार
12	फिरोजाबाद	डा0 तेज प्रकाश	अध्यक्ष
		डा0 आशीष कुमार श्रीवास्तव	वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान
13	फतेहपुर	डा0 जितेन्द्र सिंह	वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान
		डा0 जगदीश किशोर	वैज्ञानिक, फसल सुरक्षा

Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक

सीएसए में प्राकृतिक खेती पर दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने एवं रसायन मुक्त खेती कम किये जाने के विभिन्न विषयों पर व्याख्यान हुए, जो निम्नवत है–

प्रसार निदेशालय
चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर–2
एच0आर0डी0 अन्तर्गत

''भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति'' विषय पर प्रशिक्षण

दिनांकः 26–27 मई, 2022

26 मई, 2022 प्रथम दिवस		
समय	उद्घाटन सत्र	वैज्ञानिक / अधिकारी
10:00–11:00	पंजीकरण	डा0 एस0बी0 पाल, सहायक प्राध्यापक
11:00–11:05	स्वागत भाषण	डा0 धनन्जय सिंह, प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
11:05–11:15	प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य	डा0 अरविन्द कुमार सिंह, समन्वयक
11:15–11:25	मुख्य अतिथि महोदय का सम्बोधन	डा0 डी0 आर0 सिंह, कुलपति
11:25–11:30	धन्यवाद ज्ञापन	डा0 पी0 के0 राठी, सह निदेशक प्रसार
11:30–12:00	चाय अवकाश	
	तकनीकी सत्र	
12:00–12:45	प्रसार गतिविधियों / कार्यक्रमों मे गुणवत्ता परक सुधार में आई.क्यु.ए.सी. की भूमिका	डा0 पी0 के0 सिंह, प्राध्यापक / अध्यक्ष
12:45–13:30	प्रदेश में प्राकृतिक खेती की सम्भावनायें	डा0 धनन्जय सिंह, प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
13:30–14:15	प्राकृतिक खेती के अन्तर्गत जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, आदि बनाने की विधियां एवं प्रयोग	डा0 जितेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक (सस्य)
14:15–15:00	भोजनावकाश	
15:00–15:45	प्राकृतिक खेती के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य संवर्धन एवं देशी केचुंआ की भूमिका	डा0 खलील खॉं, वैज्ञानिक (मृदा)
15:45–16:00	प्राकृतिक खेती में देशी गाय की भूमिका (जीरो बजट फार्मिंग)	डा0 तेज प्रकाश, प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
16:00–16:45	प्राकृतिक खेती के अन्तर्गत फसल सुरक्षा के उपाय	डा0 धर्मराज सिंह, अधिष्ठाता, कृषि संकाय
27 मई, 2022 द्वितीय दिवस		
11:00–11:45	प्राकृतिक खेती में जल प्रबन्धन तकनीक एवं महत्व	डा0 पी0 के0 राठी, सह निदेशक प्रसार
11:45–12:00	चाय अवकाश	
12:00–12:45	प्राकृतिक खेती के प्रचार–प्रसार में के0 वी0 के0 की भूमिका	डा0 एस0 बी0 पाल, सहायक प्राध्यापक
12:45–13:30	औद्यानिक फसलों के साथ सह फसली का प्राकृतिक कृषि में महत्व	डा0 सुभाष चन्द्रा, सहनिदेशक प्रसार
13:30–14:15	पशु पालन का प्राकृतिक कृषि में महत्व	डा0 सोहन लाल वर्मा, सहायक प्राध्यापक
14:15–15:00	भोजनावकाश	
15:00–17:00	मूल्यांकन, फीड बैक संकलन, प्रमाण पत्र वितरण एवं समापन	डा0 अरविन्द कुमार सिंह डा0 पी0 के0 राठी डा0 एस0 बी0 पाल

(अरविन्द कुमार सिंह)
समन्वयक

उत्तर प्रदेश में गौ–आधारित प्राकतिक खेती कर रहे कृषकों की सूची

कृषक का नाम	पिता का नाम	मोबाइल न0	ग्राम	विकास खण्ड	जनपद	भूमि एकड़ में	गौवंश की संख्या	कृषि उत्पाद
श्री अमल सिंह		6386521106			भदोही	15	50	गेहू, धान एवं सरसों
श्री रवीन्द्र प्रताप सिंह		7236949412			भदोही	6	7	गेहूं
श्री कृपा शंकर पाल					भदोही	2	9	धान, अरहर, गेहू आलू एवं केला
श्री दिनेश कुमार सिंह		9415621440			भदोही	10	19	गेहू एवं सरसों
श्री विशाल कुमार पाल		9761781228			बंदायू	3	1	गेहू, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री अमरीश पटेल		9997064501			बंदायू	2	2	गेहू, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री रूपेन्द्र सिंह		9639225929			बंदायू	12	1	गेहू, चना, सरसों, एवं सब्जियां
श्री सौरभ सिंह		8433177837			बंदायू	2	1	गेहू, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री समर पाल सिंह		9411228612			बिजनौर	8	9	गेहू, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री विशम्भर सिंह		9456676106	जीतपुर		बिजनौर	4	9	गेहू, धान, आलू एवं गन्ना
श्री अवधेश पाण्डेय		9565143095			बस्ती	20	4	गेहूँ, चना एवं सरसां
श्री अरूण कुमार दूबे		9956564117			बस्ती	2	1	अरहर एवं गन्ना
श्री परशुराम चौधरी		9984924847			बस्ती	1	1	गेहूँ, एवंसरसों
श्री दिलीप कुमार		9721094279			बस्ती	10	10	गेहूँ एवं
श्री ओमप्रकाश		7376414636			बस्ती	2	4	गेहूँ, सारसो एवं मटर
श्री रामलाल चौधरी		9648656701			बस्ती	10	4	धान, गन्ना
श्री आत्मा प्रकाश पाठक		9415162998			बस्ती	15	1	गेहूँ एवं चना
श्री के. के. मिश्रा		9452213333	बखरा		बस्ती	1	0	गेहूँ, सरसों एवं केला
श्री राजेन्द्र सिंह		9452805537	कब्या		बस्ती	1	3	गेहूँ, आलू एवं धान
श्री जगदीश सिंह		9838139836	भगवा		बस्ती	10	5	गेहूँ एवं सरसों
श्री योगेन्द्र सिंह		8601043918	खुठहना		बस्ती	56	3	गेहूँ एवं सरसों
श्री रामलाल चौधरी		9648656701	आदमपुर		बस्ती	10	0	गेहूँ
श्री राहुल शुक्ला		9044031533	वीक्रमपुर		बस्ती	3	1	गेहूँ
श्री अजय चौधरी		9451262428	कटीह		बस्ती	5	0	गेहूँ एवं सरसों
श्री इन्द्र नारायाण		9956563384	मढ़इया		बस्ती	22	2	गेहूँ एवं सरसों
श्री जर्नादन चौधरी		8318234940			बस्ती	5	1	गेहूँ एवं सरसों
श्री शिवपुजन पाण्डे		9415379768	अनवा		बस्ती	25	2	गेहूँ
श्री राकेश प्रकाश दुबे	स्व0 महादेव दूबे	9950762711	पिरखैली		अयोध्या	14	1	चावल, दलहन, सब्जी एवं गन्ना
श्री राजेन्द्र वर्मा		8305527754	मगलची		अयोध्या	3	2	गेँहू एवं धान
श्री साहब राज पाण्डे		9450203509			आजमगढ़	3	1	गेहूँ, अरहर एवं सरसों
श्री अतुल सिंह		9120714179			आजमगढ़	4	3	गेहूँ, अरहर एवं सरसों
श्री वेदप्रकाश पाठक		9453501538			आजमगढ़	9	5	गेहूँ, अरहर, सरसों, ककड़ी एवं ऑवला
श्रीमती रेखा जैसवाल		7525074780	सलेमपुर		आजमगढ़	2	2	गेहँ, चना, सरसों एवं सब्जियॅा
श्री राज बहोदुर		8568039450	मोलानापुर		आजमगढ़	12	1	गेहूँ, मटर, सरसों गोभी एवं गन्ना
श्री कुन्ज कान्त		9919805356			आजमगढ़	3	7	गेहूँ एवंगन्ना
श्रीमती पूनम		9819281955	गोमा हींग		आजमगढ़	0.5	2	गेहूँ एवं गन्ना
श्री राकेश पाण्डे		8423389144			आजमगढ़	5	2	गेहूँ, चना, मटर एवं सरसों

श्री महेन्द्र सिंह		9648151242		आजमगढ़	5	4	गेहूँ, चना, पालक एवं आलू,
श्री सरोज यादव		9935844566		आजमगढ़	2	2	गेँहू, धान, मूंग एवं सरसों
श्री सोनी		8738816686		आजमगढ़	8	2	गेहॅं, धान, मटर एवं सरसों
श्री अनिल तिवारी		9532535338	बसई	आजमगढ़	3	2	गेहॅं, मटर, सरसों एवं गोभी
श्री रमेश सिंह		9867622641	परायणपुर	आजमगढ़	5	1	गेहॅं, मटर, सरसों एवं गन्ना
श्री राकेश कुमार		8423389144	नगवा	आजमगढ़	2	1	गेहॅं, मटर, सरसों एवं गन्ना
श्री विजय शंकर	स्व0हनुमार चरण	9792003707	नसीरूददीनपुर	आजमगढ़	3	1	गेहॅं, मटर, सरसों एवं गन्ना
श्री अखिलेश मिश्रा	जय कुष्ण तिवारी	9455111892	पाही	आजमगढ़	2	1	गेहॅं, मटर, सरसों, एवं गन्ना
श्री अगस्त तिवारी		7272890065	बृजवनी	आजमगढ़	15	1	गेहॅं, मटर, सरसों, गोभी एवं गन्ना
श्री शशीकान्त वर्मा		7355699250	कटहार	आजमगढ़	7	1	गेहॅं, मटर, सरसों, गोभी, गन्ना
श्री रघुनाथ पाण्डेय		9450371937	नगवामेदो	आजमगढ़	6	2	गेहॅं, मटर, सरसों, गोभी एवं गन्ना
श्री विपिन		8429158252	राजड़पुर	बाराबंकी	15	5	गेहूँ, एवंअरहर
श्री विरेन्द्र कुमार		7318167665		बाराबंकी	2	6	गेहूँ, उर्द एवंगन्ना
श्री ज्ञानेन्द्र कुमार		8887838108		बाराबंकी	5	5	गेहॅं, मटर, सरसों एवं केला
श्री विनोद कुमार		9956797389	नौवटा	बाराबंकी	1	4	गेहूँ एवं औषधी
श्री विरेन्द्र कुमार		7318167665	पूरंगज	बाराबंकी	8	5	गेहूँ, मसूर, आलू, तरबूज एवं मक्का
श्री सुशील कुमाार		9450282187	मानपुर	बाराबंकी	2	3	आलू, केला एवं मैथा
श्री सुनील यादव	स्व0 री राम	9919500178	कोला गोझा	बाराबंकी	5	5	गेहॅं, अरहर एवं सरसों
श्री तेज प्रताप	श्री नन्हा	8840097301	नयादरवा	बाराबंकी	8	1	गेहॅं, धान, एवं सरसों
श्री सुभांकर शुक्ला		6381890333	निन्दुररा	बाराबंकी	20	10	गेहॅं, धान एवं गन्ना
श्री प्रवीण कुमार		9792958173		बलरामपुर	1	1	मक्का, धान एवं सब्जियां
श्री अजय पाण्डेय			धन्हैड़ा	बलरामपुर	25	6	गेहॅं, चना, धान एवं मसूर
श्री आनन्द प्रकाश	स्व0 चन्द्रिका	9607300088	सुल्तानपुर	बलिया	3	7	धान, मूंग, सरसों एवं लोकी
श्री सुशील कुमा	स्व0 राम जी	8354068519	बासडीह रोड	बलिया	6	5	धान, मक्का, आलू एवं बैगन
श्री अनिल सिंह		9956457786	बढ़हलगंज	बलिया	6	14	सरसों,आलू एवं लैकी
श्री राजेश श्रीवास्तव	श्री सम्भूनाथ	9450931329	मन्चर	बलिया	3	5	गेहॅं, धान, सरसों, आलू एवं गन्ना
श्रीमती बेबी सिह	श्री रामजी	9454337057	वासडीह	बलिया	6	5	मक्का, धान एवं सब्जियां
श्री संजय	मुनि नाथ	9628112603	रेती	बलिया	8	2	गेहूँ, मसूर, आलू, सरसों एवं मक्का
श्री रंगनाथ		7071249731		बलिया	20	8	गेहूँ
श्री अविनाश		8185310100		बलिया	4	5	गेहूँ, एवं सरसों
श्री भीम रत्न जी		7388440608		बलिया	1	4	गेहॅं, अरहर सरसों एवं धान
श्री जयकरन सिंह		8630924890		अमरोहा	1	1	भिण्डी, गन्ना एवं लौकी
श्री अमित कुमार		9917977999	रैहमापुर	अमरोहा	8	0	गेहूँ, सरसों एवं गन्ना
श्री विनोद गुप्ता		9005710385		अमेठी	6	4	गेहूँ, मूली एवं मिर्चा
श्री अजय प्रताप सिंह		7379024500	बर्ल्थदरगजं	अमेठी	3	2	गेहूँ एवं धान
श्री हरित सिंह		9839165766	गौमपुर	अमेठी	2	2	गेहूँ एवं धान
श्री प्रदीप कुमार	श्री माता फेर	7007769928	पूर नैम खुरमी	अमेठी	2	5	गेहूँ, मटर, सरसों एवं आलू
श्री राम अवध मौर्य	श्री बटचाओ मौर्य	9839684567	मुशी गेज	अमेठी	1	2	गेहूँ, चना, सरसों एवं आलू
श्री रघुवंश सिंह	श्री कृष्ण कुमार सिंह	8948456001	पुरब दौरा	अमेठी	8	16	काला गेहूँ
श्री जितेन्द्र बहादु सिंह		9918105640	पुरे अमीर	अमेठी	3	6	गेहूँ, चना, सरसों एवं आलू

श्री राम प्रकाश	8874292960		अमेठी	2	2	धान एवं सरसों
श्री मनीष कुमार सिंह	8005002004	कष्णा नगर	बहराईच	5	2	गेहूँ, धान, मक्का, अरहर एवं गन्ना
श्री जग नाथ मौर्य	9651264130	चितौरा	बहराईच	3	2	गेहूँ, सब्जियों एवं गन्ना
श्री जगन्नाथ मौर्य	9721999605	कोवा कोलरी	बहराईच	2	5	गेहूँ, धान एवं अरहर
श्री घुरई पाल	9552033924	तव्वापुर	बहराईच	1	1	गेहूँ, धान एवं सब्जियों
श्री शिव कुमार पाठक	8795402677	तव्वापुर	बहराईच	2	2	गेहूँ, धान एवं सब्जियों
श्री हीरा लाल गुप्ता	9795628625	बनियारी	बहराईच	5	1	गेहूँ, धान एवं सब्जियों
श्री राम सेवक वर्मा	9838899751	फखरपुर	बहराईच	2	4	गेहूँ, सब्जियों गन्ना
श्री अवध राम गिरि	9793950698	तेजवापुर	बहराईच	1	2	गेहूँ, आलू गन्ना
श्री उत्तम कुमार	6394600177	कटहा	बहराईच	14	3	चना, भीण्डी, बैगन, मूली
श्री तिलक राम यादव	9554260949	तेजवापुर	बहराईच	1	2	सब्जियों, गन्ना
श्री आनन्द गुप्ता	6386270191	नन्दवल	बहराईच	14	3	गेहूँ, सरसों, सब्जियों
श्री विरेन्द्र गुप्ता	9594242435		बहराईच	1	1	गेहूँ, आलू, धान
श्री कान्त वर्मा	9198898998	कृष्ण नगर	बहराईच	4	2	गेहूँ, धान
श्री जय प्रकाश सिंह	9453699944	चितौरा	बहराईच	2	3	गेहूँ, धान
श्री अमरेन्द्र वर्मा	6387116041		बहराईच	3	2	गेहूँ, धान, मसुर, चना
श्री मानवेन्द्र सिंह	8010223675	परवानी	बहराईच	2	2	धान, उर्द, सरसों, आलू
श्री कौशलेन्द्र वर्मा	9190699382		बहराईच	1	1	गेहूँ, गोभी, केला
श्री कृष्णानन्द शुक्ला	9984270761		बहराईच	2	1	गेहूँ, धान
श्रीमती सुफियाना	8795089697	खाली पुरवा	बहराईच	2	5	गेहूँ, केला
श्रीमती सुफियाना खॉ	8795089697	खाली पुरवा	बहराईच	2	5	गेहूँ, केला, आम
श्री रामकुमार तिवारी	9795161289	विसंशरगंज	बहराईच	11	1	धान, गेहूँ
श्री रजनीश पाठक	9451101022	खाली पुरवा	बहराईच	5	4	गेहूँ, धान, सब्जियों
श्री राम हर्ष	9554536860	जयरामपुरवा	बहराईच	6	4	धान, गेहूँ
श्री रमेश चन्द्र मिश्रा	6283792826	तउवापुर	बहराईच	1	2	धान, गेहूँ
श्री अनिरूध कुमार	9454166456		बहराईच	6	3	गेहूँ चना
श्री गुरूदीन शुक्ल	8005169246	कटहामोजा	बहराईच	3	1	गेहूँ, धान, सब्जियों
श्री अरिरूद्व यादव	9118229340	तेजवापुर	बहराईच	3	3	गेहूँ, धान, सब्जियों
श्री राम प्रवेश मौर्य	9651264130	मिहिपरवा	बहराईच	2	3	सब्जियों
श्री सुरेन्द्र गिरि	9161391524	विसंशरगंज	बहराईच	2	2	धान, गेहूँ
श्री सत्यराम गुप्ता	9839643243	प्रयागपुर	बहराईच	3	3	धान, गेहूँ, गन्ना
श्री मवन बिहारी पाठक	9984572281		बहराईच	10	3	धान, गेहूँ, गन्ना
श्री संजय गौढ़	9459693999		बहराईच	3	3	धान, गेहूँ, गन्ना
श्री दुष्यन्त सिंह	7355664198	कैसरगंज	बहराईच	1	1	धान, गेहूँ, गन्ना
श्री चूणमणि	9915888088	तेउवापुर	बहराईच	1	1	धान, गेहूँ, गन्ना
श्री मनीष कुमार सिंह	8010234575	परवानी	बहराईच	2	2	धान, गेहूँ, गन्ना
श्री जनार्द	9721036696	राजापुर	बहराईच	2	1	धान, गेहूँ
श्री राम सेवक वर्मा	9838893988		बहराईच	3	6	मूंग, उर्द गन्ना
श्रीमती सोनापति सिंह	8948899951	कृष्णनगर	बहराईच	2	1	काला नमक, धान, गेहूँ
श्री धनंजय मौर्य	9125737988	तउवापुर	बहराईच	1	1	धान, गेहूँ, गन्ना
श्री विजय प्रकाश सिंह	9565564529	तउवापुर	बहराईच	2	2	धान, गेहूँ, गन्ना
श्री निम्बूलाल	8601990272	तउवापुर	बहराईच	1	2	धान, गेहूँ, गन्ना
श्री शिव शंकर	8948899751		बहराईच	6	2	गेहूँ, हल्दी, अदरख

श्री महेश मौर्य		9889895524	तउवापुर	बहराईच	1	1	धान, गेहूँ, सब्जियों
श्री राम कुवंर तिवारी		9795161289		बहराईच	1	1	गेहूँ चना, सब्जियों
श्री कमलेश साहू		9792738991	तीतली मादवी	बहराईच	2	1	गेहूँ, मसूर, धनीया
श्री प्रवेश पाण्डेय		6306108238	फरवरपुर	बहराईच	1	2	धान, गेहूँ, सब्जियों
श्री ओमकार		9839482010	फरवरपुर	बहराईच	5	7	गेहूँ, उर्द, सरसों धान
श्री गिरधारी लाल वर्मा	श्री टीका राम	8958239867		आगरा	5	2	गेहूँ, चना, सरसो
श्री गिरधारी लाल वर्मा		8997863146		आगरा	5	2	गेहूँ, चना, सरसो
श्री बीरवल सिह		8859359300		आगरा	.5	2	गेहूँ, चना, सरसो
श्री प्रताप सिहं		9897863146		आगरा	4	4	गेहूँ, आलू, टमाटर, प्याज
श्री राधा कृष्ण शर्मा		9557294767		आगरा	5	5	टमाटर, भीण्डी, पालक
श्री बलदेव जी		7088071999		आगरा	.2	4	सरसों,आलू लैकी
श्री वीरेन्द्र सिंह		9675800012	नगला मीरजी	आगरा	10	2	गेहूँ, उर्द, सरसों, आलु
श्री मनोज प्रताप		8979398939	धौली	अलीगढ़	1	4	गेहूँ, सरसों
श्री आशोक कुमार		7599275140	बीरपुरा	अलीगढ़	8	2	अरहर, सरसों आलू
श्री देवेश कुमार		9720205949		अलीगढ़	1	2	सरसों, लैकी, टमाटर, धनीया
श्री ललित		8979398939		अलीगढ़	1	1	गेहूँ, चना, सरसों
श्री देवराज		9917378937		अलीगढ़	12	3	गेहूँ, चना, सरसों
श्री जगदीश गोस्वामी		9411800542		अलीगढ़	25	80	गेहूँ, चना, सरसों, सब्जियां
श्री विकास चौधरी		9997944993		अलीगढ़	.5	3	गेहूँ, चना, सरसों, सब्जियां
श्री बाबूलाल		9411800542		अलीगढ़	4	1	गेहूँ, सरसों
श्री पुष्कर श्रीवास्तव		7017416662		अलीगढ़	4	518	गेहूँ, चना, सरसों, सब्जियां
श्री राम पूजन पटेल	श्री सुराई पटेल	9651905116	अंतरामपुर	इलाहाबाद	2	3	गेहूँ, उर्द, सरसों, सब्जियां
श्री प्रभा शंकर पाण्डेय		9838295795		इलाहाबाद	8	2	गेहूँ, सरसों
डा0 युपी सिंह		9140959796	परमानंद	अम्बेडकर नगर	2	3	धान, उर्द
श्री राममणी शुक्ला		9935530703	पुरा नीहदी	सुल्तानपुर	5	3	गेहूँ, अरहर, अलसी
श्री विश्वनाथ कश्यप		9721537076		सुल्तानपुर	2	10	गेहूँ, सरसों
श्री एम0 पी0 साही		9889909562	सिरवारा	सुल्तानपुर	1	3	काला गेहूँ
श्री शेष प्रकाश शुक्ल		9170101070	रानीपुर कायत	सुल्तानपुर	2	2	गेहूँ, धान, सरसों
श्री कृपा शंकर द्विवेदी		9565042971		सुल्तानपुर	2	3	गेहूँ, सरसों
श्री राधा कृष्ण		9336236738		सुल्तानपुर	3	2	गेहूँ, सरसों
श्री राम शुक्ल		9415961976		सुल्तानपुर	2	2	गेहूँ, सरसों
श्री राधा रमन सिंह	श्री सोमनाथ	9336236738		सुल्तानपुर	3	1	गेहूँ, अरहर, सरसों, गोभी
श्री आनन्द सिंह	स्व0 चन्द्रेश	6307300288	भरखरा	सुल्तानपुर	3	15	धान, सरसों, मूग
श्री प्रदीप कुमार	सम्भू नाथ	9335302676	पीरगांव	सुल्तानपुर	5	3	धान, सरसों, गन्ना धान
श्री जमील अहमद	अब्दुल हसन	7526031147	मघौली	सुल्तानपुर	2	3	गेंदा, उर्द, सरसों, गेहूँ
श्री राजवीर यादव		9451373576		सजंहापुर	15	30	गेहूँ, चना, सरसों, एवं सब्जियों
श्री संजय उपाध्याय		9532208685		सजंहापुर	60	15	गेहूँ, काला नमक
श्री मधुसूदुन दीक्षित		9450416722		सजंहापुर	5	4	गेहूँ, चना, सरसों, एवं सब्जियों
श्री राजेश पाण्डेय		9794011938		सजंहापुर	7	2	गेहूँ, चना, सरसों, एवं मसूर
श्री नीरज सिंह जेवा		9312406516		सजंहापुर	4	11	गेहूँ, चना, सरसों, एवं सब्जियों
श्री धर्मपाल शुक्ल		7054899621		सजंहापुर	.5	4	गेहूँ, चना, सरसों, एवं सब्जियों
श्री शोहित त्रिपाठी		7318277417		सजंहापुर	70	8	गेहूँ, चना, सरसों, एवं सब्जियों
श्री ज्ञानेन्द्र कुमार		7355618522		सजंहापुर	3	3	गेहूँ, चना, सरसों, एवं सब्जियों

श्री श्याम नारायण		9936096210			सजंहापुर	6	4	गेहूँ, चना, सरसों, एवं सब्जियों
श्री बृजेश सिंह		8090315096			सजंहापुर	5	2	गेहूँ, चना, सरसों, एवं सब्जियों
श्री सत्यपाल सिंह		9415528926			सजंहापुर	3	7	गेहूँ, चना, सरसों, एवं सब्जियों
श्री राजीव सिंह		9838950886			सजंहापुर	5.5	12	गेहूँ, मसूर, सरसों, मेथी
श्री ओमप्रकाश	स्व0 श्री फुलचन्द्र पटेल	9415569904			वाराणसी	3.0	2	गेहूँ, चना, सरसों, आलू, एवं गना
श्री सन्तोष कुमार		7523070294			वाराणसी	2	1	गेहूँ, एवं सरसों
श्री आशीष सिहे		8318926791			वाराणसी	2	1	गेहूँ, अरहर, सरसो
श्री दुर्ग्रश पाण्डे		6388433674			वाराणसी	4	2	गेहूँ, अरहर
श्री लाल मणि वर्मा		9695062799			वाराणसी	2	2	गेहूँ, एवं सरसों
श्री हरेन्द्र प्रताप सिंह		8299505424			वाराणसी	4	2	गेहूँ, मूंग, आलू, गोभी
श्री हरिशंकर सिंह	स्व0 रामयश सिंह	9839421232	रामपुर	पिंडरा	वाराणसी	12	5	धान, अरहर, गेहू आलू, केला
श्री उदय भानु सिहे	स्व0 राज बहादुर सिहे	8795183875			वाराणसी	10	9	गेहूँ, सरसों, टमाटर
श्री राधेश्याम सिंह	स्व0 गोरी शंकर	7800530107	हरिहरपुर	सेवापुरी	वाराणसी	6	3	गेहूँ, चना, सरसों सब्जियों
श्री राम कृपाल		9453726978			मिर्जापुर	5	8	गेहूँ, धान, सब्जियां
श्री जय प्रकाश वर्मा		9161441010	खुर्द नकहा		लखीमपुरखीरी	2	2	धान, चना, सरसों एव मटर
श्री मुरलीधर वर्मा		9792112223	नारी बेहड़	ईसा नगर	लखीमपुरखीरी	3	1	गेहें,मटर, चना एवं सब्जियां
श्री जय प्रकाश वर्मा		9116144110	बेलखुर्द		लखीमपुरखीरी	1	1	गेहूँ, अरहर, सरसों
श्री गौरव शुक्ल		6392638186			लखीमपुरखीरी	10	1	गेहूँ, अरहर
श्री अवधेश कुमार		9889511086			लखीमपुरखीरी	25	0	गेहूँ, अरहर, सरसों, आलू एवं धान
श्री तारेन्द्र सिंह		8090531766			लखीमपुरखीरी	8	2	गेहूँ, सरसों
श्री राम नरेश		9919226505			लखीमपुरखीरी	1	1	गेहूँ, अरहर, सब्जियां
श्री तपन विश्वास जी		9559933934			लखीमपुरखीरी	3	2	महेन्ती
श्री छत्रपाल जी		7860173833	नन्हौवा	विद्यासन	लखीमपुरखीरी	1	1	गेहूँ, मूंग, सरसों एवं धान
श्री वेद पकाश		9919828307	उच्चगांव		लखीमपुरखीरी	4	3	धान, गेहूँ, केला,
श्री सरेन्द्र वर्मा जी		9670591255	केशवपुर,		लखीमपुरखीरी	5	1	धान, मसूर, गेहूँ
श्री तपन विश्वास जी		9559933934	रवीन्द्र नगर		लखीमपुरखीरी	3	2	गेहूँ, धान एवं सब्जियों
श्री गौरव शुक्ल		6392638186	ोरवा		लखीमपुरखीरी	20	1	गेहूँ, धान एवं सब्जियों
श्री कमला प्रसाद		9792112223	इसा नगर		लखीमपुरखीरी	1	1	सहफसल, धनिया, गन्ना
श्री श्रवण कुमार वर्मा		9984291838			लखीमपुरखीरी	11	2	गेहूँ, एवं गन्ना
श्री चन्द्रकेश जी		9305448906	समेरापुरवा		लखीमपुरखीरी	2	2	गेहूँ, एवं गन्ना
श्री वेद प्रकाश		9919828307	उच्चगांव		लखीमपुरखीरी	5	3	गेहूँ, एवं गन्ना, केला
श्री चन्द्रकान्त वर्मा		9598862661	कुतुब अरसा		लखीमपुरखीरी	2	2	गेहूँ, चना, सरसां
श्री शेषपाल सिंह	श्री अयज पाल सिहं	9415320555	कुशमाहा		कुशीनगर	8	4	गेहूँ, सरसों, धान, मटर एवं अलसी
श्री अमर सिंह		9956572361			कुशीनगर	3	0	गेहूँ, धान
श्री अवध सिंह		9450083008			कौशाम्बी	6	3	गेहूँ, धान
श्री अखिलेश सिहं जी	श्री फतेह बहादुर सिंह	9005490013			कौशाम्बी	25	10	गेहूँ, चना,सरसो, धान, एवं अरहर
श्री गिरजाशंकर मौर्य		9695068850	मदेसह मऊ		लखनऊ	2	3	आलू,गोभी, टमाटर, पालक
श्री मनीष श्रीवास्तव		9415110490			लखनऊ	1.5	1	गेहूँ, सब्जिया
श्री राजेश सिडाना		9839944044	जोगेन्द्रपुर		लखनऊ	12	9	गेहूँ, सब्जिया
श्री सुरेन्द्र सिंह		9115154334			लखनऊ	2	6	गेहूँ, सहजन, निम्बू एवं चंदन
श्री संजय श्रीवास्तव	श्री एस0एस0	8853228811	सुरेन्द्रनगर		लखनऊ	0.5	2	धान, अरहर, गेहूँ, एवं सब्जियां

	लाल श्रीवास्तव							
श्री अशेक पाण्डेय		9628926497	चरका		महराजगंज	2	2	गेहूँ, सब्जिया
श्रीमती रानी मौर्या		7080907008	करन्मड़ा		महराजगंज	1	2	गेहूँ, चना,सरसो, धान
श्री राज बहादुर सिहं		6307605668	परायणपुर		महराजगंज	2	1	गेहूँ, चना,सरसो, धान
श्री रामरतन यादव		9005327386	मशूरगंज		महराजगंज	11	7	गेहूँ, अरहर, आलू एवं गन्ना
श्री जगन यादव		9774380086	हेकमा		मैनपुरी	0.5	0	सब्जियां
श्रीमती संगीता चौहान		9423930680	हेकमा		मैनपुरी	0.5	0	सब्जियां
श्री अनिल कुमार		9410808400			मैनपुरी	3	2	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्रीमती मीना जी		9044144325	डिहर		मैनपुरी	0.5	2	धान, गेहूँ, आलू एवं सब्जियां
श्रीमती ममता यादव		9935991580	पुरवा ठेकमा		मैनपुरी	1	3	धान, चना, गेहूँ, आलू एवं सब्जियां
श्रीमती पुष्पा जी		8474170624	मुड़हर		मैनपुरी	0.5	1	गेहूँ, धान एवं सब्जियां
श्री शिव जी		9394544610	सिरवा, ठेकमा		मैनपुरी	2	2	गेहूँ, धान एवं सब्जियां
श्री देवी प्रसाद		9394544610	बरवा ठेकमा		मैनपुरी	2	2	गेहूँ, धान एवं सब्जियां
श्री भानुप्रकाश राय		9936174647	दवकली		गाजीपुर	8	1	गेहँ, धान एवं सब्जियां
श्री सुभाष यादव		8115158702			गाजीपुर	2.5	10	गेहूँ एवं सरसों
श्री राम भजन राय		7275467630	मोदीनपुर		गाजीपुर	17	1	गेहूँ, मसूर सरसों एवे औषधीय पौध
श्री तपन अधिकारी		9412190633	परखम		मथुरा	25	80	गेहूँ एवं सरसों
श्री शाश्वत असांवा		7088013211			मथुरा	0.5	2	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री सुखवीर सिहं गुर्जर		8923086420			मथुरा	0.5	2	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री स्वामी सुधीर जी		7088016919			मथुरा	40	80	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री सोवरन सिंह		9983058690			फिरोजाबाद	0	3	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री सचिन लोधी		9012621600			फिरोजाबाद	3	1	गेहूँ
श्री राजवीर सिंह		7820031325			फिरोजाबाद	2.5	2	गेहूँ, गन्ना एवं केला
श्री अवधेश		9837226737			फिरोजाबाद	5	1	गेहूँ, आलू एवं गन्ना
श्री जनक सिंह		9756273175			फिरोजाबाद	2.5	2	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री अवधेश पचौरी		9837226737			फिरोजाबाद	7	1	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री सोवरन सिंह		9983058690			फिरोजाबाद	4	2	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री सचिन लोधी		9012221600			फिरोजाबाद	2.5	2	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्रीमती अनिता लोधी		8755922816			फिरोजाबाद	0.5	34	गेहूँ, सरसों आलू एवं मोसम्मी
श्री राजपाल सिहं राजपूत		9149016938			फिरोजाबाद	0	2	गेहूँ, सरसों आलू एवं मोसम्मी
श्री सचिन कुमार		9012621600			फिरोजाबाद	2.5	1	गेहूँ, चना, मटर, सरसों एवं सब्जियां
श्री जंग बहादुर यादव		7526022909			गोरखपुर	3	2	गेहँ, चना एवं धान
श्री इन्द्र प्रकाश सिंह		9793676771			गोरखपुर	1	1	गेहँ, एवं धान
श्री चीन्तामणी त्रिपाठी		9794917466			गोरखपुर	2.5	4	गेहूँ, सरसों एवं सब्जियां
श्री राजेश दुबे		8787228329			गोरखपुर	5	2	चना, सरसों एवं मटर
श्री सुरेन्द्र सिंह	श्री राजेन्द्र सिह	9935314355	अकूर्सि	गोगद्य	गोरखपुर	5	2	धान, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री अनिल चन्द	श्री चिन्तामणि पण्डेय	7505678648	पूरे चेन कुंवर		गोण्डा	10	4	धान, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री दिनेश पाण्डेय		9919173635			गोण्डा	5	1	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री अमित पाण्डेय		8050455360			गोण्डा	2	2	टमाटर, गोभी, गाजर, केला एवं देशी मटर
श्री अशेक तिवारी		9919430820			गोण्डा	2	2	गेहूँ, धान, मक्का एवं सब्जियों
श्री टेकधर		9954759356	गंगा पडरी		गोण्डा	3	1	गेहूँ, धान, एवं सब्जियों

श्री दिनेश पाण्डेय		9919173635			गोण्डा	5	1	गेहूँ, धान, एवं सब्जियों
श्री फोजदार		7706881352			गोण्डा	5	1	गेहूँ, धान, सरसों एवं केला
श्री राकेश दुबे		9450762711	बहराइच मजरा		गोण्डा	12	8	गेहूँ, धान, एवं सब्जियों
श्री शिव कुमार मौर्य	श्री बंशराज	9554902715	रायपुर		गोण्डा	3.67	1	गेहूँ, धान, मक्का, अरहर एवं सब्जियों
श्री पुष्पेन्द्र सिंह		8416997320	पुरे उथेली		गोण्डा	9	3	गेहँ, एवं आलू
श्री अनिल पाण्डेय		9125086048	पुरे जलेकुवर		गोण्डा	10	4	गेहूँ एवं सरसों
श्री टेकधर शुक्ला		9984759356	केशवनगर		गोण्डा	5	1	गेहूँ
श्री अशोक तिवारी		9919430820	पकवान		गोण्डा	2	0	गेहँ, अरहर एवं आलू
श्री प्रशान्त शर्मा		8077236737	इसीपुर		हाथरस	6	2	मक्का, मसूर एवं सरसों
श्री प्रशान्त शर्मा		8077236737			हाथरस	3	1	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री लोकेश गौतम		9720922265			हाथरस	8	10	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री बीरपाल सिंह		9756186225			हाथरस	5.5	8	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री रजीत सिंह		8791170080			हाथरस	5	1	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री बेजेश सिंह		8130140211			हाथरस	12	17	जौ एवं मेथी
श्री राकेश वरनवाल		9956378159	सिगरामऊ	बदलापुर	जौनपुर	10	2	गेहँ, अरहर, सरसों, धान, मटर एवं आलू
श्री विक्रमदेव अचार्य		9919883533			जौनपुर	4	15	गेहूँ एवं सरसों
श्री शिवा गोविन्द यादव		9889928002			जौनपुर	4	2	गेहँ, एवं आलू
श्री नरेश सिंह		9198382073			हरदोई	2	2	गेहूँ, धान एवं आलू
श्री देवेन्द्र दीक्षित		7800350326			हरदोई	10	1	आरमण्डी एवं रासायनिक
श्री रवीन्द्र नाथ शुक्ला		8299296049			हरदोई	1	1	गेहूँ, एवं सब्जियों
श्री सत्य प्रकाश जी		7753826670	काजीपुर		हरदोई	3	6	गेहूँ, धान एवं मक्का
श्री आदेश त्यागी जी		8954334607			हापुड़	2	4	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री विजय पाल जी		9917884812			हापुड़	3	5	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री अजय कुमार		8936959010			हापुड़	3	2	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री सत्यदेव आर्य		9711815157			हापुड़	12	3	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री यशवंत जी		9675839126			कासगंज	0.5	2	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री बालमुनि कश्यप		9675839126			कासगंज	0.5	2	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री नेत्रपाल जी		9368001557			कासगंज	4	1	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री अनिल सिहं		9721537440	भौहट		फतेहपुर	5	5	गेहँ, अरहर, सरसों, केला एवं आलू
श्री निशान्त मिश्रा		9415078588	जहानबाद		फतेहपुर	2.5	1	गेहूँ, मिर्च केला एवं सब्जियां
श्री रमेश त्रिवेदी		9956494025			फतेहपुर	2	4	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री सन्तोष कुमार		9838220999			फतेहपुर	7	3	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री संतोष सिंह राजू		9919055553			फतेहपुर	8	2	गेहूँ, चना, सरसों एवं आलू
श्री रमाकान्त त्रिपाठी		9839009549			फतेहपुर	5	2	गेहूँ, चना, सरसों, धान एवं आलू
श्री सचिन अग्रवाल		9968832506			गाजियाबाद	10	70	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री संदीप सिंह		9058456779	अवागढ़		एटा	1	5	गेहूँ, चना, सरसों, एवं आलू
श्री दुर्विन सिंह		9412468219			एटा	4	2	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री आमपाल सिंह		8954095421			एटा	5	6	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री रामपाल सिंह		9997661617			एटा	6	2	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री शिव कुमार सिंह		7060705610			एटा	12	5	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री विनोद कुमार चौहान		..			एटा	10	11	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां

श्री प्रताप सिहं		9412305098		एटा	3	1	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री मौहर सिंह		9012565903		एटा	2	2	मूंग,मटर एवं गन्ना
श्री गंगा सिंह		7599202495	मितरौल	एटा	2	3	ज्वार, सरसों एवं लहसून
श्री किशन स्वरूप मिश्रा		9719750997	मिश्री	एटा	2	2	गेहूँ, मक्का, मेन्था एवं मक्का
श्री ओमपाल सिंह		8954095421		एटा	5	9	जौ, चना, मसूर, अलसी एव ऑवला
श्री उदयपाल सिह		8954095421	दरवपुर	एटा	5	5	गेहूँ, बाजरा, मूॅग, मक्का एव आलू
श्री विजय प्रताप		7885857945	बेलवा पाण्डेय	देवरिया	5	4	धान, सरसों, सब्जियों गन्ना एवं गेहूँ
श्री मोहन उपाध्याय		9415975869		देवरिया	2	10	मूंग, चना, मटर एवं गन्ना
श्री राम विलास कुशवाहा		8795036625		देवरिया	3	2	गेहूँ, एवं सरसों
श्री सुरेनद्र सिंह		9415124334		फर्रूखाबाद	2	5	गेहूँ
श्री हिमाशं गंगवार		7007653172		फर्रूखाबाद	20	26	गेहूँ, जौ, अरहर, एव मूंग
श्री प्रमोद यादव		9616020881		चंदौली	3	5	गेहूँ, एवं सरसों
श्री दयानन्द सरस्वती		9956596263		चंदौली	3	6	मूंग, आलू, एवं सब्जियां
श्री जन्दीप गोपाल		9919005233		चित्रकूट	8	42	बर्सीन
श्री हरिशंकर पटेल		9450170371		चित्रकूट	1	1	गेहूँ
श्री संजीव आर्य		9412563590		बुलन्दशहर	3	6	गेहूँ, हल्दी एवं गन्ना
श्री रामशरण सिंह	श्री बृजराज सिंह	7398904704	कन्दरा	रायबरेली	12	4	गेहूँ, मसूर, सरसों, चना एवं सब्जिया
श्री धर्मराज तिवारी	श्री राम कृष्ण	9648252934	मिश्रपुर	रायबरेली	12	4	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री आनन्द गुप्ता		6386270191	देलवर	रायबरेली	14	4	गेहूँ, एवं सरसों
श्री भुवनश्वर		9005799957	राजामऊ	रायबरेली	10	1	धान, चना, सरसों, मटर
श्री शेखर त्रिपाठी		7007412461	सहजौरा	रायबरेली	5	50	गेहूँ, धान एवं बागवानी
श्री राजूराम यादव		7985723688	बालखेडा	रायबरेली	10	5	गेहूँ, एवं सरसों
श्री शार्दुल मिश्राा		9889995670	मीसजर	रायबरेली	90	40	गेहूँ, एवं सरसों
श्री जगदीश सिंह	श्री शेषपाल	9453070923	कसन्ना	रायबरेली	2	2	मक्का, मसूर जौ, एवे तिल
श्री शेषपाल सिंह	श्री गुरूदयाल सिंह	9357412686	कसन्ना	रायबरेली	3	4	गेहूँ, अरहर, सरसों, आलू एवं धान
श्री सत्यप्रकाश मिश्रा	श्री शिवप्रसाद मिश्रा	9628018649	राजामऊ	रायबरेली	30	9	धान, सावा, तिल, मसुर एव सरसों
श्री अशेक वर्मा	श्री रामश्वर प्रसाद	9559405551	बरमपुर	रायबरेली	0.5	4	गेहूँ, मटर, सरसों, आलू एवं धान
श्री शेषपाल जी	श्री गुरूदयाल सिंह	9335412686	करना	रायबरेली	3	4	गेहूँ, मटर, सरसों, आलू एवं धान
श्री रजनीश पाठक	श्री गगन बिहारी पाठक	9451101022	खेना पुरवा	रायबरेली	5	3	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री तिलक राम यादव	श्री जंगु यादव	8299199611	केड़वा सन्तपुर	रायबरेली	1	5	गेहूँ, मटर, सरसों, मक्का एवं धान
श्री महीम मिश्रा	श्री राजन्द्र मिश्रा	9889995670	शिवगढ़	रायबरेली	40	25	गेहूँ, धान, उर्द एवं आलू
श्री जय चन्द्र यादव	श्री राम रतन यादव	8400963121	शिवापुर निवादा	रायबरेली	4	8	गेहूँ, धान, उर्द, सरसों एवं आलू
श्री शेखर त्रिपाठी	श्री शिव कुमार	7388624111	लोहड़	रायबरेली	5	65	गेहूँ, अरहर, धान, उर्द, सरसों एवं आलू
श्री उत्तम कुमार	श्री जमुना प्रसाद	6394600177	कटहा	रायबरेली	7	2	गेहूँ, उर्द,सरसों, धान एवं चना
श्री शिवमोहन	श्री लक्ष्मण	7905677717	सोला बहनपुर	रायबरेली	5	1	गेहूँ, चना, मसूर, जौ एवं सब्जियां
श्री दिलीप कुमार	श्री श्रवन कुमार	9719019968		रायबरेली	4	4	गेहूँ, मूग, तिल, गन्ना एवं धान
श्री अमरेष कुमार	श्री रामसुरत	7800017015	पारसा दवता	श्रवस्ती	1	2	गेहूँ, मसूर, मक्का, धान एवं सब्जियां

श्री श्यामता प्रसाद वर्मा	श्री चेतराम वर्मा	9452503207	कलकलवा	श्रवस्ती	5	2	गेहूँ, मसूर चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री संतोष चौधरी	श्री त्रीपाठी प्रसाद	8127483011		श्रवस्ती	12	5	गेहूँ, धान एवं गन्ना
श्री अमित मिश्रा		9838341362	रामपुर पेड़ा	श्रवस्ती	1	2	गेहूँ
श्री धरम पाल सिंह	श्री मोला सिंह	9627376363	थाना भवन	स्यामली	16	6	गेहूँ, धान, सरसों, मेंथी एव गन्ना
श्री श्याम सिंह जी	स्व0 श्री वीर सिंह	9012300500		स्यामली	9	5	गेहूँ, अरहर, सरसों, आलू एव धान
श्री श्याम सिंह जी		9012300500		स्यामली	9	5	गेहूँ, अरहर, सरसों, अदरख एवं केला
श्री योगेश वालियान		9897854695		मुजफ्फरनगर	5	2	गेहूँ, अरहर, सरसों, धान एवं आलू
श्री सत्यपाल सिंह		9557768576		मुजफ्फरनगर	8	8	गेहूँ, अरहर, सरसों, धान एवं आलू
श्री सौरभ मलिक		9997232500		मुजफ्फरनगर	10	7	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री दिलीप सक्सेना	स्व0 रामलखन	9411621381		पीलीभीत	12	1	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री मोहन सवरूप	श्री गेंदा लाल	8958829350	बरखेड़ा	पीलीभीत	12	1	काला गेहूँ, मसूर, हल्दी एवं गन्ना
श्री सुरज सिंह		9517256414		पीलीभीत	3.5	2	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री गोविन्द जी		7408546751		प्रतापगढ़	6	7	गेहूँ, मसूर, सरसों आलू एव धान
श्री रामसमुझ वर्मा	श्री भल्ली वर्मा	9565167179		प्रतापगढ़	5		गेहूँ, उर्द, तिल्ली, आलू एवं आम
श्री विमलेश सिंह		9554260342		प्रतापगढ़	5	7	गेहूँ, एवं सरसों
श्री सुभाष जी	श्री सिधिर	9557890655		सहारनपुर	5	1	गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री अरून कुमार	श्री रामबीर सिंह	9015380806		सहारनपुर	40	16	गेहूँ, धान, आम एवं गन्ना
श्री शेखर प्रताप		8077373123	पतरी	सहारनपुर	15	6	गेहूँ, अरहर, धान एवं गन्ना
श्री सुधीर जी	श्री महेन्द्र सिंह	9761657858		सहारनपुर	4	5	गेहूँ, चना, सरसों, आलू एवं सब्जियां
श्री दिपक चौधरी	श्री उधल सिंह	9719179091		सहारनपुर	10	10	गेहूँ, धान, हल्दी, एवं गन्ना
श्री महेन्द्र सिंह	श्री राम पाल सिंह	9648151242		सहारनपुर	6	5	गेहूँ, धान, सरसों, आलू एवं मटर
श्री मदन लाल	श्री सेनचन्द्र सैनी	7906615722		सहारनपुर	3	1	गेहूँ, धान, सरसों, आलू एवं भिण्डी
श्री अदित्य त्यागी		9627002963		सहारनपुर	4	2	गेहूँ, चना, सरसों, आलू एवं सब्जियां
श्री ओमचन्द्र जी	श्री याद राम जी	9719058638	दयालपुर	सहारनपुर	10	1	गेहूँ, चना, सरसों, आलू एवं सब्जियां
श्री विजय पाल जी	श्री ब्रहम सिह	9917884812	अन्खली	मेरठ	3.5	5	गेहूँ, आलू, टमाटर एव प्याज
श्री नरेन्द्र कुमार जी	श्री विजय पाल सिंह	9627700871	मन्दवाणी	मेरठ	10	2	गेहूँ, चना, सरसों, एवं सब्जियां
श्री अनुज प्रकाश	श्री दिनेश चनद्र	8171720281	कुन्पुरा	मेरठ	0.5	3	गेहूँ, चना, सरसों, एवं सब्जियां
श्री भारत भूषण जी	श्री अवध बिहारी	9897856990	बहादुरगढ़	मेरठ	7	3	गेहूँ, चना, सरसों, मक्का,मूंग एवं सब्जियां
श्री नरेन्द्र राणा	श्री विजय पाल सिंह	8439444414	मेन्वाणी	मेरठ	7	3	गेहूँ, चना, सरसों, एवं सब्जियां
श्री कृष्ण दत्त शर्मा		9457609789		मेरठ	16	1	गेहूँ, चना, धान, सरसों, एवं सब्जियां
श्री धर्म पाल सिंह जी	श्री मूला सिंह	9627376363		मेरठ	2	6	गेहें, चना, सरसों एवं सब्जियां
श्री रामसिंह		9793348301		महोबा	14	6	गेहूँ, चना, सरसों, आलू एव मटर
श्री मदन लाल		8178320008		महोबा	12	3	गेहूँ, मटर, सरसों,आलू एवं धान, चना
श्री प्रदीप पांचाल	श्री आत्मादेव	8090122934		महोबा	12	4	गेहूँ, मटर, सरसों,आलू एवं धान, चना

श्री कड़ी गुप्ता	स्व0 श्री वी0 पी0 गुप्ता	7905145050	सरमऊ		झांसी	3	20	गेहूँ, चना, सरसों, एव मटर
श्री मानवेन्द्र सिंह	श्री भानु प्रताप	9918808959			झांसी	5	5	गेहूँ, चना, सरसों, एव मटर
श्रीमती निलम सांरगी	श्री रधेश्याम	8120538564	शिवपुरी रोड		झांसी	4.5	30	गेहूँ, मेंग, मटर, अरहर एवं ज्वार
श्री लला अवधेश	श्री नाग्री सिंह	8948190763	सालेन		झांसी	8	15	धान, चना, राइ एवं आलू
श्री सन्तरोम	स्व0 करोड़े जी	9838768346			झांसी	8	4	गेहूँ, चना, सरसों, तिल एव मटर
श्री इंदल सिंह	श्री शिरोमणी	6306990839			झांसी	2	2	धान, चना, राइ एवं आलू
श्री मुकेश कुमार	श्री सेवाराम	8081163982	सवीना		झांसी	2	4	गेहूँ, मूंग, सरसां आलू एव चना
श्री अतबल सिंह		7398370604			झांसी	2	13	गेहूँ, चना, सरसों, धान एवं आलू
श्री रवीन्द्र कुशवाहा	मूलचन्द्र	9452735127			झांसी	25	4	गेहूँ, चना, धान एवं आलू
श्री सुमित सानी	श्री राजेन्द्र स्वामी	6394732916			झांसी	1	1	गेहूँ, मटर, सरसों आलू एवं तिल
श्री शरण प्रताप सिहं	भरत मित्र	9415031379	पहाड़ी		झांसी	6	6	गेहूँ, चना, सरसों, एव मूंग
श्री कृष्ण गांधी	श्री रामनाथ	7905145050	बबीना		झांसी	4	5	गेहूँ, चना, सरसों, एव मूंग
श्री कमल लिखधारी	स्व0 श्याम सुन्दर	9651609501			झांसी	6	40	गेहूँ, मूँग एवं सरसों
श्री आत्माराज जी		9936677859			झांसी	13	4	गेहूँ, चना, सरसों, एव धान
श्री आचार्य अनिाश जी	श्री सदगुरू विजय जी	9451936001	लहरगीरद		झांसी	5	15	बैगन, टमाटर, मिर्ची लौकी एवं बागवानी
श्री उमेश पाल	श्री प्रभु दयाल	9644747077	गोपाल पुरा		झांसी	10	12	गेहूँ, धान, ज्वार, मक्का, चना, सरसों एवं मटर
श्री संजय पर्चाड़ी	श्री महेन्द्र पाल	9933049906			झांसी	2	5	गेहूँ, चना सरसो, मटर, अरहर, एवं बागवानी
श्री शिवदीप सिंह	श्री बलवंत सिंह	8707056965	ध्वानी		झांसी	10	10	गेहूँ, चना सरसो, मटर, अरहर, एवं सब्जियां
श्रीमति मन्जु गुप्ता	श्री श्याम बिहारी गुप्ता	8429259109			झांसी	4.5	30	गेहूँ, चना सरसो, मटर, अरहर, एवं सब्जियां
श्री ह्रदयांश गोस्वामी	श्री कोमल प्रसाद गोस्वामी	9839381217			झांसी	12	1	गेहूँ, मटर, सरसों आलू धान, चना एवं सब्जियां
श्री भगवंत सिंह	श्री जगदीश सिंह	9794321534			झांसी	20	4	गेहूँ, धान, मक्का सरसों, मटर, एवं आलू
श्री अचार्य रविन्द्र जी		7988082971	हमिदपुर		हमीरपुर	60	35	सरसों, अरहर एवं हल्दी
श्री रवीन्द्र दीक्षित		9651929562			हमीरपुर	9	4	गेहूँ, चना, सरसों, एव सब्जियां
श्री नीरज सिहं	श्री महेन्द्र प्रताप सिंह	9451179132	पथरहा		सोनभद्र	20	25	गेहूँ, चना, सरसों,मटर, अरहर एवं सब्जियों
श्री संजय त्रिपाठी	श्री सुदेश नरायन त्रिपाठी	9451669343	सरगांव	घाटमपुर	कानपुर नगर	17	10	गेहैं, चना, सरसों धान, अरहर, एव सब्जियां
श्री विवेक चतुवेंदी	श्री ओकारनाथ	9839039997			कानपुर नगर	40	35	गेहैं, चना, सरसों धान, अरहर, एव सब्जियां
श्री राकेश पाण्डे		9935535680			कानपुर नगर	5	2	गेहैं, चना, मटर एव सब्जियां
श्री अक्षय गुप्ता		8299783038			कानपुर नगर	1	1	आलू, कद्दू, भिण्डी एवं तरोई
श्री अनन्त राम पाठक	श्री चन्द्रशेखर पाठक	9455059455			सिद्धार्थनगर	6	4	गेहूँ, सरसों एवं धान
श्री दीनानाथ	स्व0 राजन्द्र प्रसाद	7408469016			सिद्धार्थनगर	3	6	गेहूँ, अरहर, सरसों, धान एवं चना
श्री परमात्मा प्रसाद		9450560685	कुकुर मूक्वा		सिद्धार्थनगर	5	0	गेहूँ, सरसों एवं धान
श्री राज नारायण पाण्डेय	श्री उदय शंकर पाण्डेय	9648035613	पैसादिवाम		सिद्धार्थनगर	12	5	काला गेहूँ, काला धान, मटर सरसों आलू एवं बागवानी
श्री सुनील कुमार चौधरी		7800111808			सिद्धार्थनगर	1	3	गेहूँ
श्री गुड्डू सिंह		7800190284			सिद्धार्थनगर	10	0	गेहूँ, एवं मटर
श्री राकेश यादव	श्री बैजनाथ	9451108940			उन्नाव	3	2	गेहूँ, चना, मसूर, धान, एवं अरहर

श्री असलम		7999735744		बांदा	6	8	गेहूँ, चना, सरसों, मसूर, धान, एवं सब्जियां
श्री सुरेन्द्र गुप्ता	श्री राम नाथ गुप्ता	9415124334		कायमगंज	2	1	गेहूँ, चना, सरसों, धान, एवं सब्जियां
श्री अनूप अग्रवाल		9670078328		कायमगंज	2	1	गेहूँ, चना, सरसों, एवं सब्जियां
श्री रमेश आर्य		9411069606		मुरादाबाद	6	4	गेहूँ, चना, सरसों, एवं सब्जियां
श्री वरूण सोनी		9557756001		मुरादाबाद	8.5	12	गेहूँ, चना, सरसों, एवं सब्जियां
श्री प्रथ्वी पाल मौर्य	मनोहर लाल वर्मा	9452046364		सीतापुर	3	1	गेहू,धान, मटर सरसों, सब्जिया
श्री राम चन्द्र गुप्ता	श्री मुन्नी लाल गुप्ता	9794596616	महेशपुर	सीतापुर	3	3	गेहू, धान, सरसों, सब्जिया एवं बागवानी
श्री विनोद कुमार	श्री कृपा शंकर	8840370487	कमुवा बिसवा	सीतापुर	1	3	गेहू, धान, उर्द सरसों, सब्जिया एवं गेंदा
श्री नीरज शुक्ला	श्री विरेन्द्र कुमार	8115683940	प्रीकीणा	सीतापुर	10	1	आरण्डी, रासायनिक, गेहूँ, धान
श्री हरी प्रकाश		7089012000	सिथौली	सीतापुर	0.5		गेहूँ, चना एवं सब्जियां
श्री खुशीराम		9797448213		सीतापुर	3	3	धान, चना, आलू एवं गन्ना
श्री मोनू मौर्य		8604577801		सीतापुर	1.5	1	सब्जियां
श्री अमित मिश्रा		9838341367	श्रावस्ती	सीतापुर	5	1	केला एवं मूंगफली
श्री विनोद विमल	श्री सन्तनारयण	9161505973	कमूवा	सीतापुर	2	4	गेहूँ, मसूर, सरसों, एवं सब्जियां
श्री पंकज दीक्षित	श्री दीन बन्धू	8009371555	कमुवा बिसवा	सीतापुर	3	3	गेहूँ, मसूर, सरसों, जड़ीबूटी एवं सब्जियां
श्री सुखी राम वर्मा	श्री शूद लाल वर्मा	9793448013	टिकरा बिसवा	सीतापुर	4	4	गेहूँ, मसूर, सरसों, जड़ीबूटी एवं सब्जियां
श्री अशोक गुप्ता	श्री ललित गुप्ता	9453707987	कमुवा बिसवा	सीतापुर	6	6	औषधी, सब्जियां, जड़ीबटी
श्रीमती सरिता गुप्ता	श्री अशोक कुमार गुप्ता	9453707987	कमुवा बिसवा	सीतापुर	6	6	उर्द, सब्जियां एवं जड़ीबुटी
श्री अनुराग कुमार	श्री बृजलाल	8853537007		सीतापुर	2	8	गेहूँ, धान, उर्द, धान, सब्जियां एवं जड़ीबुटी
श्री ज्ञानू यादव	परशुराम यादव	7054620411	टान्डापुर	सीतापुर	4	1	उर्द, सरसों, एव सब्जियां
श्री ललित किशोर त्रिवेदी		7398024960		सीतापुर	3	1	गेहूँ, धान, सब्जियां एवं गन्ना
श्री ऋतिक गुप्ता		6388196440	सिधौली	सीतापुर	1	2	धनियां, आलू एवं जड़ीबुटी
श्री प्रमोद तोमर		9956414153	मानपुर	सीतापुर	50	6	गेहूँ, धान, चना, सरसों धान, सब्जियां एवं जड़ीबुटी
श्री रवीन्द्र नाणि गुप्ता		8299296049	राजापुर	सीतापुर	2.5	0	गेहूँ एवं करेला
श्री ज्ञानू यादव		7054620411		सीतापुर	8	4	गेहूँ, धान, सरसों सब्जियां एवं मुंगफली
श्री नीरज मिश्रा	श्री संत कुमार	9839474402	भगौड़ी पुर	सीतापुर	8	4	गेहूँ,धान, मटर सरसों, अलसी, एवं गन्ना, सब्जिया
श्री अनुराग कुमार		88537007	चीरहुला	सीतापुर	20	8	गेहूँ, धान, ज्वार, सरसों, , गन्ना, एवं सब्जिया
श्री गोविन्द जी	स्व0 जगदीश मिश्रा	9415548040	मिश्रापुर	सीतापुर	7	2	गेहूँ, धान, सरसों, , गन्ना, हल्दी एवं सब्जिया

गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर विश्वविद्यालय द्वारा प्रशिक्षित कृषकों की सूची

क्र0 सं0	कृषकों के नाम	पिता का नाम	ग्राम	विकास खण्ड	जनपद	मो0 नं0
1	छेदीलाल यादव	श्री मातादीन	घूरी	बिसण्डा	बॉदा	———
2	रामगोपाल	————	″	″	″	———
3	कालीदीन	————	″	″	″	———
4	श्रीकिशन	श्री कलुआ	″	″	″	———

5	लालजी द्विवेदी	श्री राजाराम	"	"	"	–––
6	शिवकुमार	कोदा				–––
7	लवकुश	श्री शिवसागर	"	"	"	–––
8	चुन्नू	पितुवा	"	"	"	–––
9	दिनेश	पितुवा	"	"	"	–––
10	चुन्नी लाल	श्री बच्चूलाल	"	"	"	–––
11	राम नारायन	मइयादीन	"	"	"	–––
12	चुन्नी	श्री बड़ा	"	"	"	–––
13	राम शरण	श्री कोदा	"	"	"	–––
14	राम मिलन	श्री फूलचन्द्र	"	"	"	–––
15	राजाभइया	श्री फूलचन्द्र	"	"	"	–––
16	कप्तान सिंह	––––	"	"	"	–––
17	रामप्रसारद	––––	"	"	"	–––
18	नत्थू	विजोला	"	"	"	–––
19	शिवसरन	कोदा	"	"	"	–––
20	छोटे	क्लुआ	"	"	"	–––
21	सुखलाल	––––	"	"	"	–––
22	भूरा	रघुराज	"	"	"	–––
23	रामशरन	छइया	"	"	"	–––
24	देव कुमार	राम मनोहर	"	"	"	–––
25	रामगुप्त	कलुआ	"	"	"	–––
26	सुधीर	राज बहादुर	"	"	"	–––
27	घनेन्द्र	राजबहादुर	"	"	"	–––
28	प्रमोद	राजबहादुर	"	"	"	–––
29	गौतम	शिवकुमार	"	"	"	–––
30	पुनीवा वर्माअ	श्री भइया लाल	कुलकुम्हारी	बड़ोखर	बॉदा	–––
31	विजय पाल	श्री परागीलाल	"	"	"	–––
32	मकत लाल	श्री प्रेमचन्द्र	"	"	"	–––
33	नरेन्द्र कुमार	श्री श्रीराम	"	"	"	–––
34	श्याम बाबू	सुखदीन	"	"	"	–––
35	सूरजपाल	चुन्ना				–––
36	ज्ञान प्रकाश	चुन्ना	"	"	"	–––
37	शिवेकुमार	श्री श्रीपाल	"	"	"	–––
38	राजन	श्री कमलेश	"	"	"	–––
39	सागर	श्री श्रीपाल	"	"	"	–––
40	राज कुमार	राम औतार	"	"	"	–––
41	श्याम सरण	ज्गवा	"	"	"	–––
42	किरण पाल	शंकर	"	"	"	–––
43	विमल	ओमकार	"	"	"	–––
44	रामबाबू	श्रीकृष्ण	"	"	"	–––
45	अजय	ब्रजभूषण	"	"	"	–––
46	विनीता	सुघर सिंह	"	"	"	–––
47	सवित्री	महिपाल	"	"	"	–––
48	नीतू	जगनदन	"	"	"	–––
49	कुन्ती	धरमपाल	"	"	"	–––
50	गीता	सौरभचन्द्र	"	"	"	–––
51	ममता	सुशील	"	"	"	–––

52	प्रीती	धीरेन्द्र कुमार	"	"	"	–––
53	प्रियांश	थ्महिलाल	"	"	"	–––
54	समावती	छेदीलाल	"	"	"	–––
55	कलमतिया	केशनपाल	"	"	"	–––
56	सुमन देवी	सुधीर	"	"	"	–––
57	रामदेवी	राजाभइया	"	"	"	–––
58	गौरीबाई	दुलीचन्द्र	"	"	"	–––
59	इन्द्रकली	रज्जू	"	"	"	–––
60	माया	फूलचन्द्र	"	"	"	–––
61	नीलम	थ्दलीप	"	"	"	–––
62	गोरीबाई	कमलेश	"	"	"	–––
63	गीता देवी	कामता प्रसाद	"	"	"	–––
64	आशा	संन्दीप	"	"	"	–––
65	कुशमा	कैलाश चन्द	"	"	"	–––
66	मधु	श्यामसुन्दर	"	"	"	–––
67	सम्पतिया	रामहित	"	"	"	–––
68	पदमा	मफतलाल	"	"	"	–––
69	सिया सुखी	रामेश्वर	"	"	"	–––
70	सैलेन्द्र	रामसिंह	"	"	"	–––
71	पुनीत	विजय कुमार	"	"	"	–––
72	सुनीता	अजय बहादुर	"	"	"	–––
73	संगीता	संगीता मनमावन	"	"	"	–––
74	जगदेव	पितवा	"	"	"	–––
75	मइयादीन	–––	"	"	"	–––
76	संध्या	मनोज	"	"	"	–––
77	रामबदन	मैकू	"	"	"	–––
78	कैलाश चन्द्र	रामेश्वर	"	"	"	–––
79	साधना देवी	रवि कुमार	"	"	"	–––
80	संदीप सिंह	योगेन्द्र सिंह	कसिगवॉ।	बिधनू	कानपुर नगर	7997594458
81	धूप सिंह	विश्वनाथ सिंह	"	"	"	7887031080
82	अविलाश सिंह	सोहन लाल	"	"	"	9335210185
83	ळनेमान	गुलाव	"	"	"	6394820500
84	राम चरन	राम सिंह	"	"	"	8922923756
85	शिवा सिंह	प्रेम सिंह	"	"	"	9648741332
86	हरिओम	प्रेम सिंह	"	"	"	9648741332
87	सत्यम	श्री संतोष	"	"	"	9005305874
88	दउआ	जगदीश यादव	"	"	"	9559327735
89	जगमोहन	छोटा	"	"	"	–––
90	शिवकुमार	जक्खन सिंह	"	"	"	–––
91	संग्राम	शिवधनी	"	"	"	–––
92	चन्द्रपाल	रामू	"	"	"	–––
93	रवि	रमेश	"	"	"	9125475437
94	धर्वेन्द्र	शिवधनी	"	"	"	–––
95	सुशीला	धनपाल	"	"	"	–––
96	गुड्डों	मोहन सिंह	"	"	"	–––
97	रामरानी	रमेश	"	"	"	–––
98	मीरा	विजेन्द्र सिंह	"	"	"	–––

99	दीपू	चन्द्रभान	"	"	"	8787286491
100	विनोद सिंह	दयाशंकर	"	"	"	9598615454
101	योागेन्द्र सिंह	रामभरोसे	"	"	"	9794821332
102	अमर सिंह	दुलारे	"	"	"	7985906311
103	प्रेम प्रकाश	भगवानदीन	"	"	"	———
104	राकेश	कुंवरपाल	"	"	"	7522071077
105	सुभाष	चन्द्रपाल	"	"	"	8957440664
106	द्वारिका प्रसाद	रमाशंकर	"	"	"	9125427522
107	ज्ञान सिंह	जक्खन	"	"	"	———
108	रामकुमार	देव सिंह	**मुसमरिया**	**महेवा**	**जालौन**	9450667101
109	राम आसरे	रघुबीर	"	"	"	9695221541
110	लोकेन्द्र सिंह	श्याम पालन सिंह	"	"	"	7355198085
111	सुरेन्द्र सिंह	केदार सिंह	"	"	"	8174836764
112	अमित सिंह	मान सिंह	"	"	"	6393328935
113	रामजी	सीताराम	"	"	"	9565775115
114	सोनू सिंह	ओमपाल सिंह	"	"	"	6394521598
115	सचिन सिंह	राम आसरे	"	"	"	8887526230
116	रामदेव सिंह	सीताराम सिंह	"	"	"	9936225530
117	मजनू सिंह	संतराम सिंह	"	"	"	———
118	मान सिंह	शिवराम	"	"	"	———
119	शिवपाल सिंह	राम औतार	"	"	"	7880580424
120	राम नरेश	संतराम	"	"	"	9118688029
121	रामकुमार	संतराम	"	"	"	9125845161
122	लखन जादौन	रामनरेश	"	"	"	8127261087
123	ओमपाल	सीताराम	"	"	"	9621571100
124	गोपाल सिंह	शिवबीर सिंह	"	"	"	9120467042
125	अरविन्द सिंह	कल्लू	"	"	"	9188536776
126	रामलला	राम नरेश	"	"	"	8115058893
127	शिवसिंह	समरत सिंह	"	"	"	———
128	अजयपाल सिंह	इन्द्रपालन सिंह	"	"	"	———
129	श्याम पाल सिंह	जगदीश सिंह	"	"	"	9651933828
130	उदयबीर सिंह	श्याम सुदार सिंह	"	"	"	6388921090
131	राजेश सिंह	माताप्रसाद	"	"	"	9935339805
132	पान सिंह	बाबूराम सिंह	"	"	"	6393819883
133	श्रीपाल सिंह	बाबूराम सिंह	"	"	"	6393819883
134	शिवम तिवारी	हरओम तिवारी	"	"	"	8874871464
135	बाबा बालकदास	झुन्नी लाल	"	"	"	9456978446
136	वासुदेव	———	"	"	"	———
137	नरेन्द्र सिंह	श्रीपाल सिंह	"	"	"	9118780528
138	कमलेश सिंह	रामजी	"	"	"	7755890622
139	कुलदीप चौधरी	काशीराम	"	"	"	9005275103
140	रामकरन सिंह	वीरेन्द्र सिंह	**मड़ोरी**	**माधौगढ़**	**जालौन**	8009715833
141	संग्राम सिंह	दरबारी लाल	"	"	"	8853015174
142	राम सिंह	सुरेन्द्र सिंह	"	"	"	8756871110
143	पिन्टू सिंह	सम्बरन सिंह	"	"	"	
144	शिवप्रताप सिंह	राजेश सिंह	"	"	"	8707870626

145	नीतेस सिंह	उपेन्द्र सिंह	"	"	"	9559295858
146	रामचन्द्र	शमशेर बहादुर	"	"	"	6388583540
147	राम कुमार	विजय बहादुर	"	"	"	7380763143
148	पप्पू कुशवहा	नत्थूराम	"	"	"	7380764550
149	हरी सिंह	कृष्ण स्वरूप	"	"	"	8299851837
150	विवेक तोमर	ब्रजराज सिंह	"	"	"	9919309390
151	राजा सिंह	राजकरन सिंह	"	"	"	7054685949
152	अंशुमान	राजबहादुर	"	"	"	6386280386
153	राजबहादुर	रिपुदमन सिंह	"	"	"	9919400929
154	अतर सिंह	छोटे सिंह	"	"	"	9794523286
155	अशोक कुमार	अवधेश कुमार	"	"	"	9450288811
156	भवानी सिंह	जनक सिंह	"	"	"	9793312610
157	राजबीर सिंह	भूरे सिंह	"	"	"	7997824924
158	वीरेन्द्र सिंह	सरदार सिंह	"	"	"	7080823566
159	दिनेश कुमार	अवधेश कुमार	"	"	"	9695283315
160	राजेश कुमार	मूलचरन	"	"	"	9450288436
161	सतीश कुमार	लालू प्रसाद	"	"	"	6307337168
162	देवेन्द्र वर्मा	रामप्रकाश	"	"	"	8874375034
163	राम सिंह	रामप्रकाश	"	"	"	7454820471
164	हरी चन्द्र	रामप्रकाश	"	"	"	7457820471
165	संतोष	बाबूराम	"	"	"	6352680415
166	अजय	भिखारीलाल	"	"	"	9129399221
167	संजय सिंह	रिपु सूदन सिंह	"	"	"	9794215205
168	नागेन्द्र सिंह	राजेन्द्र सिंह	"	"	"	8081239893
169	राना भइया	हन्ने प्रजापति	"	"	"	9621677744
170	रामनरेश	महेन्द्र सिंह	"	"	"	9559132498
171	आदित्य सिंह	जितेन्द सिंह	"	"	"	8081245469
172	दीपेन्द्र सिंह	हरबान सिंह	**हथना खुर्द**	**जालौन**	**जालौन**	7408554645
173	सुमित सिंह	नरेश सिंह	"	"	"	6307438938
174	अशोक सिंह	वीरेन्द्र सिंह	"	"	"	6389090420
175	मान सिंह	कन्हैया लाल	"	"	"	9565017983
176	राजाराम	काशीराम	"	"	"	————
177	दीपेन्द्र सिंह	धरम सिंह	"	"	"	9721249685
178	मुकेश पाल	कन्हैया लाल	"	"	"	————
179	राम शंकर	ज्वालाप्रसाद	"	"	"	9670773537
180	ज्ञान सिंह	राजाराम	"	"	"	9721361237
181	गुलाबदास	रामदयाल	"	"	"	————
182	शिवजीत	छोटे सिंह	"	"	"	8081842423
183	कुवर सिंह	बाबू सिंह	"	"	"	————
184	योगेन्द्र सिंह	गिरेन्द्र सिंह	"	"	"	7984747454
185	माता प्रसाद	काशीराम	"	"	"	8874810168
186	सुरेन्द्र पहलवान	सुरतान सिंह	"	"	"	9721239498
187	प्रताप सिंह	शिवम सिंह	"	"	"	————
188	राम शंकर	मुरलीध्र	"	"	"	————
189	धीर सिंह	जय सिंह	"	"	"	9826615125
190	राकेश सिंह	———	"	"	"	7754957475
191	त्रिवेन्द्र सिंह	अनन्त सिंह	"	"	"	9917151019

192	अरविन्द	भागीरथ	**पलींदा**	**बबीना**	**झॉंसी**	8115844761
193	निशान्त वर्मा	रामरतन वर्मा	"	"	"	6394857053
194	अमर राजपूत	मातादीन राजपूत	"	"	"	7080588983
195	राम शंकर त्रिपाठी	लक्ष्मीनारयण त्रिपाठी	"	"	"	6392092678
196	सुखनन्दन राजपूत	बाबूलाल	"	"	"	7607881519
197	हर्ष राजपूत	रामलाल	"	"	"	9651266719
198	आशीष राजपूत	विक्रम सिंह	"	"	"	9795230400
199	हुकुम राजपूत	रामनाथ	"	"	"	9076703242
200	संजय राजपूत	साहब सिंह	"	"	"	7880502294
201	**वृगभान राजपूत**	**तुलसीदास**	"	"	"	9453622484
202	प्रकाश	राजाराम	"	"	"	9956773689
203	मोनिका राजा	कृष्णपाल सिंह	"	"	"	————
204	आकाश	बृगभान सिंह	"	"	"	8726492791
205	संतोष कुमार	राधेलाल	"	"	"	————
206	सुनील	गयाप्रसाद	"	"	"	————
207	अनीता	हरिराम	"	"	"	9794521049
208	माया	शिवचरन	"	"	"	9919498662
209	लक्ष्मी	घनश्याम	"	"	"	8858352740
210	नीलम	हरिराम	"	"	"	7523019178
211	नारद	आनन्दी	"	"	"	8858352770
212	भारती	अमर सिंह	"	"	"	————
213	वीरेन्द्र	राजू	"	"	"	————
214	विवेक	नारायण	"	"	"	————
215	दयाराम	मुकुन्दी	"	"	"	————
216	चन्दन सिंह	नारायणदास	"	"	"	————
217	सविता प्रजापति	जय हिन्द	**कोटखेरा**	**रक्सा**	**झॉंसी**	9918908203
218	चन्द्र प्रकाश मौर्य	राजेश राय मौर्य	बबीना	बबीना		9893084021
219	चॉंदनी	अमर सिंह	बबीना	"	"	9621447702
220	कक्का	भइयालाल	पठारी	"	"	————
221	रामलला	रामस्वरूप	पठारी	"	"	9305938387
222	द्रौपदी	जगदीशचन्द्र	पठारी	"	"	————
223	सरोज	कालीचरण्स	पठारी	"	"	————
224	माया	मेवालाल	पठारी	"	"	————
225	रामदेवी	बन्दे	पठारी	"	"	9793682371
226	रानी	मुकेश	पठारी	"	"	————
227	प्रेमलता	अरविन्द	रक्सा	"	"	————
228	बन्दना	आजाद	रक्सा	"	"	7398144592
229	रचना		रक्सा	"	"	9005455637
230	अखिलेश		रक्सा	"	"	827856751
231	कलावती	लालबहादुर	इमलिया	"	"	————
232	कान्ती	राम सिंह	रक्सा	"	"	8542927998
233	रानी देवी	रूपचन्द्र	रक्सा	"	"	8542927998
234	अंगूरी देवी	राम निवास	रक्सा	"	"	9005455637
235	प्रभा	राम सिंह	रक्सा	"	"	9793682355
236	उर्मिला	देश सिंह	रक्सा	"	"	————

237	अनीता	कामता	रक्सा	"	"	9893084021
238	किरन	गयादीन	रक्सा	"	"	6394705278
239	मख्खन सिंह	जगभान सिंह	पठारी	"	"	9621447702
240	हरीश	भूपेन्द्र	पठारी	"	"	7897634188
241	मेवालाल	जगदीश	पठारी	"	"	9559228512
242	हरनाम	रामप्रसाद	पठारी	"	"	9621455127
243	नन्द किशोर	हरप्रसाद	**रौनीजा**	**बड़ा गॉव**	**झॉसी**	9793040810
244	जानू	लख्न	"	"	"	6307724894
245	विकास	म्केश	"	"	"	————
246	रामित	प्यारे	"	"	"	————
247	विशाल	प्रेमनारायन	"	"	"	9026061379
248	जितन्द्र	गयाप्रसाद	"	"	"	9005427895
249	गुलाब	हंसराज	"	"	"	9555722723
250	राम गोपाल	द्वारका प्रसाद	"	"	"	————
251	अन्ना राम	मैकू	"	"	"	————
252	सुरेश	राम स्वरूप	"	"	"	8177784065
253	पवन	आदीराम	"	"	"	7610662678
254	करन सिंह	सोभाराम	"	"	"	————
255	रामचरन	अन्नाराम	"	"	"	————
256	पुष्पेन्द्र	राम हेतपाल	"	"	"	9569534577
257	मंगल पाल	जगदीश पाल	"	"	"	9026023879
258	शंकर	भूरे	"	"	"	————
259	रवीन्द्र	मथुरा प्रसाद	"	"	"	9198042056
260	लवकुश	मायाराम	"	"	"	————
261	मनोज	सरवन	"	"	"	7355725365
262	शान्तीशरण	द्वारिका प्रसाद	"	"	"	————
263	सनुल दुबे	राकेश दुबे	"	"	"	8081304176
264	गुलाम	सिन्नी	"	"	"	————
265	गुलाबचन्द्र	रामदास	"	"	"	9453487960
266	अमर सिंह	मुलायम	"	"	"	9369514790
267	रमेश	सीताराम	"	"	"	————
268	शैलेन्द्र	इमरत	"	"	"	9140521490
269	पंजाब पाल	जगदीश पाल	"	"	"	7080564738
270	सुरेश	संदेश	"	"	"	————
271	सोमता	सुन्दरा	"	"	"	————
272	खुसबू	छोटेलाल	"	"	"	9651645306
273	संदीप	शंकर सिंह	**तालबेहट**	**तालबेहट**	**ललितपुर**	9794644595
274	महाराम सिंह	चन्नी	तेरई फाठक			9793108429
275	सुरेश कुमार	नाथूराम		"	"	8127541001
276	मोहन	बिन्दा	"	"	"	9140237860
277	पठान लाल		"	"	"	9621172835
278	छोटेलाल		"	"	"	9839366887
279	मूलचन्द्र		"	"	"	6387257387
280	शोबरन सिंह		"	"	"	————
281	कोमल		"	"	"	————
282	कपूर चन्द्र	रघुबीर	"	"	"	8756517063
283	देशराज	भइयालाल	"	"	"	9369520781

284	भरत	बीर सिंह	"	"	"	6393364668
285	ओम प्रकाश	रघुबीर	"	"	"	————
286	शीता प्रसाद	चन्ने	"	"	"	————
287	कृपाल	लक्ष्मण	"	"	"	————
288	शीतला	बीर सिंह	"	"	"	————
289	जगमान सिंह	रघुबीर	"	"	"	8299850417
290	कैलाश	घनश्याम	"	"	"	9005223011
291	रामरतन		"	"	"	9120579796
292	पप्पू	जगदीश	"	"	"	————
293	जालेन्द्र कुशवाहा	श्री बल्ले	"	"	"	9621355778
294	मान सिंह	रामदास	"	"	"	9651565901
295	आशाराम	सरमन	"	"	"	6387970130
296	चिमनलाला	पुन्ने	"	"	"	9120579796
297	रामसेवक	सुखा	"	"	"	7992044809
298	हरप्रसाद	किशन	"	"	"	7524866107
299	राजेश	घनश्याम	"	"	"	7307202366
300	गोविन्दास	बन्सी	"	"	"	————
301	चन्द्रभान	गिरधारी	"	"	"	9170769717
302	राघवेन्द्र	रूपसिंह	"	"	"	8318815662
303	कल्लू	खिल्लू	"	"	"	8318815662
304	कन्हैया लाल	राइसर	"	"	"	9305722056
305	भगवानदास	सुख सिंह	**बम्होरीसर**	**तालबेहट**	**ललितपुर**	9336705869
306	सुरेन्द्र	हरिचरण	"	"	"	9564701660
307	भगवान सिंह	कल्याण सिंह	"	"	"	9651142607
308	रामसिंह	बहादुर सिंह	"	"	"	————
309	हर प्रसाद	रामजी	"	"	"	8009940679
310	गुड्डू राजा	गौरी शंकर	"	"	"	6387833153
311	विनोद कुमार	श्री कल्लू	"	"	"	————
312	सुरेन्द्र	हक्की	"	"	"	————
313	सुमन	सुखलाल	"	"	"	————
314	प्रकाश	हीरालाल	"	"	"	7897602549
315	चम्पें	हल्के	"	"	"	————
316	मनोहर	कुवरजू	"	"	"	8400132841
317	मनका	हल्का	"	"	"	————
318	नाथूराम	नाथूराम	"	"	"	————
319	गायत्री	प्रमोद	"	"	"	7752905267
320	मोहन	पच्चू	"	"	"	————
321	रेखा देवी	अशोक कुमार	"	"	"	7839710295
322	बेबी	रतन	"	"	"	7080899326
323	ममता	मेहन	"	"	"	8009999570
324	चन्दा	संतोष	"	"	"	————
325	नर्वदा	राधेश्याम	"	"	"	————
326	फूला	कैलाश	"	"	"	————
327	मयंक	कृपा शंकर	"	"	"	8858859264
328	दारा सिंह	छनदीलाल	"	"	"	————
329	राजीव	प्रकाश	"	"	"	9519074419
330	व्रजमान	प्रानसिंह	"	"	"	8090034769

331	करन सिंह	सूरज सिंह	"	"	"	8175862119
332	मोहन	भूरे	"	"	"	8009999570
333	रतन	कल्लू	"	"	"	8789932930
334	राम कुमार	लल्लूराम	"	"	"	7054174994
335	रवि	छेदा लाल	"	"	"	———
336	बलवान सिंह	खेत सिंह	"	"	"	9453300551
337	नन्द किशोर	गनतप	"	"	"	9180165054
338	सवित्री	बाबूलाल	"	"	"	7380762671
339	मनीषा	नन्द किशोर	"	"	"	———
340	संदीप	शंकर	"	"	"	9794614595
341	श्याम बिहारी	राधाकृष्ण	अम्बावाय	बड़ा गॉव	झांसी	7318078613
342	लक्ष्मी नारायन	अच्छे लाल	सालाबर	जालौन	जालौन	9798682770
343	पूरन लाल	बाल किसन	ब्रूआसागर	बड़ा गॉव	झांसी	7901544182
344	राज बहादुर	रामेश्वर	पुरैनी	सरील	हमीरपुर	8957715530
345	आत्माराम	श्यामलाल	बड़ौरा	बबीना	झांसी	9936677859
346	सुरेश सिंह	रामचरन	तालबेहट	तालबेहट	ललितपुर	7007096667
347	रामराज	सिबरोमन	बछौछा	बिसण्डा	बॉदा	8423147077
348	शेखर	शिवकुमार	सहजौर			7388624111
349	उत्तम सिंह	मन्नू सिंह	मौदहा	मौदहा	हमीरपुर	7007604150
350	धर्मेन्द्र	नन्दन सिंह	काकुन	चरखारी	महोबा	9450872823
351	रिषभ वर्मा	जयकुमार	सतना	सतना	सतना	7070594243
352	अंकिता गुप्ता	प्रेमचन्द्र	दमहूॅ	दमहूॅ	मध्यप्रदेश	7225063190
353	दीपक	शेकर दयाल	सतना	सतना	सतना	7470871186
354	शिवशंकर	शिवपाल	ग्रामोदय	चित्रकूट	सतना	9161302691
355	देशराज	शिवचरन	भमई	हमीरपुर	हमीरपुर	9450987210
356	जनदीप		समाज निवास संस्थान	———	चित्रकूट	9919005333
357	राजा भइया	———	समाज निवास संस्थान	———	बॉदा	7905517317
358	शेखर त्रिपाठी	———	लोकभारती	———	लखनऊ	7388624111
359	दीपक द्विवेदी	———	सतना	सतना	सतना	7470871186
360	लक्ष्मीनारयन	———	सालाबाग	जालौन	जालौन	9793682770
361	अशोक	———	———			9935700730
362	सुरेन्द्र	———	जालौन	जालौन	जालौन	7999508706
363	अजय यादव	———	रानीपुर	———	चित्रकूट	8887685698
364	प्रवीन कुमार	———	निवाड़ी	———	टीकमुगढ़	7974488911
365	पूरन लाल	———	बरूआसागर	———	झांसी	7905144182
366	सुमेर सिंह	———	तालबेहट	तालबेहट	ललितपुर	7007096667
367	रामराज	———	बछौछा	———	बॉदा	8423147011
368	उत्तम सिंह	———	मौदहा	———	हमीरपुर	7007641250
369	राजबहादुर	———	सरीला	———	हमीरपुर	8957715530
370	धर्मेन्द्र	———	काकुन	———	महोबा	9450872823
371	देवसिंह	———	सुमेरपुर	———	हमीरपुर	9452305414
372	आशीष पाठक	———	नौगॉव	———	छतरपुर	9691766981
373	देशराज	———	बछौछा	———	बॉदा	9450987210

मीडिया कवरेज

जन एक्सप्रेस
सभी सुधी पाठकों को बुद्ध पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं

गांवों में प्राकृतिक खेती करने के लिए अभियान की शुरुआत

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह के निर्देशन में रविवार को बुंदेलखंड क्षेत्र के जनपद बांदा के ग्राम घूरी, ओरन, कुलकुम्हारी, बीघाना, बीघा एवं मनीपुर आदि गांवों में प्राकृतिक खेती करने के लिए अभियान की शुरुआत की गई।

बुंदेलखंड में प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता लाने के लिए विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खांन एवं कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संस्थापक श्याम बिहारी गुप्ता ने संयुक्त रूप से किसानों को जागरूक करने के लिए किसानों को गांव की खाद गांव में, गांव का पैसा गांव में,जैसे नारे लगाकर प्राकृतिक खेती के प्रति प्रोत्साहित किया। इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गांव में जीवामृत, घन जीवामृत एवं बीजामृत बनाने की विधि प्रयोगात्मक रूप से बताई गई। इस अवसर पर घूरी गांव के ग्राम प्रधान राजेश यादव, छेदी लाल यादव, लालजी द्विवेदी, काली दीन, रामशरण सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

आज | महानगर | 5

किसानों को बताई जीवामृत-बीजामृत बनाने की विधि

सीएसए ने बुंदेलखंड क्षेत्र में छेड़ा प्राकृतिक खेती पर अभियान

जीवामृत बनाने की विधि बताते वैज्ञानिक।

कानपुर, 15 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह के निर्देशन में आज बुंदेलखंड क्षेत्र के जनपद बांदा के ग्राम घूरी, ओरन,कुलकुम्हारी, बीघाना,बीघा एवं मनीपुर आदि गांवों में प्राकृतिक खेती करने के लिए अभियान शुरू कर दिया गया है। बुंदेलखंड में प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता लाने के लिए सीएसए के के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खांन एवं कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संस्थापक श्याम बिहारी गुप्ता ने संयुक्त रूप से किसानों को जागरूक करने हेतु अभियान शुरू किया है। वैज्ञानिकों ने किसानों को बताया की गांव की खाद गांव में, गांव का पैसा गांव में,जैसे नारे लगाकर प्राकृतिक खेती के प्रति प्रोत्साहित किया। इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गांव में जीवामृत, घन जीवामृत एवं बीजामृत बनाने की विधि प्रयोगात्मक रूप से बताई गई। इस अवसर पर किसानों ने प्राकृतिक खेती के प्रति काफी उत्साह दिखाया।इस अवसर पर घूरी गांव के ग्राम प्रधान राजेश यादव,छेदी लाल यादव, लालजी द्विवेदी, काली दीन,रामशरण सहित सैकड़ों किसानों ने प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय सहारा
कानपुर • सोमवार • 16 मई • 2022

सीएसए गांवों में देगा प्राकृतिक खेती को गति

गांवों में अभियान चला किसानों को किया गया प्रेरित

प्रयोग कर बताई गई जीवामृत-बीजामृत खाद बनाने की विधि

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि गांवों में प्राकृतिक खेती को गति देगा। इसके लिए किसानों को जागरूक करने का कार्यक्रम आरंभ कर दिया गया है। विवि के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संस्थापक श्याम बिहारी गुप्ता के साथ मिलकर रविवार को बुंदेलखंड के बांदा जिले के गांव घूरी, ओरन, कुलकुम्हारी, बीघाना, बीघा एवं मनीपुर के ग्रामीणों को प्राकृतिक खेती को लेकर जागरूक किया।

विवि कुलपति डॉ.डीआर सिंह की पहल पर आरंभ किये गये अभियान के तहत किसानों को जागरूक करने के साथ ही 'गांव की खाद गांव में व गांव का पैसा गांव में' जैसे नारे बुलंद किये गये। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गांव में जीवामृत, घन जीवामृत एवं बीजामृत बनाने की विधि प्रयोगात्मक रूप से बताई गई। किसानों ने प्राकृतिक खेती के प्रति उत्साह जताया। घूरी गांव के ग्राम प्रधान राजेश यादव, छेदी लाल यादव, लालजी द्विवेदी, कालीदीन, रामशरण सहित बड़ी संख्या में किसानों ने कार्यक्रम में भागीदारी की।

उल्लेखीय है कि सीएसए कृषि विवि में प्राकृतिक खेती पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी 13-14 मई को रखा गया था। प्राकृतिक खेती पर पहले से विवि विभिन्न कार्यक्रम संचालित कर रहा है। अब इस क्रम में बुंदेलखंड पर फोकस किया गया है। बुंदेलखंड के किसानों को कम पानी वाली फसलों को प्राकृतिक तरीके से उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा।

सीएसए कृषि विश्वविद्यालय के प्राकृतिक खेती को लेकर शुरू किए अभियान में किसानों को प्राकृतिक खाद बनाने का तरीका बताते कृषि वैज्ञानिक। फोटो : एसएनबी

अधिकतम तापमान 43°C >> न्यूनतम तापमान 31°C >> सूर्योदय 5:12 >> सूर्यास्त 19:02 >> डॉलर 77.49 >>
दैनिक भास्कर
देश का विश्वसनीय अखबार

सारसुर्खियां

सीएसए ने छेड़ा प्राकृतिक खेती पर अभियान

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में आज बुंदेलखंड क्षेत्र के जनपद बांदा के ग्राम घूरी,ओरन,कुलकुम्हारी, बीघाना,बीघा एवं मनीपुर आदि गांवों में प्राकृतिक खेती करने के लिए अभियान शुरू कर दिया गया है। बुंदेलखंड में प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता लाने के लिए विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खांन एवं कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संस्थापक श्याम बिहारी गुप्ता ने संयुक्त रूप से किसानों को जागरूक करने हेतु अभियान शुरू किया है। साथ ही किसानों को बताया की गांव की खाद गांव में, गांव का पैसा गांव में,जैसे नारे लगाकर प्राकृतिक खेती के प्रति प्रोत्साहित किया। इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गांव में जीवामृत, घन जीवामृत एवं बीजामृत बनाने की विधि प्रयोगात्मक रूप से बताई गई। इस अवसर पर किसानों ने प्राकृतिक खेती के प्रति काफी उत्साह दिखाया।इस अवसर पर घूरी गांव के ग्राम प्रधान राजेश यादव,छेदी लाल यादव, लालजी द्विवेदी, काली दीन,रामशरण सहित सैकड़ों किसानों ने प्रतिभाग किया।

18
कानपुर, सोमवार 16 मई 2022
कानपुर न्यूज
www.dinartimes.in
DT दीनार टाइम्स

सीएसए ने प्राकृतिक खेती पर बुंदेलखंड क्षेत्र में छेड़ा प्राकृतिक खेती पर अभियान

डीटीएनएन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में आज बुंदेलखंड क्षेत्र के जनपद बांदा के ग्राम घूरी,ओरन,कुलकुम्हारी, बीघाना,बीघा एवं मनीपुर आदि गांवों में प्राकृतिक खेती करने के लिए अभियान शुरु कर दिया गया है। बुंदेलखंड में प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता लाने के लिए विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खांन एवं कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संस्थापक श्याम बिहारी गुप्ता ने संयुक्त रूप से किसानों को जागरूक करने हेतु अभियान शुरु किया है। साथ ही किसानों को बताया की गांव की खाद गांव में, गांव का पैसा गांव में,जैसे नारे लगाकर प्राकृतिक खेती के प्रति प्रोत्साहित किया। इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गांव में जीवामृत, घन जीवामृत एवं बीजामृत बनाने की विधि प्रयोगात्मक रूप से बताई गई। इस अवसर पर किसानों ने प्राकृतिक खेती के प्रति काफी उत्साह दिखाया इस अवसर पर घूरी गांव के ग्राम प्रधान राजेश यादव,छेदी लाल यादव, लालजी द्विवेदी, काली दीन,रामशरण सहित सैकड़ों किसानों ने प्रतिभाग किया।

वर्ष 16 अंक 132 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, सोमवार 16 मई 2022
कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,एटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित
RNI N.UPHIN/2007/27090
दैनिक नगर छाया
आप की आवाज़.....
www.nagarchhaya.com पेज -8 परफेक्ट लाइफपार्टनर हैं संजय गगनानी

सीएसए ने प्राकृतिक खेती पर बुंदेलखंड क्षेत्र में छेड़ा अभियान

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में आज बुंदेलखंड क्षेत्र के जनपद बांदा के ग्राम घूरी,ओरन,कुलकुम्हारी, बीघाना,बीघा एवं मनीपुर आदि गांवों में प्राकृतिक खेती करने के लिए अभियान शुरू कर दिया गया है। बुंदेलखंड में प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता लाने के लिए विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खांन एवं कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संस्थापक श्याम बिहारी गुप्ता ने संयुक्त रूप से किसानों को जागरूक करने हेतु अभियान शुरू किया है। साथ ही किसानों को बताया की गांव की खाद गांव में, गांव का पैसा गांव में,जैसे नारे लगाकर प्राकृतिक खेती के प्रति

प्रोत्साहित किया। इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गांव में जीवामृत, घन जीवामृत एवं बीजामृत बनाने की विधि प्रयोगात्मक रूप से बताई गई। इस अवसर पर किसानों ने प्राकृतिक खेती के प्रति काफी उत्साह दिखाया इस अवसर पर घूरी गांव के ग्राम प्रधान राजेश यादव,छेदी लाल यादव, लालजी द्विवेदी, काली दीन,रामशरण सहित सैकड़ों किसानों ने प्रतिभाग किया।

दैनिक जागरण बाँदा 16/05/2022

सीएसए विश्वविद्यालय ने शुरू किया बुंदेलखंड में प्राकृतिक खेती का अभियान

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में शनिवार को राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन के बाद रविवार से विश्वविद्यालय प्रशासन ने बुंदेलखंड क्षेत्र में प्राकृतिक खेती पर अभियान का शुभारंभ किया। पहले दिन बांदा के ग्राम घूरी, ओरन, कुलकुम्हारी, बीघाना, बीघा व मनीपुर में सीएसए के मृदा विज्ञानी डा. खलील खान और कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान संस्थान झांसी के संस्थापक श्याम बिहारी गुप्ता ने किसानों को जागरूक किया। उन्होंने किसानों को गांव की खाद गांव में और गांव का पैसा गांव में स्लोगन कहकर प्रोत्साहित किया।

आज 18/05/2022

प्राकृतिक खेती पर किसानों को किया जागरूक

किसानों को जागरूक करते शिक्षक।

कानपुर, 17 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डीआर सिंह के निर्देशन में आज कानपुर नगर के गांव कसिगवां में प्राकृतिक खेती पर किसानों को जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन बढ़ाने के लिए जरूरी है कि मृदा बीजाअमृत ,जीवामृता बनाकर खेतों में डाली जाए। जिससे फसलों को सभी पोषक तत्व प्राप्त हो सके और उत्पादन गुणवत्ता युक्त हो। इस अवसर पर श्याम बिहारी नीमास्त्र बनाने की विधि बताई और कहा कि फसलों को रोगों व कीटों से बचाने के लिए नीमास्त्र आवश्यक है। इस अवसर पर गो सेवा केंद्र की अध्यक्ष प्रियंका सिंह ने भी अपने विचार रखे ।किसानों ने देसी गाय पालने और प्राकृतिक खेती रुचि दिखाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान योगेंद्र सिंह ने की। इस अवसर पर द्वारिका प्रसाद, राम चरण सहित 50 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक

www.shashwattimes.com

प्राकृतिक खेती पर किसानों को किया गया जागरूक

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में आज कानपुर नगर के गांव कसिगवां में प्राकृतिक खेती पर किसानों को जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन बढ़ने के लिए जरूरी है कि मृदा बीजाअमृत ,जीवामृता बनाकर खेतों में डाली जाए। जिससे फसलों को सभी पोषक तत्व प्राप्त हो सके और उत्पादन गुणवत्ता युक्त हो। इस अवसर पर श्याम बिहारी नीमास्त्र बनाने की विधि बताई और कहा कि फसलों को रोगों व कीटों से बचाने के लिए नीमास्त्र आवश्यक है। इस अवसर पर गो सेवा केंद्र की अध्यक्ष प्रियंका सिंह ने भी अपने विचार रखे ।किसानों ने देसी गाय पालने और प्राकृतिक खेती रुचि दिखाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान योगेंद्र सिंह ने की। इस अवसर पर द्वारिका प्रसाद, राम चरण सहित 50 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

6 कानपुर न्यूज www.dinartimes.in DT दीनार टाइम्स

कानपुर, बुधवार, 18 मई 2022

प्राकृतिक खेती पर किसानों को किया जागरूक

डी टी एन एन ।चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में आज कानपुर नगर के गांव कसिगवां में प्राकृतिक खेती पर किसानों को जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन बढ़ाने के लिए जरूरी है कि मृदा बीजाअमृत ,जीवामृता बनाकर खेतों में डाली जाए। जिससे फसलों को सभी पोषक तत्व प्राप्त हो सके और उत्पादन गुणवत्ता युक्त हो। इस अवसर पर श्याम बिहारी नीमास्त्र बनाने की विधि बताई और कहा कि फसलों को रोगों व कीटों से बचाने के लिए नीमास्त्र आवश्यक है। इस अवसर पर गो सेवा केंद्र की अध्यक्ष प्रियंका सिंह ने भी अपने विचार रखे किसानों ने देसी गाय पालने और प्राकृतिक खेती रुचि दिखाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान योगेंद्र सिंह ने की। इस अवसर पर द्वारिका प्रसाद, राम चरण सहित 50 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:106 | देहरादून, बुधवार, 18 मई, 2022 | पृष्ठ:08

छोटे व सीमांत किसानों के लिए प्राकृतिक खेती विशेष लाभकारी: डॉ खलील खान

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय की टीम एवं कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी द्वारा संयुक्त रूप से बुंदेलखंड क्षेत्र के जनपद जालौन में मुसमरिया, मडोरी एवं हथना आदि गांवों में प्राकृतिक खेती के लिए किसानों में जन जागरूकता अभियान चलाया गया इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि मिट्टी स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक खेती आशा की नई किरण है उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि पारंपरिक ज्ञान के आधार पर स्थानीय संसाधनों जैसे गोबर, गोमूत्र आदि की सहायता से न केवल कृषि लागत को कम किया जा सकता है बल्कि भूमि की जैविक संरचना को बचाया भी जा सकता है उन्होंने कहा की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है उसे पुनः स्वस्थ बनाने के लिए आज की आवश्यकता है रासायनिक उर्वरक व कीटनाशकों के अधिक प्रयोग से मिट्टी विषाक्त हो रही है इस अवसर पर झांसी की श्याम बिहारी गुप्ता ने किसानों को जीवामृत, बीजाअमृत, नीमास्त्र तथा घन जीवामृत बनाने की विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी उन्होंने बताया कि गौ आधारित प्राकृतिक खेती किसी वरदान से कम नहीं है इस अवसर पर ग्राम मडोरी के प्रगतिशील किसान अशोक सिंह सेंगर ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

दैनिक भास्कर

इतिहास में आज
1971 : भारतीय नौसेना का पहला पनडुब्बी अड्डा वीर बाहु विशाखापत्तनम में हुआ शुरू

dainikbhaskarup.com

किसानों के लिए प्राकृतिक खेती लाभकारीः डॉ खलील

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय की टीम एवं कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी द्वारा संयुक्त रूप से बुंदेलखंड क्षेत्र के जनपद जालौन में मुसमरिया, मडोरी एवं हथना आदि गांवों में प्राकृतिक खेती के लिए किसानों में जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि मिट्टी स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक खेती आशा की नई किरण है। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि पारंपरिक ज्ञान के आधार पर स्थानीय संसाधनों जैसे गोबर, गोमूत्र आदि की सहायता से न केवल कृषि लागत को कम किया जा सकता है। बल्कि भूमि की जैविक संरचना को बचाया भी जा सकता है। उन्होंने कहा की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है उसे पुनः स्वस्थ बनाने के लिए आज की आवश्यकता है। रासायनिक उर्वरक व कीटनाशकों के अधिक प्रयोग से मिट्टी विषाक्त हो रही है। इस अवसर पर झांसी की श्याम बिहारी गुप्ता ने किसानों को जीवामृत, बीजाअमृत, नीमास्त्र तथा घन जीवामृत बनाने की विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने बताया कि गौ आधारित प्राकृतिक खेती किसी वरदान से कम नहीं है। इस अवसर पर ग्राम मडोरी बके प्रगतिशील किसान अशोक सिंह सेंगर ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 13 अंक: 314 | कानपुर, गुरुवार 19 मई, 2022 | नगर संस्करण | पृष्ठ 12 | मूल्य: 2.00 रुपये

राष्ट्रीय स्वरूप

yaswaroop.in

गुजरात की नजरें जीत की लय कायम रखने पर, आरसीबी को प्लेआफ के लिए बड़ी जीत की जरूरत 10

किसानों के लिए प्राकृतिक खेती विशेष लाभकारी : डॉ खलील

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय की टीम एवं कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी द्वारा संयुक्त रूप से बुंदेलखंड क्षेत्र के जनपद जालौन में मुसमरिया मडोरी एवं हथना आदि गांवों में प्राकृतिक खेती के लिए किसानों में जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि मिट्टी स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक खेती आशा की नई किरण है। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि पारंपरिक ज्ञान के आधार पर स्थानीय संसाधनों जैसे गोबर, गोमूत्र आदि की सहायता से न केवल कृषि लागत को कम किया जा सकता है। बल्कि भूमि की जैविक संरचना को बचाया भी जा सकता है। उन्होंने कहा की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है उसे पुनः स्वस्थ बनाने के लिए आज की आवश्यकता है। रासायनिक उर्वरक व कीट नाशकों के अधिक प्रयोग से मिट्टी विषाक्त हो रही है। इस अवसर पर झांसी की श्याम बिहारी गुप्ता ने किसानों को जीवामृत, बीजाअमृत, नीमास्त्र तथा घन जीवामृत बनाने की विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने बताया कि गौ आधारित प्राकृतिक खेती किसी वरदान से कम नहीं है। इस अवसर पर ग्राम मडोरी बके प्रगतिशील किसान अशोक सिंह सेंगर ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक

www.shashwattimes.com

प्राकृतिक खेती पर किसानों को किया गया जागरूक

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में आज कानपुर नगर के गांव कसिगवां में प्राकृतिक खेती पर किसानों को जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन बढ़ाने के लिए जरूरी है कि मृदा बीजाअमृत ,जीवामृता बनाकर खेतों में डाली जाए। जिससे फसलों को सभी पोषक तत्व प्राप्त हो सके और उत्पादन गुणवत्ता युक्त हो। इस अवसर पर श्याम बिहारी नीमास्त्र बनाने की विधि बताई और कहा कि फसलों को रोगों व कीटों से बचाने के लिए नीमास्त्र आवश्यक है। इस अवसर पर गो सेवा केंद्र की अध्यक्ष प्रियंका सिंह ने भी अपने विचार रखे ।किसानों ने देसी गाय पालने और प्राकृतिक खेती रुचि दिखाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान योगेंद्र सिंह ने की। इस अवसर पर द्वारिका प्रसाद, राम चरण सहित 50 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

6 JANMAT TODAY
उत्तर प्रदेश
Dehradun
18 May, 2022

गर्मी से बचाव को प्रशिक्षण में दिए गए सुझाव

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्रीष्मकालीन पोषक आहार विषयक एक प्रशिक्षण से संबंधित गांव अनूपपुर में किया गया कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार के निर्देशन में महिला केंद्र की अध्यक्ष डॉक्टर मिथिलेश वर्मा द्वारा जैव समवेर्धित ग्राम अनूप पुर में महिलाओं को ग्रीष्म कालीन सुपाच्य पोषक आहार सम्बन्धी विषय पर महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

जिसमें केंद्र के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने महिलाओं को हरी पत्तेदार सब्जियों के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की महिला अध्ययन केंद्र की अध्यक्ष एवम कृषि विज्ञान केंद्र की महिला वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने महिलाओं को ऐसी तपती गर्मी से बचाव हेतु एवं शरीर का उचित तापमान वरकरार रखने के लिए ऐसा आहार का चयन करें जो हमारे शरीर को ठंडा ओर तृप्त रख सके जैसे ख़रबूजा, तरबूजा, नीबू शिकंजी, संतरा दही, मट्ठा, पुदीना, आम का पना, इमली का पना, सत्तू आदि पदार्थों के सेवन की मात्रा अपने आहार में बड़ा देनी चाहिए।

आम का पना बनाने की विधि के वारे में विस्तार से चर्चा की केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार ने महिलाओं को बताया की आम, नीबू आदि के पेड़ लगाकर अपनी आमदनी को कैसे बड़ा सकते है के वारे में विस्तार से चर्चा की उक्त प्रशिक्षण में होम साइंस की छात्राओं ने भाग लिया तथा केंद्र के शरद सिंह ने प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी को धन्यवाद प्रस्तुत किया।

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress
WORLD खबर EXPRESS
बुधवार, 18-05-2022 अंक-132
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com
WORLD खबर एक्सप्रेस
MID DAY E-PAPER

महिलाओं को गर्मी से बचाव के दिए टिप्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर की ओर से आज ग्रीष्मकालीन पोषक आहार विषयक एक प्रशिक्षण कार्यक्रम गांव अनूपपुर में किया गया। महिला केंद्र की अध्यक्ष डॉ. मिथिलेश वर्मा ने जैव समवेर्धित ग्राम अनूपपुर में महिलाओं को ग्रीष्मकालीन सुपाच्य पोषक आहार संबंधी विषय पर प्रशिक्षण दिया।

केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने महिलाओं को हरी पत्तेदार सब्जियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। महिला अध्ययन केंद्र की अध्यक्ष एवं कृषि विज्ञान केंद्र की महिला वैज्ञानिक डॉ. मिथिलेश वर्मा ने महिलाओं को ऐसी तपती गर्मी से बचाव और शरीर का उचित तापमान बरकरार रखने के लिए ऐसे आहार का चयन करने को कहा जो हमारे शरीर को ठंडा व तृप्त रख सके।

इनमें खरबूजा, तरबूज, नीबू शिकंजी, संतरा दही, मट्ठा, पुदीना, आम का पना, इमली का पना, सत्तू के सेवन की मात्रा अपने आहार में बड़ा देनी चाहिए। आम का पना बनाने की विधि के बारे में विस्तार से चर्चा की। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार ने महिलाओं को बताया कि आम, नीबू के पेड़ लगाकर अपनी आमदनी को कैसे बड़ा सकते हैं? प्रशिक्षण में होम साइंस की छात्राओं ने भाग लिया और केंद्र के शरद सिंह ने प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी को धन्यवाद प्रस्तुत किया।

आज उरई जालौन 6

मिट्टी स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक खेती आशा की नई किरण- डा.खलील

उरई, (जालौन) 18 मई। प्राकृतिक खेती के लिए किसानों को जागरुक करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर और कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी की संयुक्त टीम ने जिले के कई गांव में कार्यक्रम आयोजित कर किसानों को प्राकृतिक खेती का महत्व बताया। इससे लघु और सीमांत किसानों को काफी लाभ होगा और लागत भी कम आयेगी। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर एवं कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी की संयुक्त टीम बुधवार को जिले में पहुंची। टीम ने प्राकृतिक खेती के लिए किसानों को जागरुक किया। ग्राम मुसमरिया मड़ोरी एवं हथना में किसानों को जानकारी दी। विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डा.खलील खान ने कहा कि मिट्टी स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक खेती आशा की नई किरण है। पारम्परिक ज्ञान के आधार पर स्थानीय संसाधनों गोबर गोमूत्र आदि की सहायता से न केवल कृषि लागत को कम किया जा सकता है बल्कि भूमि की जैविक संरचना को बचाया भी जा सकता है। उन्होने कहा कि मिट्टी के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। रसायनिक उर्वरक व कीटनाशको के अधिक प्रयोग से मिट्टी विषाक्त हो रही है किसानों को बिन्दुवार जानकारी दी गयी है। झांसी से आये श्याम बिहारी गुप्ता ने किसानों को जीवामृत वीजामृत नीमास्त्र तथा धन जीवामृत बनाने की विधियो के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर तमाम किसान मौजूद थे।

आज महानगर कानपुर 19 मई, 2022 5

भीषण गर्मी से बचाव को पौष्टिक आहार जरूरी

❑ हरी पत्तेदार सब्जियां, नीबू, खरबूजा, तरबूज, दही, आम का पना, सत्तू का सेवन लाभदायक

प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल महिलाएं।

कानपुर, 18 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा आज ग्रीष्मकालीन पोषक आहार विषयक एक प्रशिक्षण से संबंधित गांव अनूपपुर में किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार के निर्देशन में महिला केंद्र की अध्यक्ष डॉ मिथिलेश वर्मा द्वारा जैव समवेर्धित ग्राम अनूप पुर में महिलाओं को ग्रीष्म कालीन सुपाच्य पोषक आहार सम्बन्धी बिषय पर महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें केंद्र के अध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने महिलाओं को हरी पत्तेदार सवजियों के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की । महिला अध्ययन केंद्र की अध्यक्ष एवम कृषि विज्ञान केंद्र की महिला वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने महिलाओं को ऐसी तपती गर्मी से बचाव हेतु एवं शरीर का उचित तापमान बरकरार रखने के लिए ऐसा आहार का चयन करें।जो हमारे शरीर को ठंडा ओर तृप्त रख सके । जैसे खरबूज़ा, तरबूज़ा, नीबू शिकंजी , संतरा, दही , मट्ठा , पुदीना , आम का पना , इमली का पना , सत्तू , आदि पदार्थों के सेवन की मात्रा अपने आहार में बड़ा देनी चाहिए। आम का पना बनाने की विधि के वारे में विस्तार से चर्चा की। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार ने महिलाओं को बताया की आम , नीबू आदि के पेड़ लगाकर अपनी आमदनी को कैसे बड़ा सकते है। इनके बारे में विस्तार से चर्चा की । उक्त प्रशिक्षण में होम साइन्स की छात्राओं ने भाग लिया तथा केंद्र के श्री शरद सिंह ने प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी को धन्यवाद प्रस्तुत किया ।

छोटे व सीमांत किसानों के लिए प्राकृतिक खेती विशेष लाभकारी

कानपुर, 18 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ डीआर सिंह के निर्देश के क्रम में आज विवि की टीम एवं कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी की ओर से संयुक्त रूप से बुंदेलखंड क्षेत्र के जनपद जालौन में आज मुसमरिया, मडोरी एवं हथना आदि गांवों में प्राकृतिक खेती के लिए किसानों में जन जागरूकता अभियान चलाया गया। विवि के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि मिट्टी स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक खेती आशा की नई किरण है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक ज्ञान के आधार पर स्थानीय संसाधनों जैसे गोबर, गोमूत्र आदि की सहायता से न केवल कृषि लागत को कम किया जा सकता है। बल्कि भूमि की जैविक संरचना को बचाया भी जा सकता है। उन्होंने कहा की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है उसे पुनः स्वस्थ बनाने के लिए आज की आवश्यकता है। रासायनिक उर्वरक व कीटनाशकों के अधिक प्रयोग से मिट्टी विषाक्त हो रही है। इस अवसर पर झांसी की श्याम बिहारी गुप्ता ने किसानों को जीवामृत, वीजाअमृत, नीमास्त्र तथा घन जीवामृत बनाने की विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने बताया कि गौ आधारित प्राकृतिक खेती किसी वरदान से कम नहीं है। इस अवसर पर ग्राम मडोरी बके प्रगतिशील किसान अशोक सिंह सेंगर ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 13 अंक: 314 कानपुर, गुरुवार 19 मई, 2022 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपये

राष्ट्रीय स्वरूप

yaswaroop.in गुजरात की नजरें जीत की लय कायम रखने पर, आरसीबी को प्लेऑफ के लिए बड़ी जीत की जरूरत 10

गर्मी से बचाव हेतु प्रशिक्षण में दिए गए टिप्स

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्रीष्मकालीन पोषक आहार विषयक एक प्रशिक्षण से संबंधित गांव अनूपपुर में किया गया।कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार के निर्देशन में महिला केंद्र की

अध्यक्ष डॉक्टर मिथिलेश वर्मा द्वारा जैव समवेर्धित ग्राम अनूप पुर में महिलाओं को ग्रीष्म क़ालीन सुपाच्य पोषक आहार सम्बन्धी बिषय पर महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया । जिसमें केंद्र के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने महिलाओं को हरी पत्तेदार सवजियों के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की । महिला अध्ययन केंद्र की अध्यक्ष एवम कृषि विज्ञान केंद्र की महिला वैज्ञानिक डॉक्टर मिथिलेश वर्मा ने महिलाओं को ऐसी तपती गर्मी से बचाव हेतु एवं शरीर का उचित तापमान वरकरार रखने के लिए ऐसा आहार का चयन करें।जो हमारे शरीर को ठंडा ओर तृप्त रख सके । जैसे ख़रबूज़ा, तरबूज़ा, नीबू शिकंजी संतरा दही मट्ठा पुदीना आम का पना इमली का पना सत्तू , आदि पदार्थों के सेवन की मात्रा अपने आहार में बड़ा देनी चाहिए । आम का पना बनाने की विधि के वारे में विस्तार से चर्चा की। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार ने महिलाओं को बताया की आम , नीबू आदि के पेड़ लगाकर अपनी आमदनी को कैसे बड़ा सकते है।के वारे में विस्तार से चर्चा की । उक्त प्रशिक्षण में होम साइयन्स की छात्राओं ने भाग लिया तथा केंद्र के श्री शरद सिंह ने प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी को धन्यवाद प्रस्तुत किया ।

आज महानगर 5

छोटे व सीमांत किसानों के लिए प्राकृतिक खेती विशेष लाभकारी

कानपुर, 18 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ डीआर सिंह के निर्देश के क्रम में आज विवि की टीम एवं कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी की ओर से संयुक्त रूप से बुंदेलखंड क्षेत्र के जनपद जालौन में आज मुसमरिया, मडोरी एवं हथना आदि गांवों में प्राकृतिक खेती के लिए किसानों में जन जागरूकता अभियान चलाया गया। विवि के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि मिट्टी स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक खेती आशा की नई किरण है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक ज्ञान के आधार पर स्थानीय संसाधनों जैसे गोबर, गोमूत्र आदि की सहायता से न केवल कृषि लागत को कम किया जा सकता है। बल्कि भूमि की जैविक संरचना को बचाया भी जा सकता है। उन्होंने कहा की मिट्टी के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है उसे पुनः स्वस्थ बनाने के लिए आज की आवश्यकता है। रासायनिक उर्वरक व कीटनाशकों के अधिक प्रयोग से मिट्टी विषाक्त हो रही है। इस अवसर पर झांसी की श्याम बिहारी गुप्ता ने किसानों को जीवामृत, वीजाअमृत, नीमास्त्र तथा घन जीवामृत बनाने की विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने बताया कि गौ आधारित प्राकृतिक खेती किसी वरदान से कम नहीं है। इस अवसर पर ग्राम मडोरी बके प्रगतिशील किसान अशोक सिंह सेंगर ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

वर्ष 16 अंक 136 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, शुक्रवार 20 मई 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

सीएसए प्राकृतिक खेती की टीम पहुंची झांसी, दिए प्राकृतिक खेती के गुर

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में बुंदेलखंड के सभी जनपदों में गौआधारित प्राकृतिक खेती के लिए गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाकर कृषकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है इसी क्रम में आज टीम ने जनपद झांसी के गांव पलिंदा, रक्सा, रौनीजा आदि गांवों में सुबह से शाम तक जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया प्रशिक्षण के अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि किसान अत्यधिक उर्वरकों व अंधाधुंध कीटनाशकों के प्रयोग व इसके जहरीले दुष्प्रभाव को समझने लगे हैं और प्राकृतिक खेती की तरफ रुख कर रहे हैं। बिना रसायन फसलें जैसे टमाटर,आलू,भिंडी, प्याज,खीरा, कद्दू व अन्य सब्जियों से दोगुना मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समय के साथ किसानों को भी बदलाव करना है। ताकि आमदनी बढ़े। इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि जीवामृत बनाने के लिए 200 लीटर का एक ड्रम लेकर उसमें 180 लीटर पानी, 10 किलो गाय का गोबर, 5 लीटर गोमूत्र, 1 किलो बेसन,1 किलो गुड़ आदि का घोल बनाकर ड्रम में डाल देते हैं। तथा जूट के बोरे से ढककर छायादार स्थान पर रख देते हैं। फिर इसे खेतों में डालते हैं जिससे मृदा की उर्वरता शक्ति बढ़ती है। और मिट्टी नमी संजोए रखती है । जिससे कम सिंचाई की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर गांवों के कई किसानों ने प्रतिभाग किया

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

सिद्धू को एक साल की सजा 12 | वेंकटेश्वरा समूह परिसर में यूपी सरकार की... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | लखनऊ | शुक्रवार | 20 मई, 2022

गौ आधारित प्राकृतिक खेती के लिए गांव गांव में जाकर चलाया जागरूकता अभियान

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में बुंदेलखंड के सभी जनपदों में गौआधारित प्राकृतिक खेती के लिए गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाकर कृषकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है इसी क्रम में गुरुवार को टीम ने जनपद झांसी के गांव पलिंदा, रक्सा, रौनीजा आदि गांवों में सुबह से शाम तक जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया।

विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि किसान अत्यधिक उर्वरकों व अंधाधुंध कीटनाशकों के प्रयोग व इसके जहरीले दुष्प्रभाव को समझने लगे हैं और प्राकृतिक खेती की तरफ रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिना रसायन वाली फसलें जैसे टमाटर, आलू, भिंडी, प्याज, खीरा, कद्दू व अन्य सब्जियों से दोगुना मुनाफा कमाया जा सकता है।

इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि जीवामृत बनाने के लिए 200 लीटर का एक ड्रम लेकर उसमें 180 लीटर पानी, 10 किलो गाय का गोबर, 5 लीटर गोमूत्र, 1 किलो बेसन, 1 किलो गुड़ आदि का घोल बनाकर ड्रम में डाल दे तथा जूट के बोरे से ढककर छायादार स्थान पर रख देते हैं। फिर इसे खेतों में डालते हैं जिससे मृदा की उर्वरता शक्ति बढ़ती है और मिट्टी नमी संजोए रखती है। जिससे कम सिंचाई की आवश्यकता होती है।

News Expert

14h

सीएसए प्राकृतिक खेती की टीम पहुंची झांसी,किये कई गांवों के दौरे, दिए प्राकृतिक खेती के गुर

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में बुंदेलखंड के सभी जनपदों में गौआधारित प्राकृतिक खेती के लिए गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाकर कृषकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है इसी क्रम में आज टीम ने जनपद झांसी के गांव पलिंदा, रक्सा, रौनीजा आदि गांवों में सुबह से शाम तक जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया।प्रशिक्षण के अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि किसान अत्यधिक उर्वरकों व अंधाधुंध कीटनाशकों के प्रयोग व इसके जहरीले दुष्प्रभाव को समझने लगे हैं और प्राकृतिक खेती की तरफ रुख कर रहे हैं। बिना रसायन फसलें जैसे टमाटर,आलू,भिंडी, प्याज,खीरा, कद्दू व अन्य सब्जियों से दोगुना मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समय के साथ किसानों को भी बदलाव करना है। ताकि आमदनी बढ़े। इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि जीवामृत बनाने के लिए 200 लीटर का एक ड्रम लेकर उसमें 180 लीटर पानी, 10 किलो गाय का गोबर, 5 लीटर गोमूत्र, 1 किलो बेसन,1 किलो गुड़ आदि का घोल बनाकर ड्रम में डाल देते हैं। तथा जूट के बोरे से ढककर छायादार स्थान पर रख देते हैं। फिर इसे खेतों में डालते हैं जिससे मृदा की उर्वरता शक्ति बढ़ती है। और मिट्टी नमी संजोए रखती है । जिससे कम सिंचाई की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर गांवों के कई किसानों ने प्रतिभाग किया

इतिहास में आज

दैनिक भास्कर

dainikbhaskarup.com | झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

किसान अपना रहे प्राकृतिक खेती के तरीके

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में बुंदेलखंड के सभी जनपदों में गौआधारित प्राकृतिक खेती के लिए गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाकर कृषकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को टीम ने जनपद झांसी के गांव पलिंदा, रक्सा, रौनीजा आदि गांवों में सुबह से शाम तक जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया प्रशिक्षण के अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि किसान अत्यधिक उर्वरकों व अंधाधुंध कीटनाशकों के प्रयोग व इसके जहरीले दुष्प्रभाव को समझने लगे हैं और प्राकृतिक खेती की तरफ रुख कर रहे हैं। बिना रसायन फसलें जैसे टमाटर,आलू,भिंडी, प्याज,खीरा, कद्दू व अन्य सब्जियों से दोगुना मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समय के साथ किसानों को भी बदलाव करना है। ताकि आमदनी बढ़े। इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि जीवामृत बनाने के लिए 200 लीटर का एक ड्रम लेकर उसमें 180 लीटर पानी, 10 किलो गाय का गोबर, 5 लीटर गोमूत्र, 1 किलो बेसन,1 किलो गुड़ आदि का घोल बनाकर ड्रम में डाल देते हैं। तथा जूट के बोरे से ढककर छायादार स्थान पर रख देते हैं। फिर इसे खेतों में डालते हैं जिससे मृदा की उर्वरता शक्ति बढ़ती है।

प्रगति प्रभात

कानपुर

कानपुर, शुक्रवार 20 मई 2022

03 आजादी की लड़ाई गवाह लालकिला

किसान उर्वरकों व कीटनाशकों से दूर प्राकृतिक खेती को अपना रहे है

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में बुंदेलखंड के सभी जनपदों में गौआधारित प्राकृतिक खेती के लिए गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाकर कृषकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को टीम ने जनपद झांसी के गांव पलिंदा, रक्सा, रौनीजा आदि गांवों में सुबह से शाम तक जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया प्रशिक्षण के अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि किसान अत्यधिक उर्वरकों व अंधाधुंध कीटनाशकों के प्रयोग व इसके जहरीले दुष्प्रभाव को समझने लगे हैं और प्राकृतिक खेती की तरफ रुख कर रहे हैं। बिना रसायन फसलें जैसे टमाटर,आलू,भिंडी, प्याज,खीरा, कद्दू व अन्य सब्जियों से दोगुना मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समय के साथ किसानों को भी बदलाव करना है। ताकि आमदनी बढ़े। इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि जीवामृत बनाने के लिए 200 लीटर का एक ड्रम लेकर उसमें 180 लीटर पानी, 10 किलो गाय का गोबर, 5 लीटर गोमूत्र, 1 किलो बेसन,1 किलो गुड़ आदि का घोल बनाकर ड्रम में डाल देते हैं। तथा जूट के बोरे से ढककर छायादार स्थान पर रख देते हैं। फिर इसे खेतों में डालते हैं जिससे मृदा की उर्वरता शक्ति बढ़ती है। और मिट्टी नमी संजोए रखती है । जिससे कम सिंचाई की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर गांवों के कई किसानों ने प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय स्वरूप
swaroop.in
फिटनेस को लेकर रवि शास्त्री की मंदबाज के साथ होती थी बहस, बोले- खिलाड़ी ने गंवा दिए 50 टेस्ट विकेट | 10

किसान उर्वरकों व कीटनाशकों से दूर प्राकृतिक खेती को अपना रहे हैं

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में बुंदेलखंड के सभी जनपदों में गौआधारित प्राकृतिक खेती के लिए गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाकर कृषकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को टीम ने जनपद झांसी के गांव पलिंदा, रक्सा, रौनीजा आदि गांवों में सुबह से शाम तक जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया।प्रशिक्षण के अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि किसान अत्यधिक उर्वरकों व अंधाधुंध कीटनाशकों के प्रयोग व इसके जहरीले दुष्प्रभाव को समझने लगे हैं और प्राकृतिक खेती की तरफ रुख कर रहे हैं। बिना रसायन फसलें जैसे टमाटर आलू भिंडी, प्याज,खीरा, कद्दू व अन्य सब्जियों से दोगुना मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समय के साथ

किसानों को भी बदलाव करना है। ताकि आमदनी बढ़े। इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि जीवामृत बनाने के लिए 200 लीटर का एक ड्रम लेकर उसमें 180 लीटर पानी, 10 किलो गाय का गोबर, 5 लीटर गोमूत्र, 1 किलो बेसन,1 किलो गुड़ आदि का घोल बनाकर ड्रम में डाल देते हैं। तथा जूट के बोरे से ढककर छायादार स्थान पर रख देते हैं। फिर इसे खेतों में डालते हैं जिससे मृदा की उर्वरता शक्ति बढ़ती है। और मिट्टी नमी संजोए रखती है। जिससे कम सिंचाई की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर गांवों के कई किसानों ने प्रतिभाग किया।

ग्रामीणों को दिए प्राकृतिक खेती के टिप्स

झाँसी : चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डीआर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय तथा कामधेनु सम्वर्धन एवं अनुसंधान झाँसी के संयुक्त तत्वावधान में बुन्देलखण्ड के सभी जनपदों में गौ आधारित प्राकृतिक खेती के लिए गाँवों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। गुरुवार को सीएसए की टीम ग्राम पलीन्दा, रक्सा, रौनीजा सहित अन्य गाँवों में पहुँची। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसान अब रसायन छोड़कर प्राकृतिक खेती की तरफ रुख कर रहे हैं, जिससे टमाटर,आलू,भिण्डी, प्याज, खीरा, कद्दू व अन्य सब्जियों से दोगुना मुनाफा कमाया जा सकता है। श्याम बिहारी गुप्ता ने जीवामृत बनाने का तरीका भी बताया।

दैनिक जागरण झांसी 20/05/2022

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक
वर्ष : 7, अंक : 39 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, शुक्रवार
20 मई, 2022
मूल्य ₹ 3.00
www.shashwattimes.com
आजम खान की रिहाई लटकी, जेल प्रशासन को नहीं मिला सुप्रीम कोर्ट का रिलीज आदेश....6

सीएसए प्राकृतिक खेती की टीम ने किये कई गांवों के दौरे, दिए प्राकृतिक खेती के गुर

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में बुंदेलखंड के सभी जनपदों में गौआधारित प्राकृतिक खेती के लिए गांव–गांव में जागरूकता अभियान चलाकर कृषकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है इसी क्रम में आज टीम ने जनपद झांसी के गांव पलिंदा, रक्सा, रौनीजा आदि गांवों में सुबह से शाम तक जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया प्रशिक्षण के अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि किसान अत्यधिक उर्वरकों व अंधाधुंध कीटनाशकों के प्रयोग व इसके जहरीले दुष्प्रभाव को समझने लगे हैं और प्राकृतिक खेती की तरफ रुख कर रहे हैं। बिना रसायन फसलें जैसे टमाटर,आलू,भिंडी, प्याज,खीरा, कद्दू व अन्य सब्जियों से दोगुना मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समय के साथ किसानों को भी बदलाव करना है। ताकि आमदनी बढ़े। इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि जीवामृत बनाने के लिए 200 लीटर का एक ड्रम लेकर उसमें 180 लीटर पानी, 10 किलो गाय का गोबर, 5 लीटर गोमूत्र, 1 किलो बेसन,1 किलो गुड़ आदि का घोल बनाकर ड्रम में डाल देते हैं। तथा जूट के बोरे से ढककर छायादार स्थान पर रख देते हैं। फिर इसे खेतों में डालते हैं जिससे मृदा की उर्वरता शक्ति बढ़ती है। और मिट्टी नमी संजोए रखती है । जिससे कम सिंचाई की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर गांवों के कई किसानों ने प्रतिभाग किया।

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर EXPRESS

शुक्रवार, 20-05-2022 अंक-134
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

WORLD खबर एक्सप्रेस
MID DAY E-PAPER

प्राकृतिक आधारित खेती से लाभ ही लाभः डॉ खान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान, झांसी के संयुक्त तत्वाधान में बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी जनपदों में गौ आधारित प्राकृतिक खेती के लिए जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को ललितपुर के विभिन्न गांवों तेरेई फाटक, बम्होरी व कणेशराकला में बैठकर किसानों को जागरूक किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि खेती में बेतहाशा रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अधिक उपयोग से अनेकों जीव जंतु और कीट-पतंगे समाप्त हो रहे हैं। इससे मृदा का स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ रहा है। साथ ही उत्पाद कृषि उत्पाद मानव स्वास्थ्य हेतु हानिकारक हो रहा है। उन्होंने बताया कि कई घातक बीमारियां मानव शरीर में हो रही है। जिस वजह से अनेक जंतु जो किसानों के मित्र कहे जाते हैं, वह भी नष्ट हो रहे हैं। डॉ. खान ने बताया कि अब समय आ गया है कि हम प्राकृतिक आधारित खेती करें। इस विधि से उत्पादित कृषि उत्पाद में स्वादिष्ट और पोषक तत्व से भरपूर होता है जिससे मानव स्वास्थ्य ठीक रहेगा। इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि छोटे-छोटे खेत और हर खेत की मेड पर पेड़ जैसे नारे लगाकर किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाएं। कार्ड संस्था के संदीप घोष ने किसानों को जीवामृत बनाने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इन कार्यक्रमों में आईएआरआई, नई दिल्ली के शोध छात्र फिलिप व बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के छात्र वीरेंद्र चक्रवर्ती ने भी किसानों को जागरूक किया। इस अवसर पर भारत यादव, मयंक करौलिया, प्रदीप चौबे सहित अन्य रहे।

नवाबगंज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन के तहत उप परिवहन आयुक्त परीक्षेत्र डा0 विजय कुमार ... आप अपने माता-पिता को सदैव यातायात नियमों को पालन करने का अनुरोध करेंगे। उपपरिवहन आयुक्त डॉ विजय कुमार ने ... सुनील दत्त व विनय पांडे उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाने का प्रयास किया है।

गौ आधारित प्राकृतिक खेती हेतु जागरूकता अभियान

कानपुर 20 मई (निसं)। सीएसए के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी जनपदों में गौ आधारित प्राकृतिक खेती हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद ललितपुर के विभिन्न गांव जैसे तेरेई फाटक, बम्होरी एवं कणेशराकला आदि गांव में बैठकर किसानों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि खेती में बेतहाशा रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अधिक अधिक उपयोग से अनेकों जीव जंतु और कीट पतंगे समाप्त हो रहे हैं। जिससे मृदा का स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ रहा है साथ ही उत्पाद कृषि उत्पाद मानव स्वास्थ्य हेतु हानिकारक हो रहा है। उन्होंने बताया कि कई घातक बीमारियां मानव शरीर में हो रही है उन्होंने कहा कि किस वजह से अनेक जंतु जो किसानों के मित्र कहे जाते हैं वह भी नष्ट हो रहे हैं डॉक्टर खान ने बताया कि अब समय आ गया है कि हम तो आधारित प्राकृतिक खेती करें उन्होंने कहा कि इस विधि से उत्पादित कृषि उत्पाद में स्वादिष्ट एवं पोषक तत्व से भरपूर होता है जिससे मानव स्वास्थ्य ठीक रहेगा। इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि छोटे-छोटे खेत और हर खेत की मेड़ पर पेड़ जैसे नारे लगाकर किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया। कार्ड संस्था के संदीप घोष ने किसानों को जीवामृत बनाने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इन कार्यक्रमों में आईएआरआई नई दिल्ली के शोध छात्र फिलिप व बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के छात्र वीरेंद्र चक्रवर्ती ने किसानों को जागरूक किया। इस अवसर पर भारत यादव, मयंक करौलिया, प्रदीप चौबे सहित कई किसान उपस्थित रहे।

...सव के उपलक्ष्य में आयुध ...ी में हुआ योगाभ्यास

स्वस्थ एवं निरोगी रहेगा तथा वह अपने परिवार के साथ साथ संस्थान को भी अधिक लाभ पहुंचाने में सक्षम होगा।

तथा व्यक्ति का शारीरिक विकास भी सामान्य व्यक्ति की अपेक्षा अधिक होगा योगाभ्यास में मुख्य रूप से श्रीमती अनुपमा त्रिपाठी (डायरेक्टर एचआर) श्री राजीव कुमार सागर (महाप्रबंधक आयुध निर्माणी कानपुर) श्री तुषार त्रिपाठी (महाप्रबंधक फील्ड गन फैक्ट्री कानपुर) श्री बिंदेश्वर सिंह (महाप्रबंधक एस ए एफ कानपुर) ... लिमिटेड) संदीप बनाई (अपर महाप्रबंधक) ज्ञानेश्वर कुमार (सहायक कार्य प्रबंधक प्रशासन) आयुध निर्माणी, अजय राय, विनय अवस्थी, आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी का संचालन
गाड़ी संख्या 01059/01060 लोकमान्य तिलक (ट.) - गोरखपुर विशेष रेलगाड़ी
लोकमान्य तिलक(ट.) से प्रत्येक रविवार, दिनांक 22.05.2022 से 29.05.2022 तक
गोरखपुर से : प्रत्येक सोमवार, दिनांक 23.05.2022 से 30.05.2022 तक
गाड़ी संरचना: सामान्य श्रेणी- 03, स्लीपर श्रेणी- 09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 06, एसएलआरडी- 01, एवं जनरेटरयान- 01
गाड़ी संख्या - 01060

---

20 कानपुर न्यूज www.dinartimes.in DT दीनार टाइम्स
कानपुर, शुक्रवार, 20 मई 2022

प्राकृतिक खेती मृदा को उपजाऊ बनाने एवं गुणवत्ता परक उत्पाद का अभियान

डी टी एन एन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देश पर विश्वविद्यालय तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी जनपदों में गौ आधारित प्राकृतिक खेती हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज जनपद ललितपुर के विभिन्न गांव जैसे तेरेई फाटक, बम्होरी एवं कणेशराकला आदि गांव में बैठकर किसानों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि खेती में बेतहाशा रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अधिक अधिक उपयोग से अनेकों जीव जंतु और कीट पतंगे समाप्त हो रहे हैं। जिससे मृदा का स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ रहा है साथ ही उत्पाद कृषि उत्पाद मानव स्वास्थ्य हेतु हानिकारक हो रहा है। उन्होंने बताया कि कई घातक बीमारियां मानव शरीर में हो रही है उन्होंने कहा कि किस वजह से अनेक जंतु जो किसानों के मित्र कहे जाते हैं वह भी नष्ट हो रहे हैं डॉक्टर खान ने बताया कि अब समय आ गया है कि हम तो आधारित प्राकृतिक खेती करें उन्होंने कहा कि इस विधि से उत्पादित कृषि उत्पाद में स्वादिष्ट एवं पोषक तत्व से भरपूर होता है जिससे मानव स्वास्थ्य ठीक रहेगा। इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि छोटे-छोटे खेत और हर खेत की मेड पर पेड़ जैसे नारे लगाकर किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया। कार्ड संस्था के संदीप घोष ने किसानों को जीवामृत बनाने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इन कार्यक्रमों में आईएआरआई नई दिल्ली के शोध छात्र फिलिप व बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के छात्र वीरेंद्र चक्रवर्ती ने किसानों को जागरूक किया। इस अवसर पर भारत यादव, मयंक करौलिया, प्रदीप चौबे सहित कई किसान उपस्थित रहे।

कानपुर छाया
कानपुर 21 मई, 2022 3
21/05/2022

प्राकृतिक खेती मृदा को उपजाऊ बनाने एवं गुणवत्ता परक उत्पाद का अभियानः डॉ खलील खान

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी आर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी जनपदों में गौ आधारित प्राकृतिक खेती हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज जनपद ललितपुर के विभिन्न गांव जैसे तेरेई फाटक, बम्होरी एवं कणेशराकला आदि गांव में बैठकर किसानों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि खेती में बेतहाशा रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अधिक अधिक उपयोग से अनेकों जीव जंतु और कीट पतंगे समाप्त हो रहे हैं। जिससे मृदा का स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ रहा है साथ ही उत्पाद कृषि उत्पाद मानव स्वास्थ्य हेतु हानिकारक हो रहा है। उन्होंने बताया कि कई घातक बीमारियां मानव शरीर में हो रही है उन्होंने कहा कि किस वजह से अनेक जंतु जो किसानों के मित्र कहे जाते हैं वह भी नष्ट हो रहे हैं। डॉक्टर खान ने बताया कि अब समय आ गया है कि हम तो आधारित प्राकृतिक खेती करें उन्होंने कहा कि इस विधि से उत्पादित कृषि उत्पाद में स्वादिष्ट एवं पोषक तत्व से भरपूर होता है,जिससे मानव स्वास्थ्य ठीक रहेगा। इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि छोटे-छोटे खेत और हर खेत की मेड पर पेड़ जैसे नारे लगाकर किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया। कार्ड संस्था के संदीप घोष ने किसानों को जीवामृत बनाने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इन कार्यक्रमों में आईएआरआई नई दिल्ली के शोध छात्र फिलिप व बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के छात्र वीरेंद्र चक्रवर्ती ने किसानों को जागरूक किया। इस अवसर पर भारत यादव, मयंक करौलिया, प्रदीप चौबे सहित कई किसान उपस्थित रहे।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:108 | देहरादून, शुक्रवार, 20 मई, 2022 | पृष्ठ:08

प्राकृतिक खेती मृदा को उपजाऊ बनाने एवं गुणवत्ता परक उत्पाद का अभियान: डॉ खलील खान

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी जनपदों में गौ आधारित प्राकृतिक खेती हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में जनपद ललितपुर के विभिन्न गांव जैसे तेरेई फाटक, बम्हौरी एवं कणेशराकला आदि गांव में बैठकर किसानों को जागरूक किया गया इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि खेती में बेतहाशा रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अधिक अधिक उपयोग से अनेकों जीव जंतु और कीट पतंगे समाप्त हो रहे हैं जिससे मृदा का स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ रहा है साथ ही उत्पाद कृषि उत्पाद मानव स्वास्थ्य हेतु हानिकारक हो रहा है उन्होंने बताया कि कई घातक बीमारियां मानव शरीर में हो रही है उन्होंने कहा कि किस वजह से अनेक जंतु जो किसानों के मित्र कहे जाते हैं वह भी नष्ट हो रहे हैं डॉक्टर खान ने बताया कि अब समय आ गया है कि हम तो आधारित प्राकृतिक खेती करें उन्होंने कहा कि इस विधि से उत्पादित कृषि उत्पाद में स्वादिष्ट एवं पोषक तत्व से भरपूर होता है जिससे मानव स्वास्थ्य ठीक रहेगा इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि छोटे–छोटे खेत और हर खेत की मेड पर पेड़ जैसे नारे लगाकर किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया कार्ड संस्था के संदीप घोष ने किसानों को जीवामृत बनाने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी इन कार्यक्रमों में आईएआरआई नई दिल्ली के शोध छात्र फिलिप व बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के छात्र वीरेंद्र चक्रवर्ती ने किसानों को जागरूक किया इस अवसर पर भारत यादव, मयंक करौलिया, प्रदीप चौबे सहित कई किसान उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

जन एक्सप्रेस

वर्ष: 13 | अंक: 216 | मूल्य: ₹ 3.00/- | पेज : 12

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | लखनऊ | शनिवार | 21 मई, 2022

'पोषक तत्वों से भरपूर रहता है प्राकृतिक खेती से उत्पादित उत्पाद'

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी जनपदों में गौ आधारित प्राकृतिक खेती के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में शुक्रवार को जनपद ललितपुर के विभिन्न गांव जैसे तेरेई फाटक, बम्हौरी एवं कणेशराकला आदि गांव में किसानों को जागरूक करते हुए विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अधिक उपयोग से अनेकों जीव जंतु और कीट पतंगे समाप्त हो रहे हैं। जिससे मृदा का स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ रहा है और कृषि उत्पाद मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो रहा है। उन्होंने कहा कि अनेक जंतु जो किसानों के मित्र कहे जाते हैं वह भी नष्ट हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसान प्राकृतिक खेती करें क्योंकि इस विधि से उत्पादित कृषि उत्पाद स्वादिष्ट एवं पोषक तत्व से भरपूर होता है जिससे मानव स्वास्थ्य ठीक रहेगा। इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि छोटे-छोटे खेत और हर खेत की मेड पर पेड़ जैसे नारे लगाकर किसानों को प्राकृतिक खेती करनी चाहिए। कार्ड संस्था के संदीप घोष ने किसानों को जीवामृत बनाने की विधि के विषय में जानकारी दी। इस अवसर पर भारत यादव, मयंक करौलिया, प्रदीप चौबे सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

आज 21/05/2022

छोटे-छोटे खेत, हर खेत में पेड़ से किसानों को जागरूक किया

प्राकृतिक खेती मृदा को उपजाऊ बनाने एवं गुणवत्ता परक उत्पाद का अभियान चलाया

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 20 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी जनपदों में गौ आधारित प्राकृतिक खेती हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज जनपद ललितपुर के विभिन्न गांव जैसे तेरेई फाटक, बम्हौरी एवं कणेशराकला आदि गांव में बैठकर किसानों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि खेती में बेतहाशा रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अधिक अधिक उपयोग से अनेकों जीव जंतु और कीट पतंगे समाप्त हो रहे हैं। जिससे मृदा का स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ रहा है साथ ही उत्पाद कृषि उत्पाद मानव स्वास्थ्य हेतु हानिकारक हो रहा है। उन्होंने बताया कि कई घातक बीमारियां मानव शरीर में हो रही है उन्होंने कहा कि किस वजह से अनेक जंतु जो किसानों के मित्र कहे जाते हैं वह भी नष्ट हो रहे हैं डॉक्टर खान ने बताया कि अब समय आ गया है कि हम तो आधारित प्राकृतिक खेती करें उन्होंने कहा कि इस विधि से उत्पादित कृषि उत्पाद में स्वादिष्ट एवं पोषक तत्व से भरपूर होता है जिससे मानव स्वास्थ्य ठीक रहेगा। इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि छोटे-छोटे खेत और हर खेत की मेड पर पेड़ जैसे नारे लगाकर किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया। कार्ड संस्था के संदीप घोष ने किसानों को जीवामृत बनाने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इन कार्यक्रमों में आईएआरआई नई दिल्ली के शोध छात्र फिलिप व बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के छात्र वीरेंद्र चक्रवर्ती ने किसानों को जागरूक किया। इस अवसर पर भारत यादव, मयंक करौलिया, प्रदीप चौबे सहित कई किसान उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में शामिल किसान।

16 कानपुर न्यूज www.dinartimes.in DT दीनार टाइम्स
कानपुर, शनिवार 21 मई 2022

प्राकृतिक खेती की टीम ने किसानों को दिए प्राकृतिक खेती के गुर

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में बुंदेलखंड के सभी जनपदों में गौआधारित प्राकृतिक खेती के लिए गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाकर कृषकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है इसी क्रम में आज टीम ने जनपद झांसी के गांव परिंदा, रक्सा, रौनीजा आदि गांवों में सुबह से शाम तक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया प्रशिक्षण के अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि किसान अत्यधिक उर्वरकों व अंधाधुंध कीटनाशकों के प्रयोग व इसके जहरीले दुष्प्रभाव को समझने लगे हैं और प्राकृतिक खेती की तरफ रुख कर रहे हैं। बिना रसायन फसलें जैसे टमाटर, आलू, भिंडी, प्याज, खीरा, कद्दू, व अन्य सब्जियों से दोगुना मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समय के साथ किसानों को भी बदलाव करना है। ताकि आमदनी ब[illegible]। इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि जीवामृत बनाने के लिए 200 लीटर का एक ड्रम लेकर उसमें 180 लीटर पानी, 10 किलो गाय का गोबर, 5 लीटर गोमूत्र, 1 किलो बेसन, 1 किलो गुड़ आदि का घोल बनाकर ड्रम में डाल देते हैं। तथा जूट के बोरे से ढककर छायादार स्थान पर रख देते हैं। फिर इसे खेतों में डालते है जिससे मृदा की उर्वरता शक्ति बढ़ती है। और मिट्टी नमी संजोए रखती है। जिससे कम सिंचाई की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर गांवों के कई किसानों ने प्रतिभाग किया

राष्ट्रीय स्वरूप
swaroop.in

आखिरी मैच में अर्जुन तेंदुलकर को मिलेगा डेब्यू का मौका 10

खेती मृदा को उपजाऊ बनाने व गुणवत्तापरक उत्पाद का अभियान: डॉ. खान

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय तथा कामधेनु संवर्धन एवं अनुसंधान झांसी के संयुक्त तत्वाधान में प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी जनपदों में गौ आधारित प्राकृतिक खेती हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद ललितपुर के विभिन्न गांव जैसे तेरई फाटक, बम्होरी एवं कणेशराकला आदि गांव में बैठकर किसानों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि खेती में बेतहाशा रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अधिक अधिक उपयोग से अनेकों जीव जंतु और कीट पतंगे समाप्त हो रहे हैं। जिससे मृदा का स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ रहा है साथ ही उत्पाद कृषि उत्पाद मानव स्वास्थ्य हेतु हानिकारक हो रहा है। उन्होंने बताया कि कई घातक बीमारियां मानव शरीर में हो रही है उन्होंने कहा कि किस वजह से अनेक जंतु जो किसानों के मित्र कहे जाते हैं वह भी नष्ट हो रहे हैं डॉक्टर खान ने बताया कि अब समय आ गया है कि हम तो आधारित प्राकृतिक खेती करें उन्होंने कहा कि

इस विधि से उत्पादित कृषि उत्पाद में स्वादिष्ट एवं पोषक तत्व से भरपूर होता है जिससे मानव स्वास्थ्य ठीक रहेगा। इस अवसर पर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि छोटे-छोटे खेत और हर खेत की मेड़ पर पेड़ जैसे नारे लगाकर किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया। कार्ड संस्था के संदीप घोष ने किसानों को जीवामृत बनाने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इन कार्यक्रमों में आईएआरआई नई दिल्ली के शोध छात्र फिलिप व बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के छात्र वीरेंद्र चक्रवर्ती ने किसानों को जागरूक किया। इस अवसर पर भारत यादव, मयंक करौलिया, प्रदीप चौबे सहित कई किसान उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा
22/05/2022

किसानों ने देखा गौ-आधारित प्राकृतिक खेती का मॉडल

सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने को लेकर चलाये जा रहे सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अभियान के अंतर्गत शनिवार को किसानों को कानपुर नगर जिले के विधनू क्षेत्र के गांव ढोंढर स्थित विकल्प आहार संस्था के गौ-आधारित प्राकृतिक खेती के मॉडल प्रक्षेत्र का भ्रमण कराया गया। किसानों ने प्रक्षेत्र में सघन कृषि फसलों को देखा, जिसमें मूंग, गन्ना, हल्दी एवं अरहर की अंतः फसल को देखकर किसान प्रभावित हुए। फसलों में रोग व कीड़ों का प्रभाव भी नहीं दिखा। यहां फसलें सीधे जीवामृत एवं बीजामृत डालकर उगाई जा रही हैं। सिंचाई भी बौछारी सिंचाई प्रणाली से की जा रही है, जिसे पानी की बचत हो रही है।

> बिधनू के ढोढर गांव में की जा रही है विकल्प आहार संस्था द्वारा प्राकृतिक खेती

विवि के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने बताया कि रासायनिक खेती की अपेक्षा गौ-आधारित प्राकृतिक खेती से मृदा अधिक उपजाऊ होती है। इससे मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों में सुधार होता है और फसल की गुणवत्ता अच्छी होती है। कानपुर मंडल के संयुक्त कृषि निदेशक डीके सिंह के साथ ही विकल्प आहार के विवेक चतुर्वेदी एवं अनंत चतुर्वेदी इस अवसर पर उपस्थित रहे। भ्रमण करने वाले किसानों में क्षेत्रीय किसानों के अलावा पश्चिम बंगाल से आये कृषक जगधर सिंह व संजय भालोतिया व भरतपुर राजस्थान के मांगे सिंह भी शामिल थे। स्थानीय गांव ढोंढर एवं पलरा के अनिल सिंह चंदेल, जयराम, यूनुस, महेश पाल सहित अन्य किसानों को गौ-आधारित प्राकृतिक खेती वाले कृषि प्रक्षेत्र का भ्रमण कराया गया।

किसानों ने विष्णु के ढोंढर गांव में देखा प्राकृतिक खेती का मॉडल प्रक्षेत्र।

अमर उजाला 22/05/2022

किसानों ने जाने प्राकृतिक खेती के फायदे

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से बिधनू के ढोंढर गांव में किसानों को गौआधारित प्राकृतिक खेती की जानकारी दी गई। किसानों ने जीवामृत और बीजामृत डालकर उगाई जा रही मूंग व अन्य फसलों को देखा। सीएसए के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि इन फसलों में रोग और कीड़ों का कोई प्रभाव नहीं है। इस दौरान संयुक्त कृषि निदेशक डीके सिंह, विवेक चतुर्वेदी, अनंत चतुर्वेदी, जगधर सिंह, संजय भालोतिया, अनिल सिंह चंदेल आदि मौजूद रहे। (संवाद)

गौ आधारित प्राकृतिक खेती के मॉडल का किसानों को कराया गया भ्रमण

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर
22/05/2022

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह के निर्देशन में गौआधारित प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन के लिए बुंदेलखंड एवं कानपुर के कृषकों में चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के क्रम में शनिवार को कानपुर नगर के विधनू विकास खंड के गांव ढोंढर में स्थित विकल्प गौआधारित प्राकृतिक खेती के मॉडल का किसानों को भ्रमण कराया गया। जिसमें किसानों ने देखा कि मूंग, गन्ना, हल्दी एवं अरहर की अंतः फसलों को जीवामृत एवं बीजाअमृत डालकर उगाए जाने के कारण उनमें रोग एवं कीड़ों का प्रभाव नहीं है।

विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने बताया कि रासायनिक खेती की अपेक्षा गौआधारित प्राकृतिक खेती के प्रक्षेत्र की मृदा अधिक उपजाऊ होती है। क्योंकि इससे मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों में सुधार होता है और फसल की गुणवत्ता अच्छी होती है। इस अवसर पर कानपुर मंडल के संयुक्त कृषि निदेशक डी. के. सिंह के साथ ही विकल्प आहार के विवेक चतुर्वेदी एवं अनंत चतुर्वेदी मौजूद रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

हिंदी दैनिक यूपी मैसेंजर जनता की आवाज

गौआधारित प्राकृतिक खेती के मॉडल को देख किसानों ने की सराहना

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में गौआधारित प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन हेतु बुंदेलखंड एवं कानपुर के कृषकों में सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कानपुर नगर के विधनू विकास खंड के गांव ढोंढर में स्थित विकल्प गौआधारित प्राकृतिक खेती के मॉडल को किसानों हेतु भ्रमण कराया गया।भ्रमण के दौरान प्रक्षेत्र पर स्थित सघन कृषि प्रणाली को देखा जिसमें मूंग, गन्ना,हल्दी एवं अरहर की अंतः फसल को देख किसानों ने सराहना की। साथ ही मूंग व अन्य फसलों में रोग एवं कीड़ों का भी कोई प्रभाव नहीं है। क्योंकि यह फसलें सीधे जीवामृत एवं वीजाअमृत डालकर उगाई जा रही हैं। साथ ही बौछारी सिंचाई के द्वारा फसलों में सिंचाई की जा रही है। विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि रासायनिक खेती की अपेक्षा गौआधारित प्राकृतिक खेती के प्रक्षेत्र की मृदा अधिक उपजाऊ होती है। क्योंकि इससे मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों में सुधार होता है। और फसल की गुणवत्ता अच्छी होती है। इस अवसर पर कानपुर मंडल के संयुक्त कृषि निदेशक डीके सिंह के साथ ही विकल्प आहार के विवेक चतुर्वेदी एवं अनंत चतुर्वेदी उपस्थित रहे। किसानों के भ्रमण के दौरान रानीगंज पश्चिम बंगाल से आए कृषक जगधर सिंह,संजय भालोतिया के अतिरिक्त भरतपुर राजस्थान से मांगे सिंह भी उपस्थित रहे।

आज 22/05/2022

किसानों का भ्रमण, मूंग, गन्ना, हल्दी व अरहर की फसल देखी

गौआधारित प्राकृतिक खेती के मॉडल को देख किसानों ने की सराहना

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 21 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह के निर्देशन में गौआधारित प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन हेतु बुंदेलखंड एवं कानपुर के कृषकों में सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज कानपुर नगर के विधनू विकास खंड के गांव ढोंढर में स्थित विकल्प गौआधारित प्राकृतिक खेती के मॉडल को किसानों हेतु भ्रमण कराया गया।भ्रमण के दौरान प्रक्षेत्र पर स्थित सघन कृषि प्रणाली को किसानों ने देखा। जिसमें मूंग, गन्ना,हल्दी एवं अरहर की अंतः फसल को देख किसानों ने सराहना की। साथ ही मूंग व अन्य फसलों में रोग एवं कीड़ों का भी कोई प्रभाव नहीं है। क्योंकि यह फसलें सीधे जीवामृत एवं बीजाअमृत डालकर उगाई जा रही हैं। साथ ही बौछारी सिंचाई के द्वारा फसलों में सिंचाई की जा रही है। विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि रासायनिक खेती की अपेक्षा गौआधारित प्राकृतिक खेती के प्रक्षेत्र की मृदा अधिक उपजाऊ होती है। क्योंकि इससे मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों में सुधार होता है और फसल की गुणवत्ता अच्छी होती है। इस अवसर पर कानपुर मंडल के संयुक्त कृषि निदेशक डीके सिंह के साथ ही विकल्प आहार के विवेक चतुर्वेदी एवं अनंत चतुर्वेदी उपस्थित रहे। किसानों के भ्रमण के दौरान रानीगंज पश्चिम बंगाल से आए कृषक जगधर सिंह,संजय भालोतिया के अतिरिक्त भरतपुर राजस्थान से मांगे सिंह भी उपस्थित रहे, जबकि स्थानीय गांव ढोंढर एवं पलरा गांव के अनिल सिंह चंदेल, जयराम, यूनुस एवं महेश पाल सहित कई किसानों ने गौआधारित प्राकृतिक खेती के मॉडल को देखा।

खेतों में भ्रमण करते किसान व वैज्ञानिक।

हिंदुस्तान 22/05/2022

किसानों ने सराहा गौ आधारित खेती का मॉडल

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से अभियान चलाया गया। इसमें पश्चिम बंगाल और राजस्थान के किसानों को बिधनू विकास खंड के गांव ढोंढर में स्थित विकल्प गौआधारित प्राकृतिक खेती के मॉडल को दिखाया गया। मूंग, गन्ना, हल्दी एवं अरहर की अंतः फसल को देख किसानों ने सराहना की। इन फसलों में रोग एवं कीड़ों का भी प्रभाव नहीं है। क्योंकि यह सीधे जीवामृत एवं बीजाअमृत डालकर उगाई जा रही है।

DT दीनार टाइम्स — कानपुर न्यूज

www.dinartimes.in | 5 | कानपुर, रविवार, 22 मई 2022

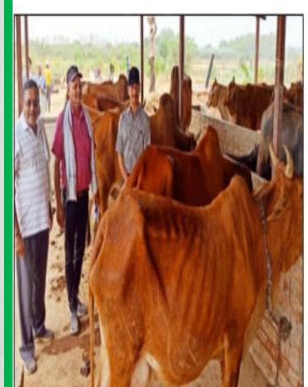

गौआधारित प्राकृतिक खेती के मॉडल को देख किसानों ने की सराहना

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देश पर गौआधारित प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन हेतु बुंदेलखंड एवं कानपुर के कृषकों में सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज कानपुर नगर के विधनू विकास खंड के गांव ढोंढर में स्थित विकल्प गौआधारित प्राकृतिक खेती के मॉडल को किसानों हेतु भ्रमण कराया गया भ्रमण के दौरान प्रक्षेत्र पर स्थित सघन कृषि प्रणाली को देखा जिसमें मूंग, गन्ना,हल्दी एवं अरहर की अंतः फसल को देख किसानों ने सराहना की। साथ ही मूंग व अन्य फसलों में रोग एवं कीड़ों का भी कोई प्रभाव नहीं है। क्योंकि यह फसलें सीधे जीवामृत एवं बीजाअमृत डालकर उगाई जा रही हैं। साथ ही बौछारी सिंचाई के द्वारा फसलों में सिंचाई की जा रही है। विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि रासायनिक खेती की अपेक्षा गौआधारित प्राकृतिक खेती के प्रक्षेत्र की मृदा अधिक उपजाऊ होती है। क्योंकि इससे मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों में सुधार होता है। और फसल की गुणवत्ता अच्छी होती है। इस अवसर पर कानपुर मंडल के संयुक्त कृषि निदेशक डीके सिंह के साथ ही विकल्प आहार के विवेक चतुर्वेदी एवं अनंत चतुर्वेदी उपस्थित रहे। किसानों के भ्रमण के दौरान रानीगंज पश्चिम बंगाल से आए कृषक जगधर सिंह,संजय भालोतिया के अतिरिक्त भरतपुर राजस्थान से मांगे सिंह भी उपस्थित रहे।जबकि स्थानीय गांव ढोंढर एवं पलरा गांव के अनिल सिंह चंदेल, जयराम, यूनुस एवं महेश पाल सहित कई किसानों ने गौआधारित प्राकृतिक खेती के मॉडल को देखा।

Sign in to edit and save changes to this file.

जनमत टुडे

वर्षः13 | अंकः109 | देहरादून, शनिवार, 21 मई, 2022 | पृष्ठः08

गौआधारित प्राकृतिक खेती के मॉडल को देख किसानों ने की सराहना

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशन में गौआधारित प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन हेतु बुंदेलखंड एवं कानपुर के कृषकों में सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज कानपुर नगर के विधनू विकास खंड के गांव डौढर में स्थित विकल्प गौआधारित प्राकृतिक खेती के मॉडल को किसानों हेतु भ्रमण कराया गया भ्रमण के दौरान प्रक्षेत्र पर स्थित सघन कृषि प्रणाली को देखा जिसमें मूंग, गन्ना, हल्दी एवं अरहर की अंतः फसल को देख किसानों ने सराहना की साथ ही मूंग व अन्य फसलों में रोग एवं कीड़ों का भी कोई प्रभाव नहीं है क्योंकि यह फसलें सीधे जीवामृत एवं बीजा अमृत डालकर उगाई जा रही है साथ ही बौछारी सिंचाई के द्वारा फसलों में सिंचाई की जा रही है विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि रासायनिक खेती की अपेक्षा गौआधारित प्राकृतिक खेती के प्रक्षेत्र की मृदा अधिक उपजाऊ होती है। क्योंकि इससे मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों में सुधार होता है। और फसल की गुणवत्ता अच्छी होती है। इस अवसर पर कानपुर मंडल के संयुक्त कृषि निदेशक डीके सिंह के साथ ही विकल्प आहार के विवेक चतुर्वेदी एवं अनंत चतुर्वेदी उपस्थित रहे। किसानों के भ्रमण के दौरान रानीगंज पश्चिम बंगाल से आए कृषक जगधर सिंह,संजय भालोटिया के अतिरिक्त भरतपुर राजस्थान से मांगे सिंह भी उपस्थित रहे जबकि स्थानीय गांव डौढर एवं पलरा गांव के अनिल सिंह चंदेल, जयराम, यूनुस एवं महेश पाल सहित कई किसानों ने गौआधारित प्राकृतिक खेती के मॉडल को देखा।

FOLLOW US www.janmattoday.in facebook.com/janmattoday.in जनमत टुडे

वर्ष 16 अंक 160 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, सोमवार 13 जून 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, एटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगरछाया आप की आवाज़.....

सीएसए में आज प्राकृतिक खेती पर होगा कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में आज प्राकृतिक खेती-जीवन का आधार विषय पर एक दिवसीय कृषक-वैज्ञानिक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राधा मोहन सिंह सांसद एवं पूर्व मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार होंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर

डीआर सिंह जी करेंगे। इस कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत जीवामृत, घनजीवामृत, बीजाअमृत, नीमस्त्र आदि प्राकृतिक घटकों के बारे में विस्तार से चर्चा की जाएगी। तथा प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग के बारे में भी विचार विमर्श किया जाएगा। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार/समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के 10 जनपदों के 200 से अधिक किसान प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम में सदस्य कृषक समृद्धि आयोग उत्तर प्रदेश श्री श्याम बिहारी गुप्ता द्वारा कि गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर अपने अनुभवों को साझा करेंगे।

Sign in to edit and save changes to this file.

आज महानगर

सीएसए में आज प्राकृतिक खेती पर होगा कृषक–संवाद

कानपुर, 12 जून। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में 13 जून 2022 को प्राकृतिक खेती-जीवन का आधार विषय पर एक दिवसीय कृषक-वैज्ञानिक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह होंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डीआर सिंह करेंगे। इस कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत जीवामृत, घनजीवामृत, बीजाअमृत, नीमस्त्र आदि प्राकृतिक घटकों के बारे में विस्तार से चर्चा की जाएगी तथा प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग के बारे में भी विचार विमर्श किया जाएगा। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के 10 जनपदों के 200 से अधिक किसान प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम में मा.सदस्य कृषक समृद्धि आयोग उत्तर प्रदेशश्याम बिहारी गुप्ता द्वारा कि गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर अपने अनुभवों को साझा करेंगे।

Sign in to edit and save changes to this file.

वर्ष : 7, अंक : 59 पृष्ठ : 12
कल्याणपुर महानगर, सोमवार
13 जून, 2022
मूल्य ₹ 3.00

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

www.shashwattimes.com

पत्थरबाजों में ही नहीं आतंकियों में भी सपा को नजर आते हैं शांतिदूतः ब्रजेश पाठक

सीएसए में आज प्राकृतिक खेती पर होगा कृषक -वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में आज प्रातः 10:00 बजे से प्राकृतिक खेती–जीवन का आधार विषय पर एक दिवसीय कृषक–वैज्ञानिक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राधा मोहन सिंह जी मा. सांसद एवं पूर्व मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार होंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के मा. कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह जी करेंगे। इस कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत जीवामृत, घनजीवामृत, वीजाअमृत, नीमस्त्र आदि प्राकृतिक घटकों के बारे में विस्तार से चर्चा की जाएगी। तथा प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग के बारे में भी विचार विमर्श किया जाएगा। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के 10 जनपदों के 200 से अधिक किसान प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम में मा.सदस्य कृषक समृद्धि आयोग उत्तर प्रदेश श्री श्याम बिहारी गुप्ता जी द्वारा कि गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर अपने अनुभवों को साझा करेंगे।

22 9:49 PM Page 1

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 13 अंक : 339 कानपुर, सोमवार 13 जून, 2022 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपये

राष्ट्रीय स्वरूप

प्राकृतिक खेती पर आज होगा कृषक –वैज्ञानिक संवाद

कानपुर । सीएसए के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में कल प्राकृतिक खेती–जीवन का आधार विषय पर एक दिवसीय कृषक–वैज्ञानिक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राधा मोहन सिंह सांसद एवं पूर्व मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार होंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह करेंगे। इस कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत जीवामृत, घनजीवामृत, वीजाअमृत, नीमस्त्र आदि प्राकृतिक घटकों के बारे में विस्तार से चर्चा की जाएगी। तथा प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग के बारे में भी विचार विमर्श किया जाएगा। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के 10 जनपदों के 200 से अधिक किसान प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम में सदस्य कृषक समृद्धि आयोग उत्तर प्रदेश श्याम बिहारी गुप्ता द्वारा कि गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर अपने अनुभवों को साझा करेंगे।

Sign in to edit and save changes to this file.

हिंदी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

प्राकृतिक खेती पर आज होगा कृषकः वैज्ञानिक संवाद

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर। सीएसए के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में कल प्राकृतिक खेती–जीवन का आधार विषय पर एक दिवसीय कृषक–वैज्ञानिक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राधा मोहन सिंह सांसद एवं पूर्व मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार होंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह करेंगे। इस कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत जीवामृत, घनजीवामृत, वीजाअमृत, नीमस्त्र आदि प्राकृतिक घटकों के बारे में विस्तार से चर्चा की जाएगी। तथा प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग के बारे में भी विचार विमर्श किया जाएगा। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के 10 जनपदों के 200 से अधिक किसान प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम में सदस्य कृषक समृद्धि आयोग उत्तर प्रदेश श्याम बिहारी गुप्ता द्वारा कि गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर अपने अनुभवों को साझा करेंगे।

राष्ट्रीय सहारा
कानपुर • मंगलवार • 14 जून • 2022

फसल के लिये महत्वपूर्ण है देशी गाय का गोबर : राधामोहन

कानपुर (एसएनबी)। पूर्व केन्द्रीय मंत्री व सांसद राधामोहन सिंह ने कहा कि देशी गाय का गोबर फसल के लिये अत्यंत लाभप्रद होता है। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र दलीपनगर द्वारा आयोजित कृषक-वैज्ञानिक संवाद में किसानों को गायपालन व खेती में गोबर व गोमूत्र का प्रयोग करने को कहा।

एक दिवसीय संवाद व प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राधामोहन सिंह ने कहा कि कृषि सीधे तौर पर मिट्टी से जुड़ी है और कृषकों की उन्नति मिट्टी पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में किसानों को लाभ देने के लिये राष्ट्रव्यापी मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती देशी गाय के गोबर व गोमूत्र से की जाती है, जिससे

किसानों को संबोधित करते पूर्व केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह। फोटो : एसएनबी

कृषि लागत शून्य होती है और उपज भी गुणवत्तायुक्त प्राप्त होती है। मानव के स्वास्थ्य के साथ ही मृदा के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। उन्होंने किसानों से कहा कि वह कम से कम अपने पूरे परिवार की जरूरतों के लिये ही प्राकृतिक खेती शुरू करें ताकि परिवार के सदस्य स्वस्थ रह सकें। सांसद ने कहा कि शहरी लोग गांव जाकर किसानों को फैमिली फार्मर बना रहे हैं और उनका प्राकृतिक उत्पाद स्वयं खरीद लेते हैं। प्राकृतिक खेती अपना कर हम अपने स्वास्थ्य के साथ साथ मिट्टी के स्वास्थ्य को भी ठीक रख सकते हैं। इस मौके पर उन्होंने किसानों को धान के 24 प्रदर्शन मिनी किट भी प्रदान किये। यहां कुलपति डॉ.डीआर सिंह, डॉ.एके सिंह, डॉ.सुभाष चंद्रा, डॉ.पीके राठी, डॉ.अशोक कुमार, डॉ.अरुण कुमार सिंह और डॉ.विनोद प्रकाश आदि थे।

दैनिक जागरण कानपुर 14/06/2022 www.jagran.com

सीएसए में आयोजित कृषक संवाद एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को बीज देते (दाएं से दूसरे) भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह। साथ में एमएलसी अविनाश सिंह, कुलपति डा.डीआर सिंह, श्याम बिहारी गुप्ता व डा. एके सिंह (दाएं से बाएं) • जागरण

कुवैत ने भारत से की देसी गाय के 192 मीट्रिक टन गोबर की मांग

जासं, कानपुर : कृषकों की उन्नति मिट्टी पर निर्भर करती है। आज शहरों में प्राकृतिक कृषि उत्पादों की मांग बढ़ रही है। शहरी लोग गांव जाकर किसानों को पारिवारिक किसान बनाकर उनका प्राकृतिक उत्पाद स्वयं खरीद लेते हैं। हाल ही में कुवैत ने भारत से 192 मीट्रिक टन देसी गाय के गोबर की मांग की है। कुवैत के कृषि विज्ञानियों ने शोध के दौरान खजूर की फसल में देसी गाय के गोबर के आशातीत परिणाम पाए हैं। यह बात सोमवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से सीएसए कैंपस में कृषक-वैज्ञानिक संवाद संगोष्ठी और प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण मंत्री, सांसद और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राधा मोहन सिंह ने कही।

वहीं, सीएसए कुलपति डा. डीआर सिंह ने बताया कि प्राकृतिक खेती अपनाकर हम अपने स्वास्थ्य, मृदा स्वास्थ्य और पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं। समन्वयक प्रसार निदेशालय डा. एके सिंह, धनंजय सिंह, डा. खलील खान, डा. सुभाष चंद्रा, डा. पीके राठी मौजूद रहे।

प्राकृतिक खेती में पहले साल से बढ़ता है उत्पादन

विशिष्ट अतिथि कृषक समृद्धि आयोग उत्तर प्रदेश के सदस्य श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि प्राकृतिक खेती में मिट्टी की सेहत ठीक होने के साथ पहले साल से ही उत्पादन भी बढ़ता है। इसकी फसलों की कीमत भी बाजार में ज्यादा मिलती है। केवीके दलीप नगर द्वारा प्रकाशित हंड्रेड गेम चेंजर नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।

गर्मी ने किसानों को किया परेशान

मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद राधा मोहन सिंह को सुबह सीएसए के प्रसार निदेशालय में आयोजित संगोष्ठी में किसानों के बीच सुबह 10 .30 बजे पहुंचना था लेकिन वो दोपहर तीन बजे के बाद वहां पहुंचे। पांच घंटे तक पूर्व केंद्रीय मंत्री का इंतजार व तेज गर्मी में किसान परेशान रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश
जन एक्सप्रेस
@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

कृषक-वैज्ञानिक संवाद एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय में सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर द्वारा आयोजित एक दिवसीय कृषक-वैज्ञानिक संवाद एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री एवं सांसद राधा मोहन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। जिन्हे कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह द्वारा पुष्पगुच्छ,अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि सीधे तौर पर मिट्टी से जुड़ी है तथा कृषकों की उन्नति मिट्टी पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में किसानों

के लाभ के लिए राष्ट्रव्यापी मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती देसी गाय के गोबर और गोमूत्र से की जाती है। जिसमें कृषि लागत शून्य होती है और कृषि उत्पाद गुणवत्ता युक्त प्राप्त होता है। उन्होंने किसानों से कम से कम अपने परिवार के लिए प्राकृतिक खेती का शुभारंभ करने की अपील की। इस अवसर पर कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि प्राकृतिक खेती अपनाकर हम अपने स्वास्थ्य, मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं।क्योंकि प्राकृतिक खेती में देसी गाय के गोबर, गोमूत्र द्वारा जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत आदि का निर्माण कर प्रयोग करते हैं जिसे मृदा की उर्वरा शक्ति के साथ ही सूक्ष्मजीवों की संख्या में बढ़ोत्तरी होती है।

विशिष्ट अतिथि कृषक समृद्धि आयोग उत्तर प्रदेश के सदस्य श्याम बिहारी गुप्ता ने भी अपने संबोधन में प्राकृतिक खेती पर जोर दिया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं कुलपति द्वारा किसानों को धान के 24 प्रदर्शन मिनी किट के रूप में वितरित किए गए तथा कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा प्रकाशित हंड्रेड गेम चेंजर नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ. पी. के. राठी, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. विनोद प्रकाश एवं डॉ. शशीकांत सहित कई जनपदों के लगभग 200 किसान एवं महिला किसानों ने प्रतिभाग किया।

Sign in to edit and save changes to this file.

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666 राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
सत्ता एक्सप्रेस
डी.ए.वी.पी. नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त
कानपुर देहात,मंगलवार, 14, जून,2022

देसी गाय का गोबर फसल के लिए महत्वपूर्ण- राधा मोहन सिंह

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर द्वारा आयोजित एक दिवसीय कृषक-वैज्ञानिक संवाद एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री एवं सांसद राधा मोहन सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि सीधे तौर पर मिट्टी से जुड़ी है तथा कृषकों की उन्नति मिट्टी पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में किसानों के लाभ हेतु राष्ट्रव्यापी मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का शुभारंभ किया। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री एवं सांसद ने कहा कि प्राकृतिक खेती देसी गाय के गोबर और गोमूत्र से की जाती है। जिसमें कृषि लागत शून्य होती है। और कृषि उत्पाद गुणवत्ता युक्त प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि मानव के स्वास्थ्य के साथ ही मृदा के स्वास्थ्य को भी स्वस्थ रखना है। उन्होंने उपस्थित किसानों से अपील की है कि वे कम से कम अपने पूरे परिवार के लिए प्राकृतिक खेती का शुभारंभ करें। उन्होंने बताया कि कुवैत ने अभी 192 मीट्रिक टन देसी गाय के गोबर की मांग की है क्योंकि कुवैत के कृषि वैज्ञानिकों ने पाया है कि खजूर की फसल में देसी गाय के गोबर के आशातीत परिणामआ रहे। इस अवसर पर कुलपति डॉ डीआर सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि प्राकृतिक खेती अपनाकर हम अपने स्वास्थ्य,मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं।क्योंकि प्राकृतिक खेती में देसी गाय के गोबर,गोमूत्र द्वारा जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत आदि का निर्माण कर प्रयोग करते है जिसे मृदा की उर्वरा शक्ति के साथ ही सूक्ष्मजीवों की संख्या में बढ़ोतरी होती है। विशिष्ट अतिथि अतिथि कृषक समृद्धि आयोग उत्तर प्रदेश के सदस्य श्याम बिहारी गुप्ता ने भी अपने संबोधन में प्राकृतिक खेती पर जोर दिया इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं कुलपति द्वारा किसानों को धान के 24 प्रदर्शन मिनी किट के रूप मे वितरित किए गए इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा प्रकाशित हंड्रेड गेम चेंजर नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।प्राकृतिक खेती कर रहे हैं विभिन्न जनपदों के किसानों ने अपने अनुभव साझा किए तथा उत्कृष्ट प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर डॉ सुभाष चंद्रा, डॉ एके सिंह,धनंजय सिंह,डॉ पीके राठी, डॉ अशोक कुमार,डॉ अरुण कुमार सिंह,डॉ विनोद प्रकाश एवं डॉ शशीकांत सहित कई जनपदों के लगभग 200 किसान एवं महिला किसानों ने प्रतिभाग किया।

महानगर आज 14/06/2022 कानपुर 14 जून, 2022 5

कुवैत ने की 192 टन देशी गाय का गोबर मांगा

एक दिवसीय कृषक-वैज्ञानिक संवाद में हुए सवाल-जवाब, अनुभाव साझा किये

कानपुर, 13 जून। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर की ओर से आयोजित एक दिवसीय कृषक-वैज्ञानिक संवाद एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि सीधे तौर पर मिट्टी से जुड़ी है तथा कृषकों की उन्नति मिट्टी पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में किसानों के लाभ हेतु राष्ट्रव्यापी मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती देसी गाय के गोबर और गोमूत्र से की जाती है। जिसमें कृषि लागत शून्य होती है और कृषि उत्पाद गुणवत्ता युक्त प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि मानव के स्वास्थ्य के साथ ही मृदा के स्वास्थ्य को भी स्वस्थ रखना है। उन्होंने बताया कि कुवैत ने अभी 192 मीट्रिक टन देसी गाय के गोबर की मांग की है क्योंकि कुवैत के कृषि वैज्ञानिकों ने पाया है कि खजूर की फसल में देसी गाय के गोबर के आशातीत परिणाम आ रहे। कार्यक्रम में किसानों को धान के 24 प्रदर्शन मिनी किट के रूप में वितरित किए गए। कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा प्रकाशित हंड्रेड गेम चेंजर नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। प्राकृतिक खेती कर रहे हैं

पुस्तक का विमोचन करते पूर्व कृषि मंती राधा मोहन सिंह व कुलपति।

विभिन्न जनपदों के किसानों ने अपने अनुभव साझा किए तथा उत्कृष्ट प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को सम्मानित भी किया गया। किसानों से अपील की है कि वे कम से कम अपने पूरे परिवार के लिए प्राकृतिक खेती शुरू करनी चाहिये, जिससे परिवार के सदस्य स्वस्थ रह सकें। आज शहरों में प्राकृतिक कृषि उत्पादों की मांग बढ़ती जा रही है।उन्होंने बताया कि शहरी लोग गांव जाकर किसानों को फैमिली फार्मर बना रहे हैं और उनका प्राकृतिक उत्पाद स्वयं खरीद लेते हैं। सीएसए के कुलपति डॉ डीआर सिंह ने कहाकि प्राकृतिक खेती अपनाकर हम अपने स्वास्थ्य,मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं।क्योंकि प्राकृतिक खेती में देसी गाय के गोबर,गोमूत्र द्वारा जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत आदि का निर्माण कर प्रयोग करते हैं जिसे मृदा की उर्वरा शक्ति के साथ ही सूक्ष्मजीवों की संख्या में बढ़ोतरी होती है।विशिष्ट अतिथि सदस्य श्याम बिहारी गुप्ता ने भी प्राकृतिक खेती पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ सुभाष चंद्रा, डॉ पीके राठी, डॉ अशोक कुमार,डॉ अरुण कुमार सिंह,डॉ विनोद प्रकाश एवं डॉ शशीकांत सहित कई जनपदों के लगभग 200 किसान एवं महिला किसानों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के अंत में डा. ए.के. सिंह ने धन्यवाद और संचालन धनंजय सिंह ने किया।

हंड्रेड गेम चेंजर नामक पुस्तक का विमोचन, किसानों को किया गया सम्मानित

कुवैत ने मांगा देसी गाय का गोबर

KANPUR (13 June): हाल में कुवैत ने भारत से 192 मीट्रिक टन देसी गाय के गोबर की मांग की है. कुवैत के कृषि विज्ञानियों को शोध के दौरान खजूर की फसल में देसी गाय के गोबर का प्रयोग करने से अच्छे परिणाम मिले हैं. यह बात मंडे को सीएसए कैंपस में कृषक-वैज्ञानिक संवाद संगोष्ठी में बतौर चीफ गेस्ट शामिल हुए पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री व सांसद राधा मोहन सिंह ने कही. उन्होंने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया.

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना

सांसद राधा मोहन सिंह ने कहा केंद्र सरकार ने साल 2015 में किसानों के लाभ के लिए राष्ट्रव्यापी मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना शुरू की थी. उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती देसी गाय के गोबर और गोमूत्र से की जाती है. जिसमें कृषि लागत शून्य होती है और कृषि उत्पाद गुणवत्तायुक्त प्राप्त होता है. सीएसए यूनिवर्सिटी के वीसी डॉ. डीआर सिंह ने बताया कि प्राकृतिक खेती अपनाकर हम अपने स्वास्थ्य, मृदा स्वास्थ्य और पर्यावरण को सुरक्षित रख

आर्गेनिक खेती से हर साल बढ़ता है उत्पादन

संगोष्ठी में आए कृषक समृद्धि आयोग उत्तर प्रदेश के मेंबर श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि प्राकृतिक खेती में मिट्टी की सेहत ठीक होने के साथ पहले साल से ही उत्पादन भी बढ़ने लगता है. ऐसी फसल की कीमत भी बाजार में ज्यादा मिलती है. संगोष्ठी में चीफ गेस्ट पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद राधा मोहन सिंह को सुबह 10.30 बजे पहुंचना था, लेकिन वो दोपहर 3 बजे के बाद वहां पहुंचे. 5 घंटे चीफ गेस्ट के इंतजार कर रहे किसान भी परेशान हो गए.

महानगर आज 14/06/2022 कानपुर 14 जून, 2022 5

कुवैत ने की 192 टन देशी गाय का गोबर मांगा

एक दिवसीय कृषक-वैज्ञानिक संवाद में हुए सवाल-जवाब, अनुभाव साझा किये

कानपुर, 13 जून। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर की ओर से आयोजित एक दिवसीय कृषक-वैज्ञानिक संवाद एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि सीधे तौर पर मिट्टी से जुड़ी है तथा कृषकों की उन्नति मिट्टी पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में किसानों के लाभ हेतु राष्ट्रव्यापी मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती देसी गाय के गोबर और गोमूत्र से की जाती है। जिसमें कृषि लागत शून्य होती है और कृषि उत्पाद गुणवत्ता युक्त प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि मानव के स्वास्थ्य के साथ ही मृदा के स्वास्थ्य को भी स्वस्थ रखना है। उन्होंने बताया कि कुवैत ने अभी 192 मीट्रिक टन देसी गाय के गोबर की मांग की है क्योंकि कुवैत के कृषि वैज्ञानिकों ने पाया है कि खजूर की फसल में देसी गाय के गोबर के आशातीत परिणाम आ रहे। कार्यक्रम में किसानों को धान के 24 प्रदर्शन मिनी किट के रूप में वितरित किए गए। कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा प्रकाशित हंड्रेड गेम चेंजर नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। प्राकृतिक खेती कर रहे हैं

पुस्तक का विमोचन करते पूर्व कृषि मंती राधा मोहन सिंह व कुलपति।

विभिन्न जनपदों के किसानों ने अपने अनुभव साझा किए तथा उत्कृष्ट प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को सम्मानित भी किया गया। किसानों से अपील की है कि वे कम से कम अपने पूरे परिवार के लिए प्राकृतिक खेती शुरू करनी चाहिये, जिससे परिवार के सदस्य स्वस्थ रह सकें। आज शहरों में प्राकृतिक कृषि उत्पादों की मांग बढ़ती जा रही है।उन्होंने बताया कि शहरी लोग गांव जाकर किसानों को फैमिली फार्मर बना रहे हैं और उनका प्राकृतिक उत्पाद स्वयं खरीद लेते हैं। सीएसए के कुलपति डॉ डीआर सिंह ने कहाकि प्राकृतिक खेती अपनाकर हम अपने स्वास्थ्य,मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं।क्योंकि प्राकृतिक खेती में देसी गाय के गोबर,गोमूत्र द्वारा जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत आदि का निर्माण कर प्रयोग करते हैं जिसे मृदा की उर्वरा शक्ति के साथ ही सूक्ष्मजीवों की संख्या में बढ़ोतरी होती है।विशिष्ट अतिथि सदस्य श्याम बिहारी गुप्ता ने भी प्राकृतिक खेती पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ सुभाष चंद्रा, डॉ पीके राठी, डॉ अशोक कुमार,डॉ अरुण कुमार सिंह,डॉ विनोद प्रकाश एवं डॉ शशीकांत सहित कई जनपदों के लगभग 200 किसान एवं महिला किसानों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के अंत में डा. ए.के. सिंह ने धन्यवाद और संचालन धनंजय सिंह ने किया।

हंड्रेड गेम चेंजर नामक पुस्तक का विमोचन, किसानों को किया गया सम्मानित

अमर उजाला 14/06/2022

kanpur.amarujala.com
Campus
my city

कुवैत ने मांगा देसी गाय का 192 मीट्रिक टन गोबर

सीएसए में हुए कृषक वैज्ञानिक संवाद में बोले पूर्व कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह, किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए किया प्रेरित

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर की ओर से सोमवार को सीएसए कैंपस में कृषक-वैज्ञानिक संवाद और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री व सांसद राधा मोहन सिंह ने बताया कि कुवैत ने भारत से 192 मीट्रिक टन देसी गाय के गोबर की मांग की है। वहां के कृषि वैज्ञानिकों ने पाया है कि खजूर की फसल में देसी गाय के गोबर के अच्छे परिणाम आ रहे हैं। सरकार गोबर एकत्र करके बेचने के लिए योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की उन्नति मिट्टी पर निर्भर करती है। प्राकृतिक खेती देसी गाय के गोबर और गोमूत्र से की जाती है, जिसमें कृषि लागत शून्य और कृषि उत्पाद गुणवत्ता युक्त होता है। ऐसे में किसान प्राकृतिक खेती करें।

कृषक संवाद कार्यक्रम में पुस्तक का विमोचन करते सांसद राधा मोहन सिंह, डॉ. एके सिंह, किसान श्याम बिहारी गुप्ता, कुलपति डॉ. डीआर सिंह, अविनाश सिंह। संवाद

कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने बताया कि प्राकृतिक खेती में देसी गाय के गोबर और गोमूत्र द्वारा जीवामृत, वीजामृत, घनजीवामृत से खेती करते हैं। विशिष्ट अतिथि कृषक समृद्धि आयोग उत्तर प्रदेश के सदस्य श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि प्राकृतिक खेती में मिट्टी की सेहत ठीक होने के साथ साथ पहले साल से ही उत्पादन भी बढ़ता है। इस दौरान केवीके की हंड्रेड गेम चेंजर पुस्तक का विमोचन किया गया। इस मौके पर समन्वयक प्रसार निदेशालय डॉ. एके सिंह, धनंजय सिंह, डॉ. खलील खान, डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ. पीके राठी, डॉ. अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

प्राकृतिक खेती कर उतारा चार लाख का कर्ज

शेष पाल सिंह।

विमलकांत।

रायबरेली के शिवगढ़ गांव से आए किसान शेष पाल सिंह ने बताया कि वह 2017 से 4.5 बीघा जमीन में जैविक खेती कर रहे हैं। रासायनिक खेती में बीज, खाद और कीटनाशकों को खरीदने में चार लाख का कर्ज हो गया था। प्राकृतिक खेती कर उन्होंने कर्ज अदा किया। बांदा के खेरिया गांव से आए किसान विमलकांत तिवारी ने बताया कि वह बीते चार साल से 6.5 बीघा में प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। इससे मिट्टी ठीक होने के साथ साथ उत्पादन भी बढ़ रहा है।

गर्मी में पांच घंटे तक करते रहे सांसद का इंतजार : पूर्व केंद्रीय मंत्री राधा मोहन सिंह को सुबह 10:30 बजे आना था पर वह साढ़े तीन बजे आए। सीएसए के इंटरनेशनल हॉस्टल में वह अधिकारियों संग थे। इस कारण किसानों को भीषण गर्मी में परेशानी का सामना करना पड़ा। कई किसान तो हॉल में सो गए।